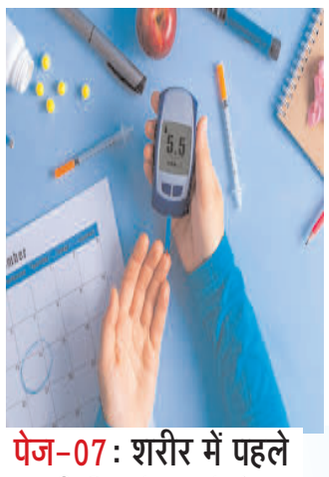

पेज-07 : शरीर में पहले ही दिखने लगते है

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष: 12, अंक: 74, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 01 दिसंबर से 15 नवंबर, 2023 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

पेज-04: इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्र

सेना के डॉक्टरों का कमाल, भारत में 7 साल के बच्चे का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट

नई दिल्ली/नजफगढ़ मैट्रो

दिल्ली कैंट के आर्मी हॉस्पिटल आर एंड आर (एएचआरआर) में हेमेटोलॉजी एंड स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन विभाग के डॉक्टरों ने भारत में पहली बार सात वर्षीय बच्चे सुशांत पौडेल का बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) किया है। इस सफल ट्रांसप्लांट ने इसी बीमारी से स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए भी उम्मीद के नए दरवाजे खोल दिए हैं। यह एक दुर्लभ इम्यूनोडिफीसिअन्सी डिसऑर्डर है, जिसमें सेना की चिकित्सा बिरादरी को पहली सफलता हासिल हुई है। सेना अस्पताल के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकांतन ने बताया कि सिपाही प्रदीप पौडेल का 7 साल का बेटा सुशांत अक्सर बीमार रहता था। चिकित्सीय जांच के दौरान एक साल की उम्र में ही उसके एआरपीसी1बी से ग्रसित होने का पता चला, जो दुर्लभ इम्यूनोडेफिशियेंसी डिसऑर्डर है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसने उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया था। इसी कारण उसे बार-बार जीवन-घातक संक्रमण और अन्य जटिलताओं का सामना करने का खतरा हो गया था। उसे छह महीने पहले आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) में रेफर किया गया था, लेकिन उनके पास मैचिंग सिबलिंग डोनर उपलब्ध नहीं था। उन्होंने बताया कि इसके बाद अस्पताल की हेमेटोलॉजी विभाग की टीम ने उपयुक्त डोनर तलाशने और सावधानीपूर्वक बोन मैरो ट्रांसप्लांट करने की व्यवस्था करने के लिए एक कठिन यात्रा शुरू की। उपयुक्त डोनर मिलने के बाद 30 नवंबर को उसकी स्वस्थ स्टेम कोशिकाओं को निकाला गया और उन स्टेम सेल्स को सुशांत पौडेल के रक्तप्रवाह में डाला गया। इसके बाद कीमोथेरेपी की हाई डोज देकर सुशांत की दोषपूर्ण कोशिकाओं को नष्ट कर दिया गया। इस प्रक्रिया का मकसद दोषपूर्ण प्रतिरक्षा कोशिकाओं को स्वस्थ कोशिकाओं से बदलना था, जिससे सुशांत पौडेल को स्वस्थ और जीवंत जीवन मिल सके।

'आज सरकार गरीब के दरवाजे पर खड़ी है...'

मोदी ने दी गारंटी, तीसरी पारी में देश को बनाउंगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 19 हजार करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास और लोकार्पण

वाराणसी/नजफगढ़ मैट्रो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से पूरे देश को इस बात की गारंटी दी है कि वो अपनी तीसरी पारी में देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाएंगे। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने काशी से ही देश को आश्वस्त किया और कहा कि किसान, महिला, युवा और गरीब-वंचित ही उनके लिए चार जातियां हैं, इन चारों जातियों के शत प्रतिशत कल्याण से ही भारत विकसित राष्ट्र बन सकेगा। सेवापुरी ब्लॉक के बरकी ग्राम सभा में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने वाराणसी और पूर्वांचल को 19 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगत दी। वहीं अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने कई बार भोजपुरी में लोगों से संवाद भी किया। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा को सार्वजनिक जीवन में कार्य करने वाले सभी लोगों के लिए चलती फिरती यूनिवर्सिटी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी का गौरवगान जब दुनिया करती है तो उन्हें सबसे ज्यादा खुशी मिलती है।

जब पीएम ने काशी की लाभार्थी महिला से पूछा 'चुनाव लड़ोगी'...

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान पीएम ने लाभार्थी महिला से किया संवाद

वाराणसी

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान हर कोई उस समय आश्चर्य चकित रह गया जब एक लाभार्थी महिला से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूछ लिया कि क्या वो चुनाव लड़ेंगी। दरअसल, सोमवार को वाराणसी के सेवापुरी ब्लॉक स्थित बरकी ग्राम सभा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मेरी कहानी मेरी जुबानी कार्यक्रम में पीएम मोदी के सामने लाभार्थी महिला चंदा देवी अपने अनुभवों को साझा कर रही थीं। चंदा देवी के आत्मविश्वास से प्रभावित प्रधानमंत्री ने उनसे पूछा कि आपकी पढ़ाई कितनी हुई है। चंदा देवी ने बताया कि वो इंटर तक पढ़ी हुई हैं।

इसपर प्रधानमंत्री ने पूछा कि आप इतना बढ़िया भाषण देती हैं, क्या पहले चुनाव लड़ चुकी हैं? इसपर चंदा देवी ने इनकार किया। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री ने चंदा देवी से पूछा कि क्या आप चुनाव लड़ेंगी? चंदा देवी ने कहा कि वो चुनाव नहीं लड़ेंगी मगर वो प्रधानमंत्री से प्रभावित हैं।

पीएम मोदी ने भोजपुरी में की काशीवासियों से शिकायत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत भोजपुरी भाषा में करते हुए कहा कि "हम ए साल देव दीपावली पर ना रहली, त एदा पारी काशीवाले सब रिकॉर्ड तोड़ देहलन।" उन्होंने कहा कि शिकायत इस बात की है कि दो साल पहले मैं काशी आया था उस देव दीपावली का रिकॉर्ड भी आपने तोड़ दिया, तो घर का सदस्य होने के नाते मुझे शिकायत का अधिकार है। उन्होंने कहा कि वे महादेव की जितनी भी सेवा कर सके उन्हें कम लगता है।

ये नया भारत मोदी की गारंटी का भारत है : योगी

वाराणसी/नजफगढ़ मैट्रो

देश में पिछले 9 साल में जो परिवर्तन देखने को मिला है, वो हमारे विश्वास का परिवर्तन है। ये नया भारत मोदी की गारंटी का भारत है। ये नया भारत सरकार की प्रत्येक योजना का लाभ बिना भेदभाव के देने की गारंटी देता है। आज विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी गांव गांव में मोदी जी की गारंटी की गाड़ी बन रही है। जो लोग अभी तक वंचित हैं उन्हें योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के देने की गारंटी है ये नया भारत। हम 2047 तक भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाकर एक विकसित भारत बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सेवापुरी ब्लॉक के बरकी ग्राम सभा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा (ग्रामीण क्षेत्र) कार्यक्रम के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक विजय के उपरांत प्रधानमंत्री के काशी आगमन पर प्रदेशवासियों की ओर से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज हम सब देशवासी एक नये भारत का दर्शन कर रहे हैं। एक ऐसा भारत जिसपर 140 करोड़ भारतवासी गौरव की अनुभूति कर रहा है। वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनते हुए पूरा देश देख रहा है। हम सब भारतवासी इस बात के लिए अभिभूत हैं कि पहली बार गरीब किसी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बना है। बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ और योजनाओं की जानकारी मोदी जी की गारंटी वैन के माध्यम से हमें देखने को मिल रही है।

'लोकसभा चुनाव आसान पर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं'

नई दिल्ली/नजफगढ़ मैट्रो

तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित भाजपा में लोकसभा चुनाव की तैयारियां जोर पकड़ने लगी है। संगठनात्मक बैठकों के तेज हुए क्रम में बूथ स्तर पर अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने का लक्ष्य पदाधिकारियों को थमाया जा रहा है। रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय विस्तार में दिल्ली के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष ने विकसित भारत अभियान को सभी 13 हजार बूथों तक सफलतापूर्वक ले जाने के साथ 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण

अधिकाधिक घरों तक ले जाने का लक्ष्य थमाया है। मंदिर को लेकर एक से 15 जनवरी तक लोगों को आमंत्रण करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

इस बैठक में प्रदेश प्रभारी बैजयंत पांडा व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ ही सभी सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, विधायक और पार्षद मौजूद रहे। इस दौरान बीएल संतोष ने विकसित भारत अभियान को दिल्ली के सभी 13 हजार बूथों को संगठनात्मक शक्ति के माध्यम से ले जाकर सफल बनाने की अपील की।

संसद की सुरक्षा में सेंध: सत्ता-विपक्ष में जमकर टकराव, अब तक 92 सांसद सदन से निलंबित

नई दिल्ली/नजफगढ़ मैट्रो

बीते बुधवार को संसद की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया था। लोकसभा सदन में दर्शक दीर्घा में बैठे दो व्यक्ति ने सभी को उस वक्त चौंका दिया, जब वे अचानक वहां से कूदकर सांसदों के बीच जा पहुंचे थे। इस दौरान आरोपियों ने जमकर हंगामा किया। बीते बुधवार सदन के भीतर मौजूद दो आरोपियों में से एक आरोपी सासंदों की सीट पर जा पहुंचा था। इस घटना को देखकर वहां पर मौजूद सासंदों और सुरक्षा कर्मियों के हाथ पांव फूल गए थे। हालांकि दो

आरोपियों में से एक आरोपी को वहां मौजूद सांसदों और सुरक्षा कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पकड़ लिया था और जमकर धुनाई की थी। घटना के बाद से ही विपक्षी दल केंद्र सरकार के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। विपक्षी सांसद लगातार घटना को लेकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। लेकिन विपक्षी सांसदों द्वारा 'कार्यवाही में व्यवधान' डालने के आरोप में अब तक 92 सांसदों को संसद की शेष शीतकालीन सत्र की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया है।

जिसके बाद से तमाम राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आई है। सरकार ने लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़े में फेंका- मल्लिकार्जुन

कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहले घुसपैठियों ने लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' पर हमला किया, अब मोदी सरकार सदन में इस मुद्दे पर चर्चा न करवाकर लोकतंत्र और संसद पर हमला कर रही है।

सीएम की कुर्सी जाने के बाद दिल्ली आ रहे शिवराज सिंह

भोपाल/नजफगढ़ मैट्रो

मध्य प्रदेश के सीएम की कुर्सी जाने के बाद अब शिवराज सिंह चौहान क्या केंद्र की राजनीति में कदम रखने वाले हैं। इसको लेकर अटकलों का बाजार गरम है। दरअसल, पूर्व सीएम कल दिल्ली आकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करने वाले हैं। शिवराज ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए अपने दिल्ली दौरे और भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की पुष्टि की। जानकारी के मुताबिक पूर्व सीएम मंगलवार सुबह दिल्ली पहुंचेंगे। चौहान ने कहा कि भाजपा प्रमुख नड्डा ने बैठक बुलाई है और मैं उनसे मिलने जाऊंगा।

केंद्र में पद मिलने पर क्या बोले

जब शिवराज से पूछा गया कि क्या केंद्रीय कैबिनेट में उन्हें पद देने को लेकर चर्चा होगी तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद चौहान की यह पहली दिल्ली यात्रा होगी।

इन मुद्दों पर काम जारी रखेंगे

पूर्व सीएम चौहान ने यह भी कहा कि पार्टी जो भी निर्णय लेगी, वह उसके लिए काम करेंगे। शिवराज ने कहा कि वो हमेशा कहते हैं कि भाजपा एक मिशन है और जब आप एक मिशन में काम करते हैं तो आप निर्णय नहीं लेंगे, मिशन आपके लिए निर्णय लेता है। पार्टी जो भी निर्णय लेगी, मैं उसके लिए काम करूंगा। पूर्व सीएम चौहान ने आगे कहा कि पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण जैसे कुछ पसंदीदा मुद्दे हैं जिसपर वो दिल से काम करना जारी रखेंगे।

लोकसभा चुनाव पर अब निगाह

इस बीच अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के बारे में बात करते हुए शिवराज ने कहा है कि अब लोकसभा चुनाव को लेकर लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र के नेतृत्व में राज्य की सभी 29 सीटें जीतने का है।

संसद की सुरक्षा में सेंध: नीलम को एफआईआर की कॉपी देने की मांग पर आज आएगा कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली/नजफगढ़ मैट्रो

दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने संसद की सुरक्षा में सेंध मामले की आरोपित नीलम की एफआईआर की कॉपी देने की मांग पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट इस मामले पर कल यानी 19 दिसंबर को फैसला सुनाएगा।

सुनवाई के दौरान नीलम के वकील ने कहा कि हमारा कानूनी अधिकार है कि वकील और परिवार को मिलने दिया जाए। परिवार को ये जानने का अधिकार है कि उसके खिलाफ आरोप क्या दर्ज किया गया है। इसके लिए एफआईआर की प्रति जरूरी है। इस पर दिल्ली पुलिस ने कहा कि मामला संवेदनशील है और आतंकवाद से जुड़ा है। इसलिए गोपनीयता बनाए रखना जरूरी है। नीलम के वकील ने कहा कि जांच अधिकारी से हमने एफआईआर की प्रति मांगी थी। तब जांच अधिकारी ने अदालत में अर्जी दाखिल करने के लिए कहा था। कानून भी आरोपित को अधिकार देता है कि परिवार उससे मिल सके। उसे वकील से भी नहीं मिलने दिया गया। नीलम के वकील ने कहा परिवार वालों को यह जानने का अधिकार है कि नीलम के ऊपर क्या आरोप लगा है।

परिवार को बस इतना पता है कि नीलम गिरफ्तार हुई है। उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर को कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। नीलम को संसद के बाहर नारा लगाते हुए गिरफ्तार किया गया था।

एनआईए ने आतंकवादी समूह के खिलाफ 19 जगहों पर छापे मारे

नई दिल्ली/नजफगढ़ मैट्रो

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दक्षिण भारत में 19 स्थानों पर अति कट्टरपंथी जिहादी आतंकवादी समूह के खिलाफ छापेमारी की है। एनआईए द्वारा वहां की स्थानीय पुलिस के सहयोग से सोमवार सुबह में शुरू की गई छापेमारी फिलहाल जारी है। छापेमारी के दौरान एनआईए ने मोहम्मद उमर, मोहम्मद फैजल रमानी, तनवीर अहमद, मोहम्मद फारूख और जुनैद अहमद के परिसर से महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस के साथ 7.3 लाख नकद बरामद किए हैं। सुरक्षा कारणों से एनआईए ने छापेमारी वाली जगहों के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। एनआईए के मुताबिक जुनैद अहमद सहित अन्य तीन आरोपितों को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

नीतीश अंड-बंड बोलते हैं...', सम्राट ने बिहार सीएम को पीएम उम्मीदवारी पर घेरा

लालू प्रसाद यादव इंडी गठबंधन की अगली बैठक के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। हालांकि, दिल्ली पहुंचने से पहले पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने प्रधानमंत्री पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने यह तक पूछ लिया कि "मोदी कौन है?" अब उनके इस बयान पर सियासत तेज हो गई है। बिहार बीजेपी के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने लालू यादव पर पलटवार किया है और उन्हें अपराधी करार दिया है। सम्राट चौधरी ने कहा, "कितनी बार लालू जी हारे हैं उनको गिनती याद है? अभी पांच राज्यों के चुनाव में क्या हालत हुई है इंडी गठबंधन की पूरा देश जानता है... और लालू प्रसाद जी बिहार में आपराधिक छवि के चेहरे हैं, जिसको जनता दल यूनाइटेड के नेताओं ने साबित किया है। लालू जी अपराधी हैं। चारा चोरी करने वाले लोग हैं। ये क्या बोलेंगे।"

'लालू जी की यहां राजनीतिक हैसियत नहीं बची है'

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लालू प्रसाद को बिहार की राजनीति में एक तरह से कांग्रेस और जदयू ने साफ कर दिया है। एक ने ऑर्डिनेंस फाड़कर इनको जेल में सड़ा दिया।

अब लालू जी की यहां कोई राजनीतिक हैसियत नहीं बची है। यहां किसी भी हालत में बिहार की 40 की 40 सीटे एनडीए या बीजेपी जीतेगी।

'नीतीश कुमार अंड-बंड बोलते हैं'

सम्राट चौधरी ने आगे कहा, "हम लोग तो सोचे थे कि नीतीश बाबू हम लोग को छोड़कर भागे हैं, तो हो सकता है कि प्रधानमंत्री के उम्मीदवार हो जाएंगे... लेकिन उनका क्या हाल किया है इन लोगों ने वो तो आज पूरा देश जान रहा है। आज नीतीश बाबू क्या-क्या बोल रहे हैं। अंड-बंड जो उनकी भाषा है... वो लगातार उल्टा-सीधा बोलते रहते हैं।

ये हम लोग समझ चुके हैं कि इंडी गठबंधन के लोगों ने नीतीश जी की हालत क्या कर दी।"

'नीतीश कुमार थक चुके हैं',

पटना/नजफगढ़ मैट्रो

लोजपा (आर) के मुखिया चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर एक बार फिर चिंता जाहिर की है। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि अब नीतीश कुमार थक चुके हैं और हार चुके हैं। वह देश का नेतृत्व नहीं कर सकते। चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार को अब उचित इलाज करवाने की जरूरत है। चिराग पासवान ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, "जो बिहार के लिए उपयुक्त नहीं, वह विपक्ष का चेहरा बनेगा? जिसे बिहार की जनता ने खारिज कर दिया वह राष्ट्रीय राजनीति का नेतृत्व करने का सपना देखता है। (बिहार) के मुख्यमंत्री अब थक चुके हैं।"

सरदार वल्लभभाई पटेल की 73वीं पुण्यतिथि आज, स्वतंत्रता दिलाने में निभाई अहम भूमिका

मानसी शर्मा / – स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की आज 73वीं पुण्यतिथि है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मौके पर पीएम मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को याद किया है और उनके योगदान की सराहना करते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट साझा किया।

पीएम मोदी ने किया नमन

पीएम मोदी ने लिखा,'ग्रेट सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और देश की एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने आधुनिक भारत की नींव रखी। उनका अनुकरणीय कार्य हमें एक मजबूत, अधिक एकजुट देश के निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन करता है। हम उनके जीवन से प्रेरणा लेते रहेंगे और समृद्ध भारत के उनके सपने को साकार करने की दिशा में काम करते रहेंगे।'

स्वतंत्रता दिलाने में निभाई अहम भूमिका

सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी के बाद बिना किसी जंग के 565रियासतों का विलय भारत में करवाया था। यही कारण है कि लोग उन्हें 'लौह पुरुष' कहते हैं। सरदार पटेल का जन्म 1875 में गुजरात के नाडियाड में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत बैरिस्टर से की थी फिर बाद में वो राजनीति में आए। सरदार पटेल कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। साथ ही आजादी की लड़ाई के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। देश की आजादी दिलाने में वो कई बार जेल भी गए लेकिन उस दौरान सरदार पटेल ने अपना हौसला टूटने नहीं दिया। 1950 में 15 दिसंबर को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

वैष्णो देवी के बाद साईं दरबार पहुंचे सुपरस्टार शाहरुख खान

मानसी शर्मा / – बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान एक बार फिर पर्दे पर नजर आने वाले हैं। साल 2023 में 'पठान' और 'जवान' के की अपार सफलता के बाद किंग खान अब फिल्मेकर राजकुमारी हिरानी की मूवी 'डंकी' में नजर आने वाले हैं। मूवी की रिलीज से पहले किंग खान पूरी कोशिश में जुटे है कि उनकी मूवी सुपरहिट हो जाए। मूवी के शानदार प्रमोशन के साथ ही किंग खान भगवान का भी सहारा ले रहे हैं। 'डंकी' की रिलीज को अब कुछ ही दिन बचे हैं और इससे पहले ही किंग खान भगवान के दरबार पहुंच रहे हैं। इससे पहले किंग खान ने वैष्णो देवी में परिवार के साथ माता के दर्शन किए और अब वो बेटी सुहाना खान के साथ शिरडी पहुंचे हैं।

शिरडी पहुंचे किंग खान

आपको बता दे कि दो दिनों पहले ही शाहरुख खान वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंचे थे और ये उनकी पहली वैष्णो देवी यात्रा नहीं थी। इससे पहले भी किंग खान ने इसी साल दो बार माता वैष्णों के दर्शन किए। इतना ही नहीं अभिनेता शाहरुख खान की ये दोनों यात्राएं ठीक उनकी मूवी रिलीज से पहले हुई थी। 'पठान' और 'जवान' को सुपरहिट कराने के लिए शाहरुख खान दर्शन करने पहुंचे थे। अब किंग खान 'डंकी' को सुपरहिट कराने में लग गए हैं। इसीलिए वो वैष्णो देवी के बाद शरडी पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों लोगों की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ी थी। इतना ही नहीं किंग खान भी फैंस की भीड़ को देखकर उत्साहित नजर आए। वही उन्होंने अपने फैंस को प्यारा रिएक्शन दिया। फैन्स की हूटिंग सुनते ही वो पीछे मुड़े, सभी की ओर हाथ वेव किए और फिर फ्लाइंग किस की।

मूवी डंकी की बारे में खास बातें

'डंकी' राजकुमार हिरानी और किंग खान की एक साथ पहली मूवी है। निर्देशक ने यह बताया है कि फिल्म अवैध रूप से विदेश जाने वाले लोगों और उनके हालातों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह शीर्षक आप्रवासियों द्वारा अपनाई जाने वाली एक टर्म से संबंधित है जिसे डंकी फ्लाई के रूप में जाना जाता है। 'डंकी' का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है और मूवी हिरानी, अभिजात जोशी और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखी गई है। कलाकारों में शाहरुख खान, तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन इरानी अहम भूमिका में हैं। मूवी का निर्माण हिरानी, गौरी खान और ज्योति देशपांडे ने किया है।

पौष्टिक आहार 74% भारतीयों की पहुंच से बाहर : संयुक्त राष्ट्र

मानसी शर्मा / – सेहतमंद खाना सभी के लिए आवश्यक है। लेकिन, भारत के तीन चौथाई लोग इसकी व्यवस्था करने में समक्ष नहीं हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की हाल में जारी रिपोर्ट से हुआ है। देश में साल 2020 में 76% लोग स्वस्थ खाने की व्यवस्था करने में असमर्थ थे। 2021 में मामूली सुधार के साथ 74% यानी 100 करोड़ से अधिक लोग सेहतमंद खाना वहन करने में परेशानी का सामना कर रहे थे। पड़ोसी पाकिस्तान में 82% को, जबकि बांग्लादेश में 66% लोगों को ऐसे हालात का सामना करना पड़ा।

पड़ोसी देशों की क्या हैं स्थिति?

स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रीशन 2023 शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि उस अवधि में खाद्य सामग्री की कीमतें जिस तेजी से बढ़ी, आय उसकी तुलना में नहीं बढ़ सकी। भारत में 2021 में प्रति व्यक्ति पौष्टिक खाने का रोजाना का खर्च करीब 250 रुपए था। बांग्लादेश में ये खर्च 267 रुपए, पाकिस्तान में इसकी लागत 325 रुपए थी। भूटान में लागत 441 रुपए, नेपाल में प्रति व्यक्ति सेहतमंद खाने की लागत 383 रुपए, श्रीलंका में 350 रुपए लागत थी।

वेस्टिंग के मामले में भी भारत में दर उच्चतम रही

2022 में बच्चों में वेस्टिंग के मामले में भारत में दर उच्चतम रही। यहां पांच साल से कम उम्र के 2.1 करोड़ (18.7%) बच्चे इस स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहे थे। भूटान में इस तरह के मामले नहीं मिले।

धोनी को भी मिला सचिन जैसा सम्मान , BCCI ने लिया बड़ा फैसला

मानसी शर्मा / – BCCI ने टीम इंडिया के महान क्रिकेटर और भगवान का दर्जा दिए जाने वाले सचिन तेंदुलकर के क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उनकी जर्सी नंबर 10 को रिटायर कर दिया था। अब हाल ही में एक खबर सामने आई है इउउकने टीम इंडिया के पूर्व महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जर्सी नंबर 7 को भी रिटायर कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इउउकने महेंद्र सिंह धोनी के सम्मान में उनकी जर्सी नंबर 7 को रिटायर कर दिया है।

BCCI ने धोनी की जर्सी को किया रिटायर

टीम इंडिया में अब किसी भी खिलाड़ी 10 के साथ-साथ नंबर-7 की जर्सी पहनने को नही मिलेंगी। टीम इंडिया के वर्तमान खिलाड़ियों और नए आने वाले सभी युवा खिलाड़ियों को इउउकने सूचित कर दिया है कि महेंद्र सिंह धोनी के ऐतिहासिक जर्सी नंबर-7 को इस्तेमाल ना करें। BCCI ने महेंद्र सिंह धोनी के द्वारा इंडियन क्रिकेट को दिए गए योगदान के कारण उनकी जर्सी नंबर 7को रिटायर करने का फैसला लिया है।

आपको बता दें कि महेंद्र सिंह धोनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2019 वनडे विश्व कप के

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उस मैच में महेंद्र सिंह धोनी टीम इंडिया को जीत दिलाने में सफल नही हुए थे, और लगभग एक साल बाद 15 अगस्त, 2020 को महेंद्र सिंह धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा बोल दिया था

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धोनी के रिकॉर्ड

टीम इंडिया के महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपने करियर में कुल 90 टेस्ट, 350 वनडे, और 98 ळ20मैच खेले हैं। इन तीनों फॉर्मेट में धोनी ने क्रमशः 38।09 की औसत से 4876 रन, 50।57 की औसत से 10,773 रन, और 37।60 की औसत से 1617 रन बनाए थे। इसके अलावा महेंद्र सिंह धोनी ने बतौर विकेटकीपर टेस्ट मैच में 256 कैच, और 38 स्टंप आउट किए थे। वहीं, वनडे में धोनी ने 321 कैच, और 123 स्टंप आउट किए थे, जबकि ळ20में उन्होंने 57 कैच और 34 स्टंप आउट किया था।

महेंद्र सिंह धोनी धोनी टीम इंडिया के लिए सबसे सफल कप्तान साबित हुए हैं, और वह दुनिया के एकमात्र ऐसे कप्तान हैं, जिन्होंने आईसीसी के तीनों बड़े टूनार्मेंट, ळ20विश्व कप,वनडे विश्व कप, और चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया टेस्ट फॉर्मेट में भी नंबर 1 टीम बनी थी, और उनकी ही कप्तानी के एक दौर में टीम इंडिया तीनों फॉर्मेट में नंबर 1 रहा करती थी। BCCI ने महेंद्र सिंह धोनी के इन्हीं योगदान को सम्मान देते हुए उनके जर्सी नंबर-7 को रिटायर किया है।

बालकनाथ और दीयाकुमारी को छोड़कर भजनलाल शर्मा को क्यों बनाया सीएम ?

मानसी शर्मा / – राजस्थान के नए सीएम भजनलाल शर्मा आज शपथ ग्रहण करेंगे। साथ ही सूबे के दोनों डिप्टी सीएम भी इस समारोह में शामिल होंगे। पीएम मोदी समेत कई दिग्गज नेता भी इस कार्यक्रम में पहुंचेंगे। लेकिन राजस्थान में जिन लोगों का नाम सीएम रेस में सबसे आगे था उन लोगों को पीछे छोड़ते हुए भजनलाल शर्मा को सीएम क्यों बनाना गया। चलिए आपको इस सवाल का जबाव देते है।साथ ही कौन है ये भजनलाल शर्मा के बारे में बताते है।

दरअसल 13 दिसंबर को बीजेपी ने राजस्थान के नए सीएम का ऐलान किया था। भजनलाल शर्मा को राजस्थान का सीएम बनाना गया। वहीं प्रेम चंद्र बैरवा और दीया कुमारी को डिप्टी सीएम पद सौंपा। भजनलाल शर्मा सांगानेर से विधायक हैं और भाजपा के महामंत्री हैं। बता दें कि पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से उन्हें चुना गया. विधायक दल की बैठक से पहले बड़े नेता पर्यवेक्षकों से मिले थे

कौन हैं भजनलाल शर्मा

भजनलाल शर्मा का निवास जयपुर के जवाहर सर्किल पर है। वह मूल रूप से भरतपुर के रहने वाले हैं। संगठन में लंबे समय से कार्यरत हैं। वहीं प्रदेश महामंत्री के तौर पर कार्य करते रहे हैं? बीजेपी ने उन्हें पहली बार जयपुर की सांगानेर जैसी सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ाया था। वहीं भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस के पुष्पेंद्र भारद्वाज को 48081वोटों से शिकस्त दी थी।

महाराष्ट्र में पुरानी पेंशन योजना पर बजट सत्र से पहले लिया जाएगा फैसला : अजित पवार

मानसी शर्मा / - राज्य में पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों के लिए गुड़ न्यूज है। राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आश्वासन दिया है कि आगामी बजट सत्र से पहले इस बारे में फैसला ले लिया जाएगा।

अजित पवार ने क्या दी जानकारी?

सनद रहे कि राज्य विधानसभा का बजट सत्र सामान्य तौर पर हर साल फरवरी-मार्च में होता है। नागपुर में विधान भवन परिसर में पवार ने ओपीएस की मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से हुई बात-चीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मांग पर विचार करने के लिए गठित समिति

की रिपोर्ट मिल गई है।

ओपीएस 2005 में बंद कर दिया गया था

राज्य में अनेक सरकारी और अर्द्ध-सरकारी कर्मचारी ओपीएस को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। जिसे राज्य में 2005 में बंद कर दिया गया था। ओपीएस के तहत सरकारी कर्मचारी को उसके अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर मासिक पेंशन मिलती थी। तब इसमें कर्मचारियों की ओर से अंशदान की जरूरत नहीं होती थी।

नई पेंशन योजना क्या है?

नई पेंशन योजना के तहत राज्य सरकार के कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते के दस प्रतिशत का अंशदान देते हैं, और इतनी ही हिस्सेदारी सरकार की ओर से होती है। इस धन का निवेश पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत अनेक पेंशन फंड में किया जाता है, और यह धन बाजार से जुड़ा होता है। पवार ने कहा कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी कर्मचारी नेताओं से बात करेंगे। नागपुर में विधान भवन परिसर में पवार ने ओपीएस की मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से हुई बात-चीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मांग पर विचार करने के लिए गठित समिति की रिपोर्ट मिल गई है।

क्या आपने निपटा लिए ये 5 जरूरी काम? खत्म होने वाली है डेडलाइन,-चूके तो पड़ेगा भारी

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/-

पहला काम : म्यूचुअल फंड नॉमिनेशन अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो आपके लिए 31 दिसंबर की तारीख बेहद अहम है। दरअसल, इस लास्ट डेट से पहले आपको अपने अकाउंट में नॉमिनी जोड़ना है। अगर ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो आपके म्यूचुअल फंड अकाउंट को फ्रीज भी किया जा सकता है। डीमैट एकाउंट होल्डरस के लिए भी ये काम करना जरूरी है।

दूसरा काम : अपडेटेड आईटीआर इनकम टैक्स भरने की लास्ट डेट 31 जुलाई 2023 थी, लेकिन जिन लोगों ने तय तारीख तक ये काम नहीं किया है, उनके पास इसे करने के लिए 31 दिसंबर तक का मौका है। इस डेडलाइन तक लेट फीस के साथ अपडेटेड आईटीआर दाखिल किया जा सकता है। जुमार्ने की बात करें तो ये इनकम के हिसाब से अलग-अलग होता है। अगर टैक्सपेयर्स की आय 5,00,000 रुपये से अधिक है, तो 5,000 रुपये तक का जुमार्ना देना होगा, जबकि 5,00,000 रुपये से कम

आय होने पर जुमार्ने की राशि1000 रुपये होगी।

तीसरा काम : यूपीआई अकाउंट हो सकता है बंद

जरूरी कामों की लिस्ट में अगला नाम शामिल है यूपीआई का, दरअसल नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने गूगल पे, फोन पे या पेटीएम की ऐसी यूपीआई आईडी को इनएक्टिव करने का फैसला किया है, जो कि बीते 1 साल या इससे अधिक समय से यूज नहीं हुई हैं। इसलिए जरूरी है कि 31 दिसंबर 2023 से पहले इसका इस्तेमाल जरूर कर लें, नहीं तो थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद कर देंगे।

चौथा काम : लॉकर एग्रीमेंट

एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा समेत अन्य बैंकों में लॉकर लेने वाले ग्राहकों के लिए भी अलर्ट है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, संशोधित लॉकर एग्रीमेंट्स को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए 31 दिसंबर 2023 की डेडलाइन तय की गई है। अगर आपने उससे पहले संशोधित बैंक लॉकर एग्रीमेंट सब्मिट किया है, तो आपको अपडेटेड एग्रीमेंट सब्मिट करना पड़ सकता है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो फिर आपको बैंक लॉकर छोड़ना पड़ सकता है। 31 दिसंबर तक 100 फीसदी ग्राहकों के साइन बैंक लॉकर एग्रीमेंट पर करवाए जाने को आरबीआई द्वारा जरूरी किया गया हैं।

पांचवां काम : एसबीआई स्कीम की लास्ट डेट

भारतीय स्टेट बैंक की स्पेशल एफडी स्कीम एसबीआई अमृत कलश स्कीम की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2023 को खत्म हो रही है। 400 दिन की इस एफडी स्कीम पर अधिकतम 7.60 फीसदी का ब्याज दर मिल रहा है। इस स्पेशल एफडी डिपॉजिट पर मैच्योरिटी ब्याज, टीडीएस काटकर ग्राहकों के खाते में जमा कर दिया जाएगा। टीडीएस इनकम टैक्स के अधिनियम के तहत लागू दर पर लगाया जाएगा। अमृत कलश योजना में प्रीमैच्योर और लोन की सुविधा भी उपलब्ध है।

राष्ट्रीय खिलाड़ी पंकज सिंह को सॉफ्टबॉल खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया गया सम्मानित

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- आई. सी. एम. आर. (एन. आई. एम. आर.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के वार्षिक उत्सव पर सॉफ्टबॉल खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पंकज सिंह को माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं रसायन एवं उर्वरक मंत्री भारत सरकार श्रीमान मनसुख मांडवीया ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर एस. पी. सिंह बघेल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारत सरकार एवं डॉक्टर भारती प्रवीण जनजातीय राज्य मंत्री एवं डॉ राजीव बहल सचिन डिपार्मेंट आफ हेल्थ रिसर्च भारत सरकार डायरेक्टर जनरल आईसीएमआर भीं उपस्थित रहे।

आई. सी. एम. आर. (एन. आई. एम. आर.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के वार्षिक उत्सव पर सॉफ्टबॉल खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत होने के उपरांत आई. सी. एम. आर. (एन. आई.एम.आर.) के निर्देशक डॉक्टर अनूप अन्वीकार एवं वर्ल्ड हेल्थ ऑगेर्नाइजेशन के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर बी. एन. नागपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक रजनीकांत दीक्षित, प्रशासनिक अधिकारी श्रीमान दिनेश सोनी, लेखा अधिकारी श्रीमती उर्वशी कालिया एवं अनुभाग अधिकारी श्रीमान सुबोध त्यागी ने पंकज सिंह को इस सम्मान के लिए बधाई दी।

एक्टर श्रेयस तलपड़े को पड़ा दिल का दौरा

मानसी शर्मा / – अभिनेता श्रेयस तलपड़े को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। उनकी हालत अब स्थिर है। बताया जा रहा है कि एक्टर फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। जैसे ही शूटिंग खत्म हुई वह नीचे जमीन पर गिर गए। जिसके बाद उन्होंने अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

श्रेयस तलपड़े को पड़ा दिल का दौरा

जानकारी के अनुसार, एक्टर फिल्म वेलकम टू जंगल की शूटिंग कर रहे थे। अक्षय कुमार ने फिल्म के सेट की एक वीडियो भी शेयर की है। इसमें श्रेयस भी नजर आते हैं। अक्षय वीडियो में स्टंट कर रहे हैं। उनके पीछे सीढ़ियों पर श्रेयस खड़े हैं। वहीं शूटिंग खत्म होने के बाद श्रेयस बेहोश होकर गिर गए थे। आनन फानन में उन्हें मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित Bellevue में उनकी एंजियोप्लास्टी हुई।

बताया जा रहा है कि शूटिंग के वक्त एक्टर की तबीयत एकदम सही थी। वो सेट पर मस्ती भी कर रहे थे। शूटिंग के बाद वो घर गए। उसने अपनी पत्नी से शिकायत की कि वह बेचैन और बेचैनी महसूस कर रहा है। इसके बाद एक्टर बेहोश हो गए. पत्नी दीप्ति उन्हें तुरंत अस्पताल ले गईं। फैंस और सेलेब्स श्रेयस की स्पीडी रिकवरी की दुआ कर रहे हैं। उम्मीद है जल्द वो डिस्चार्ज होकर सही सलामत घर लौटें।

उत्तर प्रदेश को एक और वंदे भारत की सौगात

मानसी शर्मा / – उत्तर प्रदेश को केंद्र सरकार की तरफ से एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने जा रही है। दरअसल, ये सौगात यूपी के प्रयागराज को मिली है। पीएम मोदी 18 दिसंबर को वाराणसी से वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। इससे पहले अयोध्या को वंदे भारत की सौगात मिल चुकी है। वहीं वाराणसी- नई दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अब प्रयागराज से चलेगी। नई वंदे भारत एक्सप्रेस वाराणसी से सुबह छह बजे चलेगी और साढ़े सात बजे प्रयागराज जंक्शनहोते हुएसाढ़े नौ बजे कानपुर सेंट्रल और दोपहर दो बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

आधिकारिक पत्र आने का है इंतजार

वहीं, इस ट्रेन की वापसी की बात करें तो ये ट्रेन नई दिल्ली से दोपहर तीन बजे प्रस्तावित है। जो शाम 7 बजकर आठ मिनट पर कानपुर सेंट्रल और रात 9 बजकर आठ मिनट पर प्रयागराज जंक्शन होते हुए रात 11बजे वाराणसी पहुंचेगी। सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन होना है, बोर्ड से आधिकारिक पत्र आने का इंतजार हो रहा है।

अयोध्या के लिए वंदे भारत

वहीं रेलवे प्रशासन नई वंदे भारत एक्सप्रेस को अयोध्या वाया लखनऊ होते हुए आनंद विहार के बीच चलाएगा। जिसके नए रैक का आवंटन उत्तर रेलवे को रेल कोच फैक्ट्री से हो चुका है। इसे उत्तर रेलवे को 16 दिसंबर को सौंप दिया जाएगा। वहीं इस एक्सप्रेस ट्रेन में आठ बोगियां होगी। फिलहाल रेलवे इसकी टाइमिंग और स्टॉपेज की लिस्ट बना रहा है। ट्रेन की बात करें तो ये आठ घंटे में आनंद विहार से लखनऊ के सफर को तय करेगी। दरअसल, रेलवे बोर्ड ने नई दिल्ली-लखनऊ शताब्दी एक्सप्रेस को वंदे भारत में बदलने का प्रस्ताव बनाया था। वहीं इस ट्रेन को शताब्दी एक्सप्रेस के नए विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

विपक्षी खेमे के 14 MXPs का संसद से निलंबन, शेष शीतकालीन सत्र के लिए निलंबन

मानसी शर्मा / – संसद के 14 विपक्षी सदस्यों को गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ने अनियंत्रित व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया। इनमें कांग्रेस के 9, सीपीआईएम के 2, डीएमके के 2 और सीपीआई के एक सांसद शामिल हैं। बुधवार को लोकसभा की सुरक्षा में हुए उल्लंघन को लेकर विपक्ष गुस्से में है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग कर रहा है। लोकसभा ने सबसे पहले कांग्रेस पार्टी से संबंधित पांच संसद सदस्यों झ टीएन प्रतापन, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, जोथी मणि और राम्या हरिदास को संसद के शीतकालीन सत्र के शेष समय के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया।

निलंबन की कार्रवाई

संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने संसद के निलंबन के प्रस्ताव की प्रस्ताव पेश की। बाद में विपक्षी दलों के 9 संसद सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। बता दें कि यह कार्रवाई टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओह्लब्रायन को सदन में ह्लअनियमितह्व आचरण के लिए निलंबित किए जाने के कुछ घंटों बाद आया है। सदन के नेता पीयूष गोयल द्वारा इस संबंध में प्रस्ताव पेश करने के बाद राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने टीएमसी सांसद को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया।

कार्रवाई की निंदा की

संसद से निष्कासन के बाद टीएमसी सांसद डोला सेन ने डेरेक ओह्लब्रायन के खिलाफ कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा, ह्लयह राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में है, इस मुद्दे को उठाना विपक्ष के रूप में हमारा कर्तव्य है। यदि गृह मंत्री ने सदन में बयान दिया होता, तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। इस मुद्दे को उठाना विपक्ष का हमारा अधिकार है, इसलिए हम वेल में गए और नारे लगाए। अगर वे इसके लिए हमें निलंबित करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं।

गीता महोत्सव 2023: जनभागीदारी से भव्य एवं गरिमामयी होगा जिला स्तरीय गीता महोत्सव- डीसी

झज्जर/शिव कुमार यादव/- गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इस बार महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम में 22 से 23 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करवाया जाएगा। इस संबंध में डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने बुधवार को जिला के विभिन्न अधिकारियों व सामाजिक संगठनों की बैठक ली तथा इस कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की।

डीसी ने कहा कि महाभारत में कुरुक्षेत्र की धरा पर भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश आज के युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। हरियाणा सरकार के प्रयासों से आज गीता का प्रचार प्रसार पूरी दुनिया में हो रहा है। विश्व के कई देशों में इस महान ग्रंथ को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। गीता पर आधारित सेमिनार, गीता यज्ञ, गीता पूजन, दीपोत्सव तथा नगर शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यक्रमों में जिला की धार्मिक सामाजिक संस्थाओं की मुख्य भूमिका रहेंगी। डीसी ने बताया कि दोनों ही दिन महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम के प्रांगण में विभिन्न विभागों व स्वयं सहायता समूह की ओर से प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा।

इन प्रदर्शनी में आम नागरिकों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद खरीदने का मौका मिलेगा। प्रदर्शनी में मोटे अनाज को लेकर भी स्वयं सहायता समूह की ओर से स्टॉल लगाई जाएंगी। इस दौरान न केवल मोटे अनाज के फायदों के बारे में बताया जाएगा बल्कि उनसे बने उत्पाद का स्वाद चखने का भी मौका मिलेगा।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिहर्सल शुरू करवाई जाए। उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को लेकर सभी अधिकारी पूरे उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने नगर शोभायात्रा के संबंध में भी रूट चार्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में यह अधिकारी रहे उपस्थित

इस मौके पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं एडीसी सलोनी शर्मा,आईएएस राहुल मोदी, एसडीएम बहादुरगढ़, डीएमसी जगनिवास, एसडीएम बादली रविंद्र कुमार, एसडीएम झज्जर विशाल कुमार, एसडीएम बेरी रविंद्र मलिक, सीटीएम परवेश कादयान, उप पुलिस अधीक्षक गुलाब सिंह, डीआरओ प्रमोद चहल, डीडीपीओ ललिता वर्मा, डीआईपीआरओ सतीश कुमार, डीईओ राजेश कुमार, डीएसओ ललिता मलिक, सीएमजीजीए चेतना चतुवेर्दी के अलावा माता भीमेश्वरी देवी मंदिर से हैड पुजारी पंडित कुलदीप वशिष्ठ, ब्रहमकुमारी से बीके भावना, मत्स्य अधिकारी अंजू रानी, गुरूकुल झज्जर से आचार्य शतक्रतु, विभिन्न विभागों के अधिकारी व सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पैशन बहाली व अन्य सुविधाओं को लेकर पूर्व अर्धसैनिकों का कलेक्ट्रेट के सामने विरोध प्रदर्शन

विशाखापट्टन/शिव कुमार यादव/- सैंट्रल पैरामिलिट्री एक्स सर्विस-मैंन वेलफेयर एसोसिएशन विशाखापटनम के बैनर तले सैंकड़ों पैरामिलिट्री परिवारों द्वारा पैशन बहाली व अन्य सुविधाओं को लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विशाखापट्टन के कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा।

कानफैडरेसन महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कि आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैंकड़ों पूर्व अर्धसैनिकों द्वारा विशाखापटनम लाइब्रेरी में इकट्ठा हो कर 13 दिशंबर 2001 संसद हमले में शहीद हुए जवानों की शहादत को नमन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व अर्धसैनिकों द्वारा देश की चाक चौबंद चौकसी करने वाले जवानों ने लोकतंत्र के मंदिर संसद को आतंकी हमले से बचाया और ईनाम के तौर पर सरकार ने पैरामिलिट्री जवानों की पुरानी पैंशन बंद कर दी जिसपर कानफैडरेसन ने आश्चर्य व्यक्त किया।

इस मौके पर कॉनफैडरेसन चेयरमैन पूर्व एडीजी श्री एचआर सिंह द्वारा विधवाओं व वीर नारियों को शाल ओढ़ाकर कर सम्मानित किया गया। विशाखापटनम लाइब्रेरी से जिला कलेक्टर कार्यालय तक सैकड़ों पूर्व अर्धसैनिकों द्वारा शांति पुर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमें, वन रैंक वन पेंशन, पुरानी पैंशन बहाली, जिला स्तर पर सीजीएचएस डिस्पेंसरियां खोलने, जिला स्तर पर हरियाणा की तर्ज पर आंध्रप्रदेश राज्य में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड का गठन, मध्य प्रदेश की तर्ज पर पुलिस हेल्प डेस्क की स्थापना, अर्ध सेना झंडा दिवस कोष की स्थापना, सीआईएसएफ कर्मियों के लिए सीएलएमएस सुविधा उपलब्ध कराने, एक्स मैन व शहीद का दर्जा देने की मांग की गई।

जिला कलेक्टर श्री के एस विशवानाथन को महासचिव रणबीर सिंह द्वारा गुलदस्ता भेंट कर टीम आंध्रप्रदेश द्वारा मुख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जयेंद्र सिंह राणा अध्यक्ष, रणबीर सिंह महासचिव, बलबीर सिंह कार्डिनेटर हरियाणा, आर श्रीनिवास राव प्रेसिडेंट, सीएएसएन बाबू, वी हरिनाथ स्टेटस कार्डिनेटर, एच हरीबाबू, जीएसबी सुब्रमण्यम सेक्रेटरी, वाई श्रीनिवास, एसओ भास्कर, एवीएसएन वर्मा, ए हरीप्रसाद प्रतिनिधि मंडल में शामिल हुए।

बहादुरगढ़ के सेक्टर 13 में पहुंची नशामुक्त भारत अभियान यात्रा

बहादुरगढ़,/शिव कुमार यादव/- ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा संपूर्ण समाज को नशामुक्त करने के संकल्प के साथ शुरू हुई प्रेरक व अद्भुत यात्रा को सेक्टर 13 स्थित ब्रह्माकुमारी सेंटर पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों व अधिकारियों के साथ-साथ ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश कौशिक, नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी, नगर परिषद के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर संजय रोहिल्ला, एचएल सिटी पुलिस चैकी इंचार्ज रविंद्र, एएसआई राजीव, डॉ.ज्योति मलिक, डॉ.संजय, पार्षद प्रवीण कुमार, आरडब्ल्यूए सैक्टर 13 के प्रधान संजीव छिकारा, ब्रह्माकुमारी अंजलि दीदी, रेणु दीदी द्वारा नशा मुक्ति का संदेश देने वाली वैन को हरी झंडी दिखाकर, बहादुरगढ़ के निकटवर्ती गांवों,स्कूलों व कॉलेजों में जागृति फैलाने के लिए रवाना किया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान यात्रा में बनाया कुंभकरण आकर्षण का केंद्र रहा। कुंभकरण द्वारा नशे की लत में डूबे हुए लोगों को जगाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व भाजपा विधायक नरेश कौशिक ने संस्था की इस अभियान यात्रा की मुक्त कण्ठ से सराहना की और उसकी सफलता की शुभकामनाएं दी। डॉ.ज्योति मलिक व डॉ.संजय ने भी व्यसनों द्वारा शरीर पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों से सभी को अवगत कराया। ब्रह्माकुमारी अंजलि दीदी ने बताया कि मेडिटेशन से प्राप्त मन की दृढ़ता से नशों से मुक्ति पाई जा सकती है।

सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर और नारे लगाकर यात्रा को शहर के विभिन्न स्थानों के लिए रवाना किया गया। अभियान दल द्वारा आज आकाश इंटरनेशनल स्कूल, मेला ग्राउंड, शक्ति नगर, सब्जी मंडी, झज्जर रोड चुंगी, ट्रक यूनियन न्यू ऑटो मार्केट नयागांव आदि अनेक स्थानों पर लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया गया।

ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के लिए आवेदन 17 दिसम्बर तक- एडीसी

झज्जर/शिव कुमार यादव/- ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने और बिजली खपत को कम करने को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से वर्ष 2022-23 के लिए दो लाख रुपए तक के राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग हरियाणा व हरेडा द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए विभिन्न श्रेणियों के पात्र उपभोक्ताओ से राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 दिसम्बर है।

एडीसी सलोनी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक, वाणिज्यिक राजकीय, संस्थागत, समूह आवासीय भवनों द्वारा ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने तथा तकनीक व ऊर्जा दक्षता का उचित प्रयोग करने वाली संस्थाओं को ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार दिया जाता है। इसके अलावा, इनमें इनोवंशन या नई प्राद्योगिकियों या अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में नई प्रचार परियोजनाओं को शामिल किया गया है।

राजस्थान में भजन लाल शर्मा ने ली सीएम की शपथ

अब कैबिनेट बैठक में होगा यह बड़ा फैसला

जयपुर/शिव कुमार यादव/- राजस्थान में नई सरकार का गठन हो चुका है। नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएम पद की शपथ ले ली है। उनके साथ उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने भी शपथ ग्रहण किया। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में हुआ। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मेहमानों को विदा करने के बाद सीएमओ पहुंचकर कैबिनेट की बैठक करेंगे।

नए सीएम भजनलाल शर्मा के हस्ताक्षर से पहले आदेश का इंतजार तेज हो गया है। सीएम भजनलाल शर्मा की कलम से पहले आदेश क्या होगा। इसे लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है। युवाओं और पेपर लीक को लेकर आदेश विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने जिस तरह से युवाओं से वादा किया था। इसे लेकर नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कोई आदेश जारी कर सकते हैं। इसके साथ ही पेपर लीक को लेकर भी नया आदेश जारी किया जा सकता है। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश के युवाओं को वादा किया था कि भाजपा की सरकार में कोई पेपर लीक नहीं होगा। जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी के यहां से सीएम का नाम तक लीक नहीं हो सका। उसी तरह प्रदेश में पेपर लीक भी नहीं होगा।

राजस्थान की भजनलाल सरकार में 29 मंत्री बन सकते हैं। वहीं सीएम भजन लाल शर्मा की कैबिनेट की बैठक में पेट्रोल के दाम कम करने को लेकर भी कोई आदेश किया जा सकता है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि उनकी सरकार आई तो वह पेट्रोल के दामों में कमी आएगी। चर्चा है कि इसे लेकर भी पहले आदेश जारी हो सकता है। अभी राजस्थान के लोगों को महंगा पेट्रोल होने की वजह से पड़ोसी राज्यों से पेट्रोल और डीजल खरीदना पड़ता है।

महुआ मोइत्रा ने लोकसभा से अपने निष्कासन को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- लोकसभा से अपने निष्कासन को लेकर तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को लोकसभा से अपने निष्कासन की तुलना ह्यकंगारू अदालतह्न द्वारा सजा दिए जाने से करते हुए आरोप लगाया था कि सरकार लोकसभा की आचार समिति को विपक्ष को झुकने के लिए मजबूर करने का हथियार बना रही है। मैं अपने खिलाफ हुए अन्याय के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूगीं। लोकसभा की आचार समिति की सिफारिश पर सदन की सदस्यता से निष्कासित किये जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया में मोइत्रा ने कहा था कि उन्हें उस आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो अस्तित्व में ही नहीं है और उन्हें नकदी या उपहार दिए जाने का कोई सबूत नहीं है।

नांगलोई में किया जाएगा एमपी के सीएम मोहन यादव का भव्य स्वागत

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भाजपा आलाकमान ने मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त करने से दिल्ली के नांगलोई इलाके के भाजपा नेताओं की खुशी का ठिकाना नहीं हैं। वह जल्द से जल्द उनसे मुलाकात करके उनके स्वागत की तैयारी में जुट गए।

वर्ष 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान मोहन यादव को नांगलोई का प्रभारी बनाया था। उसी दौरान प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी के सदस्य रहे। दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थानसिंह यादव ने बताया की मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त करने की जानकारी मिलने पर उनके साथ-साथ इलाके के तमाम नेता गदगद हो गए। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान मोहन यादव उनके निवास पर आए थे और उनसे दिल्ली के गांवो, खेतों व किसानों को लेकर चर्चा हुई थी। वे ऐसे घुल मिल गए थे, जैसे वे उनके बीच रहते हो। उस समय उन्होंने नेता के बजाए एक कार्यकर्ता की तरह कार्य किया था। उन्होंने चुनाव प्रबंधन के साथ-साथ प्रचार भी किया था।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की उनको मुख्यमंत्री शपथ लेने के बाद हम उनसे व छत्तीसगढ ओर राजस्थान के नवनियुक्त मुख्यमंत्रियों से भी मांग करेंगे की वे राज्य के गांवो, खेतो में खुदे बोरवेल को बंद कराए ताकि छोटे छोटे मासूम बच्चे उसमें ना गिरे और हर गांव में छोटे बच्चो के लिए पार्क बनवाएं। सभी सीएम गांवो व किसानों के विकास पर ज्यादा काम करें। पूर्व मंत्री देवेंद्र शौकीन ने कहा कि मोहन यादव ने वर्ष 2020 के चुनाव में पार्टी को जिताने के लिए तमाम नेताओं के ही नहीं, बल्कि कार्यकताओं के घर पर भी दस्तक दी थी वो जमीन से जुड़े नेता हैं।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद: मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से किया इंकार

उत्तर प्रदेश/शिव कुमार यादव/- कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर विवाद में मुस्लिम पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसंबर को दिए फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर का तीन अधिवक्ता आयुक्तों की टीम द्वारा सर्वे करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से किया इनकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को शाही ईदगाह विवाद से जुड़े 18 मामलों में से 17 मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मथुरा स्थित शाही ईदगाह परिसर का सर्वे करने का निर्देश दिया। यह सर्वे अधिवक्ता आयुक्तों की टीम करेगी। हालांकि सर्वे कब शुरू होगा, इसकी तारीख आनी अभी बाकी है। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट 9 जनवरी को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

18 दिसंबर को फिर सुनवाई करेगा हाईकोर्ट

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर की 13.37 एकड़ जमीन को लेकर विवाद है। इस जमीन का कमिश्नर सर्वे वाराणसी की ज्ञानवापी परिसर की तरह होगा। अधिवक्ता आयुक्तों की टीम विवादित परिसर में जाकर सबूत जुटाएगी और कोर्ट को अपनी रिपोर्ट देगी। हाईकोर्ट 18 दिसंबर को इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा, जिसमें सर्वे के तरीके, सर्वे करने वाली टीम के सदस्यों के नाम, सर्वे कब होगा और सर्वे की फोटो और वीडियोग्राफी कैसे होगी? इस पर निर्देश दिए जाएंगे।

हिंदू पक्ष के दावे की होगी जांच

हिंदू पक्ष का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद में मंदिर होने के प्रमाण मौजूद हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और वादी अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद की दीवारों पर कमल पुष्प, ओम और शेषनाग की आकृति मौजूद है और ये आकृतियां सनातन धर्म की प्रतीक हैं। यही वजह है कि हिंदू पक्ष ने हाईकोर्ट में मस्जिद परिसर का सर्वे कराने का निर्देश दिया है। वहीं मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद परिसर में ऐसे कोई चिन्ह या आकृति मौजूद नहीं हैं।

क्या है विवाद

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और शाही ईदगाह मस्जिद का यह पूरा विवाद 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक को लेकर है। इस जमीन के 11 एकड़ में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर है तो बाकी बचे 2.37 एकड़ में शाही ईदगाह मस्जिद बनी है। हिंदू पक्ष का दावा है कि पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर की है और पूरी जमीन उन्हें देने की मांग कर रहा है। वहीं मुस्लिम पक्ष इस दावे से इनकार कर रहा है। जानकार दावा करते हैं कि इस विवाद का इतिहास 350 साल पुराना है। साल 1670 में जब दिल्ली में मुगल शासक औरंगजेब का शासन था, उसी दौरान ठाकुर केशव देव मंदिर को तोड़कर उसके ऊपर शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई गई थी। मस्जिद के निर्माण में मंदिर के ही अवशेषों का इस्तेमाल किया गया था। यही वजह है मस्जिद में सनातन धर्म के प्रतीक होने का दावा किया जा रहा है।

सुरक्षा चूक से एक दिन पहले जारी हुआ था सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए करोड़ों का टेंडर

मानसी शर्मा / - बुधवार को संसद की सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया था। जहां दर्शक दीर्घा से दो लोग संसद के मेन फ्लोर में घुस गए थे। जिसके बाद हड़कंप मच गया। इसी बीच एक बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, इस सुरक्षा चूक के एक दिन पहले संसद भवन की सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने एक टेंडर निकाला था।

सीपीडब्ल्यूडी का ये टेंडर 35 करोड़ का है। जिसमें कुल 6 काम होने हैं। जिसमें रिसेप्शन लाउंज का पुनर्विकास, सिक्योरिटी ब्लॉक्स, ई एंड एम सर्विस, सिक्योरिटी गैजेट्स, बुलेटप्रूफ मोर्चा, सीवरेज और जल निकासी सहित बाहरी विकास के लिए कंपनियों से बोलियां लगाने को कहा था। वहीं पूरा प्रोजेक्ट कुल मिलाकर पांच महीने में तैयार होने वाला है।

प्रवक्ता ने नहीं की कोई टिप्पणी

बता दें, सीपीडब्ल्यूडी एक प्रोजेक्ट चला रहा है इस प्रोजेक्ट का नाम ह्यसंसद परिसर में रिसेप्शन लाउंज और अन्य सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का पुनर्विकासह्न है।वहीं इस पर सीपीडब्ल्यूडी के प्रवक्ता ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

टेंडर की कॉपी कुल 36 पेज की है। दरअसल, सीपीडब्ल्यूडी ने ही संसद भवन परिसर का निर्माण किया है और इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी एजेंसी के पास ही है।

50 करोड़ रुपये का भी टेंडर जारी हुआ

वहीं इस हफ्ते अतिरिक्त सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए टेंडर निकालने के अलावा सीपीडब्ल्यूडी ने संसद परिसर में भूनिर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये का टेंडर भी जारी किया है। इस टेंडर में सिंचाई, जल निकासी, सड़क, फुटपाथ और बागवानी पर काम करने के लिए कंपनियों से बोलियां लगाने को कहा गया।

दल्ली में कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, अरविंद केजरीवाल ने किया बोनस का ऐलान

मानसी शर्मा /- देश की राजधानी के मुख्यमंत्री अरविंद ने ग्रुप बी नॉन गजेटेड और ग्रुप सी कर्मचारियों को दीवाली का बोनस दिया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, "इस त्योहारों के मौसम में हम अपने सभी ग्रुप बी नॉन गजेटेड और ग्रुप सी कर्मचारियों को 7 हजार रुपए का बोनस दे रहे हैं। इस समय दिल्ली सरकार में लगभग 80 हजार ग्रुप बी नॉन गजेटेड और ग्रुप सी कर्मचारी हैं। इस बोनस को देने के लिए 56 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा।

इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सफाईकर्मियों को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। 5 हजार कच्चे सफाईकर्मियों की नौकरी पक्की होगी। सीएम केजरीवाल ने कहा, ह्यदिल्ली के सफाईकर्मियों से किया वादा हमने पूरा किया।ह्नइस दौरान सीएम केजरीवाल ने बीजेपी पर भी हमला बोला।

इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्र बना रहा बम

मानसी शर्मा / - इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी से बड़ी घटना सामने आई है। जहां यूनिवर्सिटी के पीसीबी हॉस्टल के कमरा नंबर 68में बम फट गया। बम के फटने से छात्र घायल हो गया। छात्र का नाम प्रभात बताया जा रहा है। प्रभात का एक हाथ का पंजा उड़ गया तो वहीं सीने में बम के छर्रे लग गए। ये छात्र पीसीबी के इस कमरे में अवैध रुप से रह रहा था।

आसपास मचा हड़कंप

बम के फटने से आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर कर्नलगंज थाना पुलिस पहुंची और जांच में जुट गई। वहीं घायल छात्र के इलाज के लिए एस आर एन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तो पीसी बनर्जी छात्रावास में रह रहे एक छात्र का बुधवार को कथित तौर पर बम बनाते समय विस्फोट होने से दाहिना हाथ बुरी तरह घायल हो गया।

पुलिस ने दी जानकारी

इस मामले में पुलिस ने बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एमए का छात्र प्रभात यादव पीसी बनर्जी छात्रावास में रहता है और आज शाम वह कथित तौर पर बम बना रहा था, तभी अचानक विस्फोट होने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में एक अन्य छात्र को भी मामूली चोट आई है। पुलिस तहरीर के आधार पर छात्र के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करेगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है

अफजाल अंसारी को रउ से मिली बड़ी राहत, इस मामले में 4 साल की सजा पर सगी रोक

मानसी शर्मा / - सुप्रीम कोर्ट ने इरढसांसद अफजाल अंसारी को गैंगस्टर मामले में दी गई 4 साल की सजा से राहत दे दी है। कोर्ट ने अफजाल अंसारी की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। इससे अयोग्य घोषित बसपा सांसद की बहाली का रास्ता खुल गया है। हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी है कि वह वोट नहीं दे पाएंगे और सांसद के तौर पर भत्ता नहीं ले पाएंगे। लेकिन उन्हें सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने की इजाजत होगी। गैंगस्टर मामले में अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 1 मई को उनकी लोकसभा सदस्यता भी चली गई। अफजाल अंसारी 5 बार विधायक और दो बार सांसद रहे हैं। नियमों के मुताबिक, अगर किसी जन प्रतिनिधि को दो या उससे अधिक साल की सजा होती है तो वह संसद या विधानसभा की सदस्यता खो देता है। इतना ही नहीं उन पर 6 साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने का भी प्रावधान है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने बहुमत से फैसला दिया कि अफजल अंसारी की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी जाए। इसके साथ ही तीन जजों की पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट से कहा है कि वह सजा के खिलाफ दायर अफजाल अंसारी की अपील पर 30 जून तक फैसला करे।

इस मामले में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने अफजल अंसारी की सजा पर रोक लगाने का फैसला किया, जबकि जस्टिस दीपांकर दत्ता इसके खिलाफ थे। इस तरह 2-1 के बहुमत से सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने अफजाल अंसारी को राहत दे दी। न्यायाधीशों ने कहा कि किसी भी संसदीय क्षेत्र में जन प्रतिनिधि रखना या उसे निर्वाचित कराना वहां के लोगों का अधिकार है। इस तरह शीर्ष अदालत ने अफजाल अंसारी को सदस्य पद पर बहाल कर दिया। हालाँकि, कुछ शर्तें लगाई गई हैं कि वह एक सांसद के रूप में मतदान नहीं कर सकते। इसके अलावा वेतन और भत्ते भी नहीं ले सकते। वह संसद की कार्यवाही का हिस्सा जरूर बन सकते हैं।

सैफ को बांग्ला फिल्में करते हुए देखना चाहती हैं शर्मिला

मानसी शर्मा / - डिजिटल प्लेटफार्म के विकास और सिनेमा के वैश्वीकरण के बाद सिनेमा में भाषाई बंदिशें टूटती नजर आ रही हैं। अब कई क्षेत्रीय सिनेमा के सितारे हिंदी और कई हिंदी सिनेमा के सितारे क्षेत्रीय भाषाओं में काम कर रहे हैं। दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने करीब 13 साल बाद इस साल वेब सीरीज गुलमोहर से अभिनय में वापसी की। अब वह एक बांग्ला फिल्म पुरातान कर रही हैं। इसी के साथ करीब 14 साल बाद उनकी बांग्ला सिनेमा में वापसी हो रही है। बांग्ला फिल्म करने को लेकर दैनिक जागरण के सहयोगी अखबार मिड डे से बातचीत में शर्मिला ने बताया, 'बांग्ला भाषा से मेरा गहरा जुड़ाव रहा है। मैं एक संयुक्त परिवार में पली बढ़ी हूं, जहां सभी बांग्ला ही बोलते थे। 13 साल की उम्र तक मैंने बांग्ला माध्यम के स्कूल में पढ़ाई की। पुरातान के लिए मुझे अपनी बांग्ला भाषा में थोड़ा सुधार करने की आवश्यकता जरूर है, लेकिन मैं बांग्ला में पढ़ती और लिखती हूं और अपने मन में बांग्ला में ही गिनती करती हूं।' आगे शर्मिला ने अपने बेटे और अभिनेता सैफ अली खान के भी बांग्ला फिल्म करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, 'मैं चाहूंगी कि वह बांग्ला फिल्म करें, लेकिन यह उनके मूड और दिलचस्पी पर निर्भर करता है।'

वीएफएक्स की बारीकियां सीखेंगे रणबीर

मानसी शर्मा / - दंगल और छिछोरे फिल्मों के निर्देशक नितेश *तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण पिछले कुछ दिनों से खूब चर्चा में है। इस फिल्म में अभिनेता रणबीर कपूर भगवान श्रीराम और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सई पल्लवी देवी सीता की भूमिका में होंगी। अब खबरें हैं कि नितेश ने इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी अपनी योजनाएं और शेड्यूल तैयार कर लिया है। वह अगले साल मार्च से इस फिल्म शूटिंग शुरू कर देंगे।

विजुअल इफेक्ट्स के जरिये इस फिल्म की दुनिया तैयार करने की जिम्मेदारी आस्कर विजेता वीएफएक्स कंपनी डीनेग को दी गई है। फिल्म में कन्नड़ अभिनेता यश रावण की भूमिका में होंगे। दरअसल, नितेश इस फिल्म को तीन भागों में बना रहे हैं। पहले भाग में राम और सीता की कहानी से लेकर राम और हनुमान के मिलन तक की कहानी दिखाई जाएगी। वहीं फिल्म के दूसरे भाग में रावण और उसके साम्राज्य के बारे में दिखाया जाएगा। तीसरे हिस्से में राम-रावण संग्राम और उसके बाद की कहानी से साथ यह फिल्म त्रयी पूरी होगी। चूंकि फिल्म में अलग स्तर का वीएफएक्स होगा, तो फिल्म की शूटिंग से पहले वीएफएक्स की बारीकियां सीखने रणबीर जनवरी में लंदन स्थित डीनेग के स्टूडियो में जाएंगे। कुछ सप्ताह बाद स्वदेश लौटकर वह इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

मेरी बायोपिक बनने में बहुत समय है : माधुरी

मानसी शर्मा / - आगामी दिनों में कई बायोपिक्स आएंगी, जिसमें कार्तिक आर्यन अभिनीत चंद्र चैंपियन, त्रिपाठी पंकज अभिनीत मैं अटल हूं, राजकुमार राव अभिनीत श्री शामिल हैं। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की जिंदगानी भी काफी प्रेरणात्मक है। ऐसे में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहती हैं उन पर फिल्म बने, तो इसपर माधुरी ने कहा, 'अभी मेरी बायोपिक बनने में बहुत समय है। मुझे लगता है कि अभी बहुत कुछ करना है। अभी तो कई उपलब्धियां हैं, जिसे पाना है।' यह बात माधुरी ने अपने प्रोडक्शन कंपनी तले बनी दूसरी मराठी फिल्म पंचक- आता कोणाचा नंबर? के ट्रेलर लांच के दौरान कहीं, जहां उनके साथ उनके पति डा. श्रीराम नेने भी मौजूद रहे। इससे पहले माधुरी और श्रीराम मराठी फिल्म 15 अगस्त का निर्माण कर चुके हैं। मराठी फिल्मों के निर्माण को लेकर माधुरी ने आगे कहा, 'मुझे मराठी फिल्में और नाटक हमेशा से पसंद रहे हैं।' यह फिल्म पांच जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका

मानसी शर्मा / - छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। वहीं अब कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महंत राम सुंदर दास ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। महंत राम सुंदर दास ने अपना इस्तीफा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को भेजा है।

अपने इस्तीफे पत्र में इन्होंने लिखा, "कांग्रेस कमेटी और पदाधिकारियों ने बहुत विश्वास कर मुझे रायपुर दक्षिण विधानसभा का प्रत्याशी बनाया, लेकिन चुनाव परिणाम आशा के अनुरूप नहीं रहा और प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटों के अंतर से इस सीट पर पराजय हुई। इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे रहा हूं।"

रायपुर दक्षिण सीट से बनाया था उम्मीदवार

दरअसल, कांग्रेस पार्टी ने महंत राम सुंदर दास को रायपुर दक्षिण सीट से उम्मीदवार बनाया था। जहां से वो चुनाव हार गए। उन्हें उन्हीं के शिष्य और भारतीय जनता पार्टी के नेता बृजमोहन अग्रवाल ने हराया। बृजमोहन अग्रवाल ने महंत राम सुंदर दास को 67हजार 719वोटों से हराया। वहीं इनसे पहले दिलीप षड़ंगी भी कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं।

कौन हैं महंत रामसुंदर दास

बता दें, महंत रामसुंदर दास शिवरीनारायण मंदिर के मठाधीश है। रायपुर के ऐतिहासिक दूधाधारी मठ में उन्होंने बचपन से ही रहकर पढ़ाई की थी। यहां के महंत वैष्णव दास के देहांत के बाद मठ के उतराधिकारी बने। उसके अलावा उनका पेशा कृषि है। वह पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रहे। 2003 में पामगढ़ विधानसभा से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए। फिर 2008 में जैजैपुर विधानसभा से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए।

इलाहाबाद HC ने मथुरा में शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण को दी मंजूरी

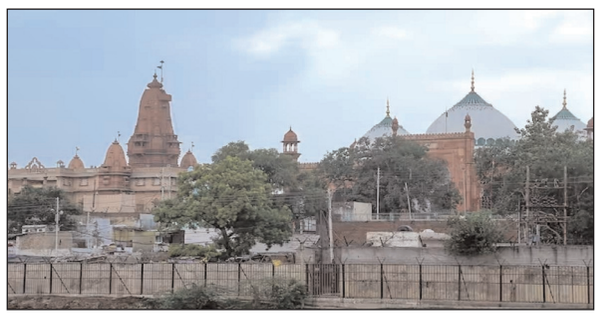

मानसी शर्मा / - श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को मथुरा में शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका स्वीकार करते हुए शाही ईदगाह परिसर के कोर्ट कमीशन सर्वे को मंजूरी दे दी।

इससे पहले आज, अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी, आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, "यह अच्छा है कि फैसला आएगा। सर्वेक्षण महत्वपूर्ण है...सर्वेक्षण स्पष्ट रूप से तथ्यों को दिखाता है..."। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा, "इलाहाबाद ल्ठ ने हमारे आवेदन को स्वीकार कर लिया है, जहां हमने अधिवक्ता आयुक्त द्वारा (शाही ईदगाह मस्जिद) के सर्वेक्षण की मांग की थी। तौर-तरीके 18 दिसंबर को तय किए जाएंगे।"

याचिका में किया गया है यह दावा

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन के अनुसार, याचिका में दावा किया गया है कि वहां एक कमल के आकार का स्तंभ है जो हिंदू मंदिरों की विशेषता है और हिंदू देवताओं में से एक शेषनाग की प्रतिकृति है, जो भगवान शिव के जन्म की रात प्रकट हुए थे।

याचिकाकताओं ने अनुरोध किया है कि सर्वेक्षण के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए विशिष्ट निदेशों के साथ एक आयोग का गठन किया जाए। इस पूरी कार्यवाही की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराने का भी अनुरोध किया गया है. इस साल मई में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा अदालत में लॉबित श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से संबंधित सभी मामलों को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था।

मुखमेलपुर में भी 24 घंटे पहले दिखा था तेंदुआ

मानसी शर्मा / - अलीपुर स्थित मुखमेलपुर गांव में मंगलवार की सुबह नगर निगम प्राथमिक स्कूल के पीछे ग्रामीणों ने एक तेंदुआ देखा था। इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को भी दी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ कर्मचारी शिकायत पर पहुंचे तो जरूर, लेकिन यह कहते हुए चले गए कि रात में जैसे ही तेंदुआ जंगल से बाहर आएगा, उसे पकड़ लेंगे। फिर वे लौटकर नहीं आए। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल है।

ग्रामीणों का कहना है कि बुधवार की सुबह हाईवे पर जिस तेंदुए की मौत हुई है, उसका कद छोटा है, जबकि गांव में देखा गया तेंदुआ बड़ा था। उन्होंने बताया कि इस गांव में एक ही साथ दो सरकारी स्कूल हैं। इनमें सैकड़ों छात्र व छात्राएं पढ़ने के लिए आते हैं। इसके अलावा आसपास काफी तादाद में लोग भी रहते हैं। लोग काफी तनाव व डर के साए में जी रहे हैं। जैसे ही तेंदुए होने की खबर आसपास के गांव के लोगों को लगी, बच्चों के बाहर निकलने पर पाबंदी लगा दी गई है । स्कूल व अन्य जगहों पर बच्चों को अपने साथ ले जा रहे हैं।

सर्च आपरेशन चलाना है जरूरी :

ग्रामीणों का कहना है कि मुखमेलपुर, इब्राहिमपुर, कादीपुर, कुशक, जिंदपुर, नंगलीपुना, केशव नगर और बख्तावरपुर के आसपास जंगल और झाड़ियों में सर्च आपरेशन चलाया जाना जरूरी है। तेंदुआ दिखने के साथ-साथ खेतों में पंजों के निशान भी मिले हैं। जिससे यह जाहिर होता है कि क्षेत्र में अभी भी तेंदुए की मौजूदगी है। शिकार के लिए शहर का रुख करते हैं तेंदुए : वन व वन्यजीव विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जब जंगल में तेंदुए को कोई शिकार नहीं मिलता है, तो वह शहर की ओर आता है। उनका सबसे पसंदीदा शिकार कुत्ता होता है। अक्सर देखने में आया है कि रात के समय आबादी वाले क्षेत्र में कुत्ते काफी संख्या में होते हैं। ऐसे में तेंदुआ शिकार के लिए आता है। वन व वन्यजीव विभाग के अधिकारी विपुल पांडेय, डीसीएफ (उत्तरी रेंज) ने बताया कि मुखमेलपुर में तेंदुआ देखे जाने की जानकारी तो मिली थी। कुछ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे।

संसद सत्र की सुरक्षा में बड़ी चूक, दर्शक दीर्घा से कूदा शख्स, मचा हड़कंप

मानसी शर्मा /- संसद हमले की आज 22वीं बरसी है। इसी बीच सदन की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। जहां लोकसभा गैलरी से कुछ लोगों ने सदन में छलांग लगाई है। उन्होंने सदन में नारेबाजी भी की और स्मोक भी किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जब शख्स लोकसभा में कूदा तो अफरातफरी का माहौल मच गया। जिसके बाद सदन की कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया।

इस मामले पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, ह्यदो युवक गैलरी से कूद गए और उनके द्वारा कुछ फेंका गया जिससे गैस निकल रही थी। उन्हें सांसदों ने पकड़ लिया है। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला। सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह निश्चित रूप से एक सुरक्षा उल्लंघन है क्योंकि आज हम 2001 (संसद हमले) में अपने प्राणों की आहुति देने वाले लोगों की पुण्य तिथि मनाई।

डिंपल यादव ने कही ये बात

दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद डिंपल यादव ने कहा, ह्यजो भी लोग यहां आते हैं, चाहे वे आगंतुक हों या पत्रकार, वे टैग नहीं रखते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से सुरक्षा चूक है। लोकसभा के अंदर कुछ भी हो सकता था।

एक महिला और एक पुरुष ने की नारेबाजी

वहीं इससे कुछ देर पहले संसद भवन के सामने ट्रांसपोर्ट भवन की तरफ एक महिला और एक पुरुष ने नारेबाजी करते हुए टियर स्मॉग छोड़ा। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में ली गई महिला की पहचान 42 साल की नीलम के रूप में हुई है, जो हिसार की रहने वाली है। तो वहीं युवक की पहचान 25 वर्षीय अमोल शिंदे के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के लातूर का रहने वाला है।

स्नैपचैट लाया दमदार फीचर, स्ट्रीक बनाए रखने में करेगा मदद

मानसी शर्मा /- स्नैपचैट ने यूजर्स के लिए एक नया फीचर कंपनी ने जारी किया है। लेकिन ये फीचर फिलहाल केवल प्रीमियम यूजर्स तक सीमित है। यानि अब आप अक की मदद से अपने दोस्तों को स्नेप भेज पाएंगे। स्ट्रीक टूटने की टेंशन अब आपको नहीं होगी क्योकि आप सेकंड्स में अक की मदद से स्नेप बनाकर इसे कई दोस्तों के साथ शेयर कर सकते हैं।

इतने का है प्रीमियम सब्सक्रिप्शन

स्नैपचैट यूजर्स के लिएप्रीमियम का सब्सक्रिप्शन मात्र 49 रुपये महीना और 499 रुपये साल भर का है।दरअसल, कंपनी अक स्नेप भेजने की सुविधा प्रीमियम यूजर्स को दे रही है। आपको बता दे किस्नैपचैट प्रीमियम में कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं जो आम यूजर को नहीं मिलती जैसे कस्टम ऐप आइकन,पीक-ए-पीक, चैट वॉलपेपर, कस्टम ऐप थीम आदि।

7 मिलियन से अधिक प्रीमियम यूजर्स

आपकी जानकारी के लिए बता दे कि स्नैपचैट के पास 7 मिलियन से अधिक प्रीमियम यूजर्स हैं। नया फीचर आपको कैमरा मेन्यू पर क्लिक करने पर राइट साइड में दिखेगा। इसके बाद आप प्रीसेट प्रॉम्ट से या अपने प्रॉम्ट देकर स्नेप बना सकते हैं। फिर उसके बाद स्नेप को सेव और दूसरे ऐप्स में भी शेयर कर सकते हैं। वैसे कंपनी के कुल एक्टिव यूजर्स की संख्या 750 मिलियन से भी अधिक है

जहरीला नहीं था धुआं, संसद में सुरक्षा चूक पर बोले स्पीकर ओम बिरला

मानसी शर्मा /- संसद हमले को आज 22 साल हो चुके हैं। वहीं आज के दिन संसद भवन में बड़ी सुरक्षा चूक हुई। जहां लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग सदन के अंदर कूद गए, जिसके बाद कार्यवाही अचानक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सभी सांसदों को आश्वासन दिया है कि अब चिंता की कोई बात नहीं है।

प्रारंभिक जांच जारी

ओम बिरला ने कहा, सदन के अंदर साधारण धुआं था साथ ही इस घटना की प्रारंभित जांच जारी है। 2 बजे के बाद जब संसद की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो ओम बिरला ने कहा कि सारी घटना की प्रारंभिक जांच

की जा रही है और अंतिम जांच आने पर सदन को अवगत करा दूंगा। सांसदों ने अपनी चिंता से अवगत कराया और फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है।

दो लोगों को किया गया अरेस्ट

ओम बिरला ने बताया कि दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है और सदन के बाहर भी दो लोगों को अरेस्ट किया गया है। ओम बिरला ने जानकारी दी कि सदन में कूदने वाले दोनों लोगों को पकड़ कर सारी सामग्री जब्त कर ली गई है, संसद भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे दो लोगों को भी पकड़ा गया है। बता दें, सदन में शून्यकाल के वक्त दोपहर करीब एक बजे दर्शक दीर्घा से दो व्यक्ति सदन में कूदे और इनमें से एक व्यक्ति मेज को फांदते हुए आगे की ओर भाग रहा था। सुरक्षाकर्मियों और कुछ सांसदों ने उसे घेर लिया। बाद में दोनों को पकड़ लिया गया।

पति की हरकतों से दुखी हुई अंकिता लोखंडे,एक्ट्रेस की आंखों से छलके आंसू

मानसी शर्मा /- बिग बॉस का सीजन 17काफी सुर्खियो में बना हुआ है। इस रिएलिटी शो में तमाम कंटेस्टेंट्स के बीच सबसे अधिक रियल लाइफ कपल अंकिता लोखंडे और विक्की जैन सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल दोनों को अक्सर शो में लड़ाई करते और तीखी नोक झोंक करते देखा जाता है। मोस्ट कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी बिग बॉस 17 शो के नए एपिसोड में भी, कपल को एक-दूसरे के साथ बहस करते देखा गया जिसके बाद अंकिता लोखंडे की आंखे नम हो गई।

अंकिता और विक्की के बीच हुई लड़ाई

विक्की जैन और अंकिता के बीच लगातार नोक झोंक हो रही हैं. हाल ही में विक्की जैन ने अंकिता की कुकिंग को लेकर सवाल खड़े किए थे और खानजादी को अच्छा कुक बताया था। साथ ही विक्की जैन ने ये भी कमेंट किया था कि अंकिता लोखंडे ने 3 सालों में उनके लिए कुछ नहीं बनाया। पति के इस कमेंट ने अभिनेत्री को परेशान कर दिया था और फिर दोनों के बीच काफी बहस हुई थी। इस दौरान विक्की जैन ने अंकिता लोखंडे को रिस्पेक्ट के साथ बात करने के लिए कहा, ह्लजिंदगी इसके बाहर भी हैह्व अंकिता ने भी उन्हें यही बात याद दिलाते हुए कहा, "तुम्हारी भी है. खानजादी आपको बाहर खाना नहीं खिलाएगी.ह्व इसके बाद विक्की ने अंकिता पर ताना मारते हुए कहा, ह्लतुमने मुझे तीन साल में क्या खिलाया?

अंकिता-विक्की के बीच नहीं है प्यार !

जब अंकिता लोखंडे ने विक्की को बताया कि वह प्यार से उसके लिए खाना बना रही है, तो विक्की जैन ने अभिनेत्री को सीधे शब्दो में बोला उनके बीच प्यार "मिसिंग" है। इसके बाद विक्की ने अपनी पत्नी से कहा कि मुझसे बात न करे। बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के बीच शो में लड़ाई हुई है. इससे पहले विक्की ने अंकिता के साथ अपनी शादी को 'इंवेस्टमेंट' भी बताया था।

2021 में की थी शादी

आपको बता दें कि अंकिता लोखंडे ने दिसंबर 2021 में बिजनेसमैन विक्की जैन से शादी की थी। इस साल दोनोने अक्टूबर में बिग बॉस 17 के घर में एक साथ एंट्री ली। उन्हें अक्सर एक-दूसरे के साथ तीखी बहस और तीखी नोकझोंक करते देखा जाता है। अंकिता के फैंस अक्सर विक्की को इसके लिए बहुत ज्यादा ट्रोल भी करते रहे हैं।

सूर्यकुमार यादव ने तोड़ा धोनी का 16 साल पुराना रिकॉर्ड, ये कारनामा करने वाले बने भारत के पहले टी20 कप्तान

मानसी शर्मा /- टीमइंडिया के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20मैचमें एक बड़ी कामयाबी हासिल की। इस मैच में टीम इंडिया को भले ही 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के बल्ले से एक बार फिर शानदार अर्धशतकीय पारी निकली। लेकिन सूर्यकमार की पारी टीम इंडिया के किसी काम नहीं आई, लेकिन फिर इस दौरान उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यकमार यादव टीम इंडिया के पहले कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका की धरती पर बतौर कप्तान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक जमाया। वही उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

टूटा एमएस धोनी का रिकॉर्ड

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने12 दिसंबर 2023 को खेले गए दूसरे टी20क्रिकेट मैचमें अर्धशतकीय पारी खेली और इंडिया के महान पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया है। एमएस धोनी ने साल 2007 में 45 रनों की पारी खेली थी। अब सूर्यकुमार यादव ने एमएस धोनी से आगे निकल गए हैं।

टी20 में पूरे किए 2000 रन

सूर्यकुमार यादव ने दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 36 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 56 रनों की अहम पारी खेली। आपको बता दे कि ये सूर्यकुमार के टी20क्रिकेटकरियर का 17वां अर्धशतक रहा। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव ने टी20 क्रिकेट में 2000 रन भी पूरे कर लिए हैं।उन्होंने 56 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले रन मशीन विराट कोहली ने भी अपने शुरूआती 2000 टी20 रन 56 पारियों में पूरे किए थे। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने यह कारनामा मात्र 52-52 पारियों में किया है।

मोहन यादव ने ली सीएम पद की शपथ

मानसी शर्मा /- लंबे इंतजार के बाद मध्य प्रदेश को उसका सीएम मिल गया। बीजेपी ने मध्य प्रदेश में मोहन यादव को सीएम की कुर्सी पर बिठाया है। वहीं आज नए सीएम की ताजपोशी हो गई। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मोहन यादव ने सीएम पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री मोहन यादव के बाद जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला ने कैबिनेट मंत्रियों की शपथ ग्रहण ली है। बीजेपी ने राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा को उप मुख्यमंत्री बनाया है। मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह में गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नेड्डा समेत , बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और तमाम केंद्रीय मंत्री ने हिस्सा लिया

मंदिर में लिया आशीर्वाद

बता दें, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जगदीश देवड़ा ने निर्दलीय उम्मीदवार श्यामलाल जोकचंद को 59,024वोटों के अंतर से हराकर मल्हारगढ़ निर्वाचन क्षेत्र जीता तो वहीं 2023के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में राजेंद्र शुक्ला ने कांग्रेस उम्मीदवार राजेंद्र शर्मा को 21,339 वोट के अंतर से हराकर रीवा निर्वाचन क्षेत्र जीता। शपथ समारोह में जाने से पहले मोहन यादव ने भोपाल में मंदिर गए। और भगवान का आशीर्वाद लिया। वह जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भाजपा के संस्थापक विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य भाजपा कार्यालय भी गए।

शपथ ग्रहण के पहले कही ये बात

मोहन यादव ने कहा, ह्लमैं राजा विक्रमादित्य के शहर (उज्जैन) से हूं जो अच्छे प्रशासन के लिए जाने जाते थे। शपथ समारोह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता - प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में होगा। मैं मध्य प्रदेश की धरती पर मोदी जी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों (अन्य राज्यों के) का स्वागत करता हूं।ह्व

मटिया महल में गंदा पानी बहता देख नाराज हुई मंत्री आतिशी

मानसी शर्मा /- मटिया महल विधानसभा क्षेत्र में सीवर की बदहाल स्थिति देख जल मंत्री आतिशी ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि सीवर सुविधा जनता की बुनियादी जरूरत है। इसमें लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दो टूक कहा कि जो अधिकारी जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहे हैं वह नौकरी छोड़ दें। वह चितली गेट और नेहरू हिल जेजे कालोनी के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण करने मटिया महल पहुंची थीं। मंत्री के करीबियों ने बताया कि यहां से सीवर संबंधित शिकायतें नियमित मिल रही थीं, लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कदम नहीं उठाए जा रहे थे।

ऐसे में मंत्री ने स्वयं आकर निरीक्षण का निर्णय लिया। इस दौरान उन्होंने देखा कि कई गलियों में गंदा पानी बह रहा है। स्थानीय लोगों ने मंत्री को बताया कि लंबे समय से सीवर की सफाई नहीं होने से यह गंदा पानी बहता है, इससे बहुत परेशानी होती है और गलियां भी क्षतिग्रस्त हो रही है। जब लोग अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत करते हैं तो वह नजरअंदाज करते हैं। इस पर जलमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार में लापरवाही की कोई जगह नहीं है। अधिकारियों को हमेशा जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, अगर कोई लापरवाही करता है तो अपने खिलाफ कड़ी कार्रवाई को तैयार रहे।

किसानों ने कहा, मुआवजे के लिए जाएंगे कोर्ट

मानसी शर्मा / - दिल्ली देहात के कई गांवों से गुजरने वाली हाईटेंशन लाईन के विरोध में स्थानीय किसान अब कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि उनका कोई नहीं सुन रहा है। प्रशासन से लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कुछ भी होता नहीं दिख रहा है। किसान करीब एक महीने से पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों का एक ही मांग है, जमीन के बदले उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों का कहना है कि जिलाधिकारी के पास इस मामले में अपील लगाए हुए तकरीबन 50 दिन हो गए हैं, फिर भी किसानों का पक्ष ठीक से सुना नहीं गया।

किसानों की लड़ाई लड़ रहे दिल्ली किसान अधिकार मंच के संयोजक सतेंद्र लोहचब ने बताया कि पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड की ओर से पहले फेज में दिल्ली देहात के 19 गांवों में एचटी लाइन का काम किया जाना है।

कई गांवों में तो किसानों के बिना इजाजत ही एचटी टावर लगाने के लिए किसानों की जमीन पर कई गड्ढे खोद दिए। उन्होंने दो-टूक कहा कि मुआवजे को लेकर कोई बात नहीं बनी तो जल्द ही हम इस मसले को लेकर कोर्ट जाने की तैयारी भी कर रहे हैं। हम किसानों को जमीन के बदले मुआवजे का प्रविधान होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इलाके के जनप्रतिनिधियों ने भी दिल्ली के - मुख्यमंत्री से मिलवाने की बत तो कही, लेकिन अभी तक हम इंतजार ही कर रहे हैं। आश्वासन देने के बाद कोई भी समस्या के समधान तक नहीं पहुंचा।

सुल्तानपुरी के पार्कों में बांधते हैं घोड़े, सुखाते हैं कपड़े व मछली के जाल

मानसी शर्मा / - सुल्तानपुरी के अधिकतर पार्क बदहाल हो चुके हैं, इन पार्कों में लोगों ने जाना ही छोड़ दिया है। हरियाली के नाम पर कुछ भी नहीं बचा है। पानी के अभाव में घास और पौधे सूख गए। हर तरफ फैली गंदगी और उड़ती धूल इन पार्कों की पहचान बन चुकी है। असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। दैनिक जागरण ने सुल्तानपुरी के तीन पार्कों की पड़ताल की, दो पार्कों में लोग रस्सी बांध कपड़े व मछली के जाल सूखाते दिखे, तो एक पार्क में घोड़े बंधे हुए थे, पास में अराजक तत्व जुआ खेलते दिखे।

ए-ब्लाक पार्क में सूखते हैं कपड़े : सुल्तानपुरी स्थित जलेबी चौक के पास दिल्ली नगर निगम का एक छोटा पार्क है। इस पार्क में कपड़े सूखाने के लिए कई रस्सियां बांधी गई हैं। जिन पर कुछ लोग कपड़े सूखाते हैं। कई रस्सियां बंधी होने के कारण इस पार्क में लोगों का टहलना व बच्चों का खेलना मुश्किल हो गया है। यहां पानी के अभाव में घाल व पौधे सूख चुके हैं। हरियाली ना होने से अधिकतर लोग इस पार्क में जाना भी नहीं चाहते हैं। आसपास के लोग चाहते हैं कि इस पार्क से अतिक्रमण साफ कर फिर से हरा भरा बनाया जाना चाहिए, ताकि लोग यहां अपना कुछ समय बीता सके।

पार्क में ही बंधे दिखे घोड़े: सुल्तानपुरी ई-2 ब्लाक स्थित दिल्ली नगर निगम के इस पार्क में तो लोगों ने जाना ही छोड़ दिया है। यहां हर तरफ फैली गंदगी और घोड़े बंधे होने के कारण लोग नहीं जाते हैं। यह पार्क धीरे-धीरे असमाजिक तत्वों का भी अड्डा बनता जा रहा है। सुबह से देर रात यहां जुआ खेलते दिखते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि यहां लंबे समय से घोड़े बांधने का खेल चल रहा है। कई बार इसे लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है, लेकिन इस पर कार्रवाई होता नहीं दिख रहा है।

यहां सूखाते हैं मछली पकड़ने का जाल : सुल्तानपुरी पी-4 पार्क में रोजाना कुछ मछुआरे मछली पकड़ने का जाल सूखाते दिख जाते हैं।जिससे पार्क में गंदगी के साथ-साथ प बदबू भी फैलती है। इस पार्क में ना तो घास है और नहीं पौधे लगाए जा रहे हैं। हर समय धूल, मिट्टी उड़ती रहती है।

इस पार्क को छठपूजा पार्क के नाम से भी जाना जाता है। पार्क के मुख्य द्वार पर ही काफी संख्या में गाड़ियां पार्क होती है, जिससे पार्क में आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। पार्क की दीवार 1 के साथ ही सुल्तानपुरी पुलिस - थाना का एक बूथ भी है, वहीं कुछ मीटर की दूरी पर सुल्तानपुरी थाना भी है। फिर भी यहां गाड़ियां पार्क होती हैं।। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से इस पार्क में न तो माली ही आए और नहीं किसी संबंधित अधिकारी ने आना जरूरी समझा।

जेएनयू परिसर में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध, कर दिया जाएगा निष्कासित

मानसी शर्मा /- प्रसिद्ध जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रशासन ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। जेएनयू ने छात्रों के लिए आदेश जारी किया है कि परिसर के 100 मीटर के दायरे में धरना देने और दीवार पर पोस्टर लगाने पर 20 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा और अगर मामला गंभीर होता है तो यूनिवर्सिटी से छात्र को निष्कासित किया जा सकता है। इसके साथ ही जेएनयू ने बताया कि किसी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए छात्र को 10 हजार तक का जुमार्ना भरना पड़ सकता है।

जेएनयू का ये आदेश यूनिवर्सिटी के अलग अलग स्कूलों के अकादमिक भवन पर लागू होगा।

जेएनयू के नए नियम के दायरे में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं के अलावा अध्यक्षों, डीन और अन्य जरूरी पदाधिकारियों के कार्यालय भी शामिल हैं। हिंसा और झड़प पर रोक लगाने के लिए जेएनयू प्रशासन ने ये फैसला लिया है। अगर कोई छात्र भूख हड़ताल, धरना प्रदर्शन जैसी गतिविधियों में शामिल होता है तो उस पर 20,000 रुपए के जुमार्ने के साथ दो महीने के लिए छात्रावास से निकाल दिया जाएगा।

वहीं अगर किसी छात्र पर पांच या उससे ज्यादा बार जुमार्ना लगाया जा चुका है तो उसे अध्ययन की अवधि के लिए खठव से निकाल दिया जाएगा। यही नहीं जबरदस्ती घेराव, धरना या यूनिवर्सिटी के कामकाज को बाधित करने या हिंसा भड़काने वाले कार्य में लिप्त पाए जाने वाले छात्रों को भी सजा मिलेगी।अगर कोई छात्र प्रतिबंधित कार्यों में दोषी पाया जाता है तो उसे अगले सेमेस्टर के लिए रजिस्ट्रेशन की भी इजाजत नहीं मिलेगी। दूसरी तरफ प्रशासन की तरफ से जारी आदेश का जेएनयू छात्र संघ ने विरोध किया है। छात्र संघ ने नेताओं का कहना है कि ये आदेश परिसर में असहमति को दबाने का प्रयास है। जेएनयू से इसे वापस लेने की मांग की है।

संसद भवन हमले की 22वीं बरसी, मोदी-शाह समेत कई नेताओं ने शहीदों को दीश्रद्धांजलि

मानसी शर्मा /- पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद संगठनों के आतंकवादियों ने 13 दिसंबर, 2001को संसद परिसर में हमला कर दिया था। जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी। सुरक्षा बलों ने पांचों आतंकियों को मार गिराया था।उस हमले के आज 22 साल पूरे हो गए हैं।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य नेता बुधवार को संसद हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए संसद पहुंचे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह भी कहा कि राष्ट्र हमेशा उन बहादुर सुरक्षा कर्मियों का ऋणी रहेगा जिन्होंने 2001 में संसद पर आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवा दी, इसके साथ ही सभी को आतंकवाद को खत्म करने की प्रतिज्ञा दोहराने को कहा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कही ये बात

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ह्लइस दिन, 22 साल पहले, देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करने और हमारे लोकतंत्र के मंदिर को नुकसान पहुंचाने की आतंकवादियों की नापाक योजना को बहादुर सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम कर दिया था, जिसमें नौ लोग भी शामिल थे जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपनी जान दे दी।उन्होंने कहा, राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। राष्ट्रपति ने कहा, "उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा क्योंकि हम आज आतंकवाद - हर जगह मानव जाति के लिए खतरा - को उसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में खत्म करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराते हैं।"

13 दिसंबर 2001 को क्या हुआ था

13 दिसंबर 2001 की सुबह, लगभग 11:40 बजे विंडशील्ड पर जाली गृह मंत्रालय के स्टिकर लगी कार में पांच आतंकवादियों को संसद भवन परिसर में प्रवेश करते देखा गया। संदेह होने पर कार को वापस मोड़ने के लिए मजबूर किया गया, जिसके बाद आतंकवादी नीचे उतरे और गोलीबारी शुरू कर दी। इससे अलार्म बज गया और सभी बिल्डिंग के गेट बंद कर दिए गए। उस समय संसद के अंदर 100 से अधिक मंत्री औरसांसद मौजूद थे।30 मिनट से अधिक समय तक चली गोलीबारी में पांच आतंकवादी, आठ सुरक्षाकर्मी और एक माली मारे गए और 15 घायल हो गए।

आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका, समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हुई AAP की ये बड़ी नेता

मानसी शर्मा /- आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्य औ वर्तमान में ज्वाइंट स्टेट सेक्रेटरी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य राज शौकीन अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गईं हैं। राज शौकीन के साथ आम आदमी पार्टी के स्थानीय नेता विनीत उपाध्याय, संतोष सक्सेना, उषा, अराधना, जयपाल प्रधान, अख्तर, संजय शर्मा, संजय कुमार मित्तल, विशाल, अख्तर खान, गोल्डी शौकीन अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली के कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर लवली ने पार्टी के पट्टा पहनाकर कांग्रेस में शामिल किया। उन्होंने कहा, राज शौकीन का कांग्रेस में स्वागत है। राज शौकीन के कांग्रेस शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज के साथ पार्टी से जुड़ने वाले आपके सभी नेताओं का और कार्यकताओं का आभार।

राज शौकीन ने कही ये बात

इस मौके पर राज शौकीन ने कहा कि देश में इस समय किस तरह का माहौल है, ये बात किसी से छुपी नहीं है। ऐसे माहौल में राहुल गांधी जी मोहब्बत की बात कर रहे हैं। देशभर में मोहब्बत का पैगाम फैला रहे हैं।राहुल गांधी जी के देश के प्रति प्रेम, लगाव और समर्पण से प्रभावित होकर कांग्रेस से जुड़ रही हूं।

20से अधिक नेता कांग्रेस में हुए थे शामिल

बता दें, इससे पहले 29सितंबर 2023को दिल्ली में 20से अधिक आम आदमी पार्टी नेता और पदाधिकारी कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसको लेकर दिल्ली कांग्रेस ने बयान भी जारी किया था और कहा था कि दिल्ली कांग्रेस के पूर्व सचिवों कुलदीप भाटी और योगेन्द्र भाटी तथा पूर्व प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र कुमार समेत 20से अधिक लोग आम आदमी पार्टी छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

संपादक की कलम से

भारत में विवाह समारोहों की अर्थव्यवस्था

भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार पवित्र शादियों के धार्मिक संस्कारों के माध्यम से दो आत्माओं का मिलन कराया जाता है। कहा तो यहां तक भी जाता है कि दूल्हा और दुल्हन शादी के धार्मिक संस्कारों के माध्यम से सात जन्मों तक के लिए एक दूसरे के हो जाते हैं। इसलिए, शादी के समय विभिन्न अध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांसारिक संस्कारों को सम्पन्न कराने के लिए समाज के गणमान्य नागरिकों, नाते रिश्तेदारों, परिवार के सदस्यों को साथ लेकर विभिन्न प्रकार के भव्य आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। इन आयोजनों में विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं एवं आजकल तो ऐसे शुभ अवसरों पर भारी मात्रा में व्यय भी किया जा रहा है। शादी के विभिन्न आयोजनों पर किए जाने वाले भारी भरकम खर्च से देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नवम्बर 2023 माह से लेकर आगामी लगभग 4 माह के दौरान 38 लाख से अधिक शादियों के आयोजन सम्पन्न होने जा रहे हैं। केवल 4 माह की इस अवधि में लगभग 4.75 लाख करोड़ की राशि का व्यय होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 35 लाख शादियों पर 3.75 लाख करोड़ रुपए की राशि का व्यय हुआ था। कन्फेडरेशन ओफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, भारत में इस वर्ष शादियों के मौसम में सबसे अधिक खर्च करने का विश्व रिकार्ड बनाया जा सकता है। पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष एक लाख करोड़ रुपए अधिक राशि शादियों पर खर्च होने जा रही है। शादी के विभिन्न कार्यक्रमों में विभिन्न मदों पर होने वाले खर्च के सम्बंध में भी अनुमान लगाए गए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष नए कपड़े और नई ज्वेलरी को खरीदने की मद पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने वाली है, मेहमानों की खातिरदारी पर 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है, शादी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों पर 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है। विश्व का कोई भी देश शादियों के मौसम में इतनी भारी भरकम राशि का खर्च नहीं करता दिखाई दे रहा है क्योंकि अन्य देशों में शादी के समारोहों पर इतना खर्च किया ही नहीं जाता है। यह तो भारतीय सनातन संस्कृति ही है जिसके अंतर्गत शादी के समय विभिन प्रकार के संस्कार सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कई प्रकार के आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। आज विकसित देशों में तो विवाह नामक संस्था उपलब्ध ही नहीं है और ह्लवव मैरिजह्व नामक रिवाज का पालन किया जा रहा है। साथ ही अब तो बगैर विवाह के ह्ललिव इन रिलेशनह्व नामक रिवाज ही चल पड़ा है। विकसित देशों के युवा इस प्रकार के रिवाजों के चलते बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं और कुछ समय पश्चात ही आपस में रिश्तों को ह्लतलाकह्व का रूप दे देते हैं। यदि इस बीच किसी जोड़े को बच्चा हो भी जाता है तो उसे ह्लसिंगल पेरेंटह्व के रिवाज के तहत केवल मां के पास ही रहना होता है। इस प्रकार वह बच्चा अपने पिता के प्यार से वंचित रहता है और उस बच्चे का मानसिक विकास नहीं हो पाता है। इन्हीं कारणों के चलते आज विश्व के कई देशों में बुजुर्गों की संख्या तो बढ़ती जा रही है परंतु युवाओं की संख्या कम होती जा रही है, जिसका सीधा सीधा प्रभाव इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। अतः कुल मिलाकर यह सनातन संस्कृति के संस्कार ही हैं जो भारत में आज भी कुटुंब व्यवस्था को जीवित रखे हुए हैं। संयुक्त परिवार सामान्यतः केवल भारत में ही दिखाई देते हैं, जहां बुजुर्गों की देखभाल इन संयुक्त परिवारों में बहुत ही सहज तरीके से होती है। अन्यथा, विकसित देशों में चूंकि संयुक्त परिवार का चलन नहीं के बराबर है अतः बुजुर्गों की देखभाल इन देशों की सरकार को ह्लसोशल बेनीफिट्सह्व योजना के अंतर्गत करनी होती है। आज कुछ देशों में तो ह्लसोशल बेनीफिट्सह्व की मद पर इतना अधिक खर्च होने लगा है कि इन देशों की बजट व्यवस्था ही भारी दबाव में आ गई है। इसके ठीक विपरीत, भारत में विभिन्न त्यौहार भी बड़े ही उत्साह से मनाए जाते है जिसके कारण भारत में सामाजिक तानाबाना ठीक बना हुआ है। इसी सामाजिक तानेबाने के ठीक अवस्था में रहने के चलते ही इस वर्ष, दीपावली एवं धनतेरस के त्यौहारी मौसम में भारत में 3.75 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। साथ ही, केवल करवा चौथ के दिन 15,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था।

विष्णुदेव साय के बहाने आदिवासी राजनीति साधी

विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री घोषित करके भारतीय जनता पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीवंत आदिवासी समाज को उन्नति के नये शिखर एवं राजनीति में समुचित प्रतिनिधि देने के लिये प्रतिबद्ध है। द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनाकर उन्होंने इस समुदाय की आशाओं पर खरे उतरने की कोशिश की है। निश्चित ही विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने से आदिवासी समुदाय में खुशी जगी है, छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड और ओडिशा में भी भाजपा को लाभ मिलेगा, वही मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान के आदिवासी समुदाय के लोगों भी प्रभावित किया जा सकेगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विष्णुदेव साय का निर्णय नया राजनीतिक धरातल तैयार करेगा एवं नयी राजनीतिक दिशाओं को उद्घाटित करेगा।

जमीन से जुड़े, विनम्र, ईमानदार एवं सादगीप्रिय विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की दूरगामी सोच एवं राजनीतिक परिपक्वता से जुड़ी साहसिक एवं करिश्माई राजनीति की निष्पत्ति है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि अब तक चार बार के सांसद, तीन बार के विधायक और छत्तीसगढ़ में भाजपा के अध्यक्ष की कमान एवं केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। 26 साल की उम्र में ही पहली बार विधायक बनने वाले विष्णुदेव के दिवंगत दादा बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक विधायक रह चुके हैं। उनके दिवंगत ताऊ नरहरि प्रसाद साय भी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। विष्णुदेव साय ने ताजा चुनाव कुनकुरी विधानसभा सीट से लड़ा था, जिसमें उन्होंने 25 हजार 541 वोट से जीत दर्ज की। कम बोलने और बेहद विनम्र माने जाने वाले विष्णुदेव साय को, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बेहद करीबी माना जाता है। निश्चित ही उनकी मुख्यमंत्री की पारी ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण बनेगी। 21 फरवरी 1964 को एक आदिवासी परिवार में जन्में विष्णुदेव साय ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी के लोयला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है।

अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे।ह्व अमित शाह ने बड़ा आदमी बनाने का अपना वायदा इतना जल्दी पूरा कर दिया है। वैसे भी 32 फीसद आदिवासी जनसंख्या वाले छत्तीसगढ़ की विधानसभा में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 पर भाजपा के कब्जे के बाद माना जा रहा था कि किसी आदिवासी विधायक को भाजपा मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बना सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद से ही भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया है। भ्रष्टाचार में लिप्त विपक्षी पार्टी के नेताओं के घरों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की रेड हो रही है। झारखंड के कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के घर पर इनकम टैक्स की रेड और 500 करोड़ रुपए की बरामदी हुई है। इसलिये भाजपा ईमानदार नेताओं को आगे लाना चाहती है, विष्णुदेव साय जमीन से जुड़े हैं, आदिवासी हैं और लंबे समय से राजनीतिक जीवन में रहने के बावजूद भ्रष्टाचार के आरोपों से दूर हैं। ऐसे में वे भाजपा के इस कैटेगरी में एकदम फिट बैठे और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी। ईमानदारी के साथ विनम्रता भी उनकी बड़ी विशेषता है। एक दिन पहले उन्होंने कहा-ह्वविनम्रता को कमजोरी नहीं मानना चाहिए। मैं तो इसे अपनी ताकत मानता हूं और मेरी कोशिश रहेगी कि आजीवन विनम्र बना रहूं।ह्व

राजनीतिक स्वार्थ के चलते आजादी के बाद से जंगलों और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले आदिवासियों को हमेशा से दबाया और कुचला जाता रहा है जिससे उनकी जिन्दगी अभावग्रस्त ही रही है। कांग्रेस ने आदिवासी के नाम पर सत्ता तो अनेक बार हासिल की, लेकिन उनके कल्याण के लिये कोई ठोस काम नहीं किये। जबकि आदिवासी समुदाय को कांग्रेस विचारधारा का ही माना जाता रहा है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने अपनी सूझबूझ एवं विवेक से आदिवासी लोगों का दिल जीता है। वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी गुजरात के आदिवासी इलाके कवांट में जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में एक समारोह में 15 हजार करोड़ की वनबंधु योजना की शुरूआत की। इनदिनों इन्हीं जैन मुनि की चर्चा चुनाव सभाओं में एवं गुजरात की एक सभा में प्रधानमंत्री ने की। उनके मन में आदिवासी कल्याण की भावना है। राजनीति जोड़तोड की दृष्टि से देखा जाये तो कांग्रेस जहां मुस्लिम वोटों का ध्रूवीकरण एवं तुष्टिकरण कर रही है तो भाजपा के लिये आदिवासी समुदाय ही रोशनी बनते हुए दिख रहे हैं। निश्चित ही आगामी लोकसभा चुनाव में इन आदिवासी वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका बनने वाली है।

जब भाजपा हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आदिवासियों में एक बड़ी समस्या धर्मपरिवर्तन की है। प्रलोभनों एवं साम्प्रदायिक ताकतों के कारण कई आदिवासी अपने धर्म को बदलकर आदिवासी समाज से बाहर हो रहे हैं जिसमें ईसाई धर्म को सर्वाधिक स्वीकार गया है। ईसाई मिश्नरियों ने भारत के आदिवासी क्षेत्र छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, अंडमान निकोबार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र में धर्मांतरण के लिये विद्यालयों एवं छात्रावासों में सफल अभियान चलाया है। ऐसे में आदिवासी की अपनी संस्कृति एवं उनका अस्तित्व खतरा में आ गया। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से वनों में रहता आया है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवासी थे परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर, महानगर। यही से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनावासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। भारत में लगभग 25 प्रतिशत वन क्षेत्र है, इसके अधिकांश हिस्से में आदिवासी समुदाय रहता है। लगभग नब्बे प्रतिशत खनिज सम्पदा, प्रमुख औषधियां एवं मूल्यवान खाद्य पदार्थ इन्हीं आदिवासी क्षेत्रों में हैं। भारत में कुल आबादी का लगभग 11 प्रतिशत आदिवासी समाज है। इसी बड़ी आबादी को प्रभावित करने के लिये द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना एवं विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा की परिपक्व राजनीति को दर्शार्ता है। विष्णुदेव साय का निर्णय राज्य में आदिवासी वोटर्स को ध्यान में रखते हुए सामने आया है। इससे पहले भी आदिवासी वोटर को साधने के लिए भाजपा ने कई सकारात्मक घोषणाएं की है। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा एक सोची-समझी रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है।

स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे अनेक महान आदिवासी हुए हैं जिन्होंने भारत की मिट्टी एवं उसके स्वतंत्र अस्तित्व-आजादी के लिए अपना बलिदान एवं महान योगदान दिया। ऐसे महान वीर आदिवासियों से भारत का इतिहास समृद्ध है, जिनमें अप्पा साहब, तात्या टोपे, डा. बी.आर. अम्बेडकर, जयपाल सिंह मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गंडाधुरा, शहीद रानी दुगार्वाती, शहीद बीरसा मुंडा, शहीद सिद्धों, कानु, शहीद तिलका मांझी, शहीद गेंद सिंह, झाड़ा सिरहा जैसे महान आदिवासियों ने अपना बलिदान देकर समाज एवं देश के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिर क्या कारण है कि इस जीवंत एवं मुख्य समाज को देश की मूल धारा से काटने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। आजादी के बाद बनी सभी सरकारों ने इस समाज की उपेक्षा की है। यही कारण है कि यह समाज अनेक समस्याओं से घिरा है। भाजपा आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने के प्रयासों को नियंत्रित करने एवं सक्रिय होकर आदिवासी कल्याण की योजनाओं को लागू करने में जुटी है। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में आदिवासी वोट काफी अहम होगा। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में फिर आदिवासी कार्ड खेला है। विष्णुदेव साय प्रभावी आदिवासी नेता हैं और आदिवासी समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ है। भाजपा रणनीति के तहत आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग को साधने की कोशिश शुरू कर दी है जिसके चमत्कारी परिणाम आयेंगे।

प्रेषकः
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई पी एक्सटेंसन, पटपड़गंज
दिल्ली-110092
फोनः-22727486, मोबाईलः- 9811051133

स्वदेशी रोजगार एवं व्यापार की आत्मा है

- ललित गर्ग-

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का स्वदेशी एक महत्वपूर्ण आन्दोलन, सफल रणनीति व राष्ट्रीय दर्शन है। ह्यस्वदेशीह्व का अर्थ है- अपने देश का, अपने देश में निर्मित। इस रणनीति का लक्ष्य ब्रिटेन में बने माल का बहिष्कार करना तथा भारत में बने माल का अधिकाधिक प्रयोग करके साम्राज्यवादी ब्रिटेन को आर्थिक हानि पहुँचाना व भारत के लोगों के लिये रोजगार सृजन करना था। यह ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने और भारत की समग्र आर्थिक व्यवस्था के विकास के लिए अपनाया गया साधन था। आज आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये स्वदेशी-दर्शन के बल पर भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संकल्पबद्ध है। उपनिवेशी मानसिकता से मुक्त होकर, अपने देश में जो है उसको युगानुकूल बनाते हुए, ह्यस्वह्व आधारित स्व-देशी विकासपथ अपनाने की उनकी मुहीम का प्रभाव है कि हम अब सैन्य उपकरण तक आयात नहीं, बल्कि निर्यात करने की स्थिति में है। स्वदेशी कोई रूढ़िवाद नहीं, बल्कि रोजगार, व्यापार एवं संस्कृति की आत्मा है। 12 दिसंबर 1930 भारत के स्वदेशी आंदोलन का अत्यंत महत्वपूर्ण दिन बना, इसे आज भी स्वदेशी दिवस के रूप में याद किया जाता है।

लोकमान्य गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी के स्वदेशी अपनाने का आह्वान और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आंदोलन से प्रेरित होकर विदेश वस्त्रों से भरी लारी को रोकते हुए बाबू गेनू शहीद हो गए। अंग्रेजों की हुकूमत देश को आर्थिक रूप से लूट रही थी। अंग्रेज कपास, रेशम, पटसन व लोहा आदि कच्चे माल को भारत से विदेश ले जाते और लंदन से माल लाकर महंगे दामों पर बेचते। अंग्रेजों की इस कुटिल अर्थनीति को विफल करने के आन्दोलन में बाबू गेनू ने पूरी शक्ति से भाग लिया। देशप्रेम की भावना के वशीभूत होकर कभी-कभी सामान्य सा दिखायी देने वाला व्यक्ति भी बहुत बड़ा काम कर जाता है। ऐसा ही बाबू गेनू के साथ हुआ। एक बार उनका एक बैल पहाड़ी से गिर कर मर गया। इस पर बड़े भाई ने उसे बहुत डांटा। इससे दुखी होकर गेनू मुम्बई आकर एक कपड़ा मिल में काम करने लगा। उसी मिल में उसकी माँ कोंडाबाई भी मजदूरी करती थी। उन दिनों देश में स्वतन्त्रता का संघर्ष छिड़ा था। स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का आन्दोलन जोरों पर था। 22 वर्षीय बाबू गेनू भी इस आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। मिल के अपने साथियों को एकत्र कर वह आजादी एवं स्वदेशी का महत्व बताया करते थे। 26 जनवरी, 1930 को ह्यसम्पूर्ण स्वराज्य माँग दिवसह्व आन्दोलन में बाबू गेनू की सक्रियता देखकर उन्हें तीन महीने के लिए जेल भेज दिया, पर इससे बाबू के मन में स्वतन्त्रता प्राप्ति की चाह और तीव्र हो गयी। 12 दिसम्बर, 1930 को मिल मालिक मैनचेस्टर से आये कपड़े को मुम्बई शहर में भेजने वाले थे। जब बाबू गेनू को यह पता लगा, तो उसका मन विचलित हो उठा। उसने अपने साथियों को एकत्र कर हर कीमत पर इसका विरोध करने का निश्चय किया। 11 बजे वे कालबादेवी स्थित मिल के द्वार पर आ गये। धीरे-धीरे पूरे शहर

में यह खबर फैल गयी। इससे हजारों लोग वहाँ एकत्र हो गये। यह सुनकर पुलिस भी वहाँ आ गयी। कुछ ही देर में विदेशी कपड़े से लदा ट्रक मिल से बाहर आया। उसे सशस्त्र पुलिस ने घेर रखा था। गेनू के संकेत पर घोण्डू रेवणकर ट्रक के आगे लेट गया। इससे ट्रक रुक गया। जनता ने ह्यवन्दे मातरम्ह्व और ह्यभारत माता की जयह्व के नारे लगाये। पुलिस ने उसे घसीट कर हटा दिया, पर उसके हटते ही दूसरा कार्यकर्ता वहाँ लेट गया। बहुत देर तक यह क्रम चलता रहा। यह देखकर अंग्रेज पुलिस सार्जेण्ट ने चिल्ला कर आन्दोलनकारियों पर ट्रक चढ़ाने को कहा, पर ट्रक का भारतीय चालक इसके लिए तैयार नहीं हुआ। इस पर पुलिस सार्जेण्ट उसे हटाकर स्वयं उसके स्थान पर जा बैठा। यह देखकर बाबू गेनू स्वयं ही ट्रक के आगे लेट गया। सार्जेण्ट की आँखों में खून उतर आया। उसने ट्रक चालू किया और बाबू गेनू को रौंद डाला। सब लोग भौंचक रह गये। सड़क पर खून ही खून फैल गया। गेनू का शरीर धरती पर ऐसे पसरा था, मानो कोई छोटा बच्चा अपनी माँ की छाती से लिपटा हो। उसे तत्क्षण अस्पताल ले जाया गया पर उसके प्राण पखेरू तो पहले ही उड़ चुके थे। इस प्रकार स्वदेशी के लिए बलिदान देने वालों की माला में पहला नाम लिखाकर बाबू गेनू ने स्वयं को अमर कर लिया। तभी से 12 दिसम्बर को ह्यस्वदेशी दिवसह्व के रूप में मनाया जाता है।

इस प्रकार बाबू गेनू के बलिदान दिवस को पूरे देश में स्वदेशी दिवस के रूप में मनाया जाता। स्वदेशी उत्पाद उचित दाम के साथ लाभकारी सिद्ध होते है। स्वदेश की चीजों अपनाने से हमारा धन हमारे ही देश में रहता है एवं हमारे उत्पादों को बल मिलता है, इससे हमारी आर्थिक स्थितियां मजबूत होती है, व्यापार एवं उद्योग को बल मिलता है। विदेशी वस्तुओ और कंपनियों का सामान खरीद कर हम धीरे-धीरे अपने देश का पैसा बाहर भेज रहे हैं और चीन जैसे देश इसी से आर्थिक महाशक्ति बने हुए है। भारत की अर्थव्यवस्था विदेशी कंपनियों की गुलाम बन रही है, इससे बचने का एक मात्र उपाय है स्वदेशी प्रचार। अपने जीवन में जितना संभव हो सके स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग कीजिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि स्वदेशी का ये भाव सिर्फ विदेशी कपड़े के बहिष्कार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि ये हमारी आर्थिक आजादी का बहुत बड़ा प्रेरक था। आज उनके आह्वान पर ह्यवोकल फॉर लोकलह्व की स्पिरिट के साथ देशवासी पूरे मन से स्वदेशी उत्पाद खरीद रहे हैं और यह एक जन आंदोलन बन गया है। आत्मनिर्भर भारत का सपना बुनने और मेक इन इंडिया को बल प्रदान करने वाले लोग खादी को मात्र कपड़ा ही नहीं, बल्कि हथियार समझते हैं। यही कारण है कि नौ साल पहले खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार मात्र 25 हजार, 30 हजार करोड़ रुपए के आसपास ही था। आज ये एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए से अधिक तक पहुंच चुका है। पिछले 9 वर्षों में ये जो अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपए इस सेक्टर में आए हैं। इस अतिरिक्त आमदनी से जुटा धन अब हथकरघा सेक्टर से जुड़े गरीब भाई-बहनों के पास पहुंच रहा है, यह धन गांवों एवं आदिवासियों के पास पहुंच रहा, इसी से गरीबी दूर हो रही है। नीति आयोग ने कहा भी है कि पिछले 5 साल में साढ़े तेरह करोड़ लोग भारत में गरीबी से बाहर निकले हैं।स्वदेशी-अभियान को बल देते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक ने व्यापक उपक्रम किये हैं, स्वदेशी जागरण मंच इसके लिये प्रतिबद्ध है। रक्षाबंधन एवं दीपावली पर स्वदेशी निर्मित राखियों, दीयों एवं पटाखों के प्रयोग से न केवल आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाया है बल्कि असंख्य छोटे उद्योगों एवं कामगारों को ताकतवर बनाया है। गणेश उत्सव, दशहरा, दीपावली, दुगार्पूजा आदि पर्वों पर स्वदेशी के संकल्प को दोहरा कर हमने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर किया है। आज वोकल फॉर लोकल की भावना के साथ देशवासी स्वदेशी उत्पादों को हाथों-हाथ खरीद रहे हैं, ये एक जनआंदोलन बन गया है। बापू ने आंदोलन के जरिए जनता से स्वदेशी चीजे अपनाने की बात कही। स्वावलंबी गाँव आर्थिक विकेंद्रीकरण का ही रूप है जिसका आधार स्थानीयता एवं उस पर आधारित प्रौद्योगिकी संसाधन है। इसका उद्देश्य लोगों की सेवा करना और उन्हें आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाना है। इस व्यवस्था में उत्पादन, उपभोग स्थानीय होने के कारण मालिक, श्रमिक और उपभोक्ता तीनों एक ही हो जाते हैं, यही इसकी विशिष्टता है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वावलम्बी अर्थ-व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं, यह गांधी के सिद्धान्तों पर ही आधारित है। महात्मा गांधी ने हस्तशिल्प व कुटीर उद्योग को हमेशा बढ़ावा दिया है। उनके ग्राम स्वराज का सपना था कि गांव के कुटीर, लघु और कृषि उद्योग तेजी से आगे बढ़े। अगर देश का हर नागरिक सोचे कि जो वह स्वदेशी उत्पाद इस्तेमाल कर रहा है, उससे न केवल देश की कंपनी का फायदा होगा, बल्कि देश में ज्यादा से ज्यादा रोजगार उत्पन्न होंगे, तो देश तेजी से आत्मनिर्भर एवं आर्थिक ताकत बनने की ओर बढ़ेगा।

इतने दबाव में क्यों है भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव का परिणाम घोषित हुए दस दिन होने वाले हैं। उसके उपरांत भी अभी तक ना तो विधायक दल की बैठक बुलाई गई है ना ही नेता का नाम ही सामने आया है। जबकि 115 सीटें जीतकर भाजपा ने पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लिया है। राजनीतिक हल्का में चर्चा है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे द्वारा मुख्यमंत्री बनने के लिए की जा रही लाबिंग के चलते विधायक दल का नया नेता चुनने की प्रक्रिया ठंडी पड़ी हुई है। वसुंधरा राजे दिल्ली जाकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर राजस्थान की राजनीति पर लंबी चर्चा कर चुकी है।

पिछले दिनों जयपुर में घटे एक घटनाक्रम ने भाजपा के बड़े नेताओं को चौंका दिया है। बारां जिले में किशनगंज से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक ललित मीणा के पिता हेमराज मीणा जो स्वयं पूर्व विधायक हैं। उन्होंने जयपुर में मीडिया को बताया कि उनके बेटे विधायक ललित मीणा सहित बारां, झालावाड़ जिलों के पांच विधायकों को जयपुर में सीकर रोड स्थित होटल आपनो राजस्थान में जबरन रखा गया है और उन्हें घर नहीं आने दिया जा रहा है। हेमराज मीणा ने भाजपा कार्यालय के सामने मीडिया को बताया कि जब मैं अपने विधायक बेटे ललित मीणा को लेने होटल गया तो वहां पर विधायक कंवरलाल मीणा ने जोर जबरदस्ती करते हुए कहा कि झालावाड़ के सांसद दुष्यंत सिंह के कहने पर ही हम उन्हें जाने देंगे। उसके बाद होटल आपनो राजस्थान में हेमराज मीणा ने पुलिस बुलाकर बखेड़ा खड़ा किया तब जाकर वह अपने पुत्र ललित मीणा को साथ लेकर आ सके।

होटल में विधायकों को रखने की बात हेमराज मीणा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, संगठन महासचिव चन्द्रशेखर, पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह को भी बताई। हालांकि विधायक कंवरलाल मीणा ने पूर्व विधायक हेमराज मीणा के आरोपी को झूठा बताते हुए कहा कि हम सब अपनी मर्जी से वहां रुके थे। हमें किसी ने जबरन नहीं ठहराया था। जब कुछ अनजान लोग आकर ललित मीणा को ले जाने लगे तो हमने उन्हें नहीं ले जाने दिया और जब हेमराज जी मीणा अपने पुत्र विधायक ललित मीणा को लेने आए तो उनके साथ भेज दिया था। जयपुर में हुई इस घटना से भाजपा आलाकमान के कान खड़े हो गए और उन्हें एहसास हो गया कि प्रदेश में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। अंदर खान कोई नया खेल करने के प्रयास में लगा हुआ है।

वसुंधरा राजे के दिल्ली से जयपुर लौटने के बाद करीब एक दर्जन विधायक उनसे मिलने पहुंचे। जिसे वसुंधरा गुट द्वारा अपने शक्ति प्रदर्शन के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। वसुंधरा गुट के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल का कहना है कि किसी अनुभवी नेता को ही मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए जो राजस्थान को अच्छे से संभाल सके। राजस्थान में भाजपा के पास वसुंधरा राजे से अधिक लोकप्रिय कोई चेहरा नहीं है।

वहीं राजनीतिक हलकों से निकालकर जो बातें आ रही है उससे लगता है कि भाजपा आलाकमान किसी भी स्थिति में वसुंधरा राजे को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के मूड में नहीं है। वसुंधरा राजे के लिए सबसे नकारात्मक बात उनका दो बार मुख्यमंत्री बनने के बाद दोनों ही बार पार्टी का चुनाव हार जाना रही है। 2003 में वसुंधरा राजे 120 सीटों के बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनी थी। मगर 2008 में पार्टी की सीट घटकर 78 रह गई थी। इसी तरह 2013 में वसुंधरा राजे 163 सीटों के बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनी थी। मगर 2018 में भाजपा की सीट घटकर 73 ही रह गई थी।पार्टी नेताओं का मानना है कि चुनाव के समय वसुंधरा राजे कांग्रेस सरकार की एंटी इनकमबेसी के बल पर सरकार बना लेती है। मगर खुद के मुख्यमंत्री रहते भी उनकी सरकार के प्रति आमजन में भारी नाराजगी व्याप्त हो जाती है और उन्हें सत्ता से हटाना पड़ता है। इस बार पार्टी आलाकमान चाहता है कि ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाए जो पांच साल बाद फिर से सरकारी रिपीट कर सके। मगर वसुंधरा राजे अपनी जिद पर अड़ी हुई है कि वह स्वयं के अलावा अन्य किसी को मुख्यमंत्री पद पर बैठने नहीं देना चाहती है। हालांकि वसुंधरा राजे के सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर पार्टी विधायकों के बाड़ाबंदी के आरोप लगने के बाद वसुंधरा राजे बैक फुट पर आ गई है। उन्होंने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की तो उनके साथ उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह भी थें। चर्चा है कि उन्होंने दुष्यंत सिंह के बाड़ेबंदी के आरोपों पर भी सफाई दी है। इधर भाजपा से विधायक बने चारों सांसदों डॉक्टर किरोडी लाल मीणा, दीया कुमारी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ व बाबा बालकनाथ ने लोकसभा व राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है।राजस्थान में भाजपा की सरकार गठन में अबकी बार जितना समय लग रहा है उतना पहले कभी नहीं लगा। इसलिए लोगों के मन में संशय पैदा हो रहा है। हालांकि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे को राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जो राजस्थान के विधायकों से मिलकर रायशुमारी कर विधायक दल की बैठक बुलाएंगे। राजनाथ सिंह का राजस्थान में पर्यवेक्षक बनकर आना अपने आप में बहुत कुछ कहता है। राजनाथ सिंह भाजपा में सबसे हैवीवेट नेता माने जाते हैं। उनकी छवि ट्रबल शूटर की रही है। पार्टी के दो बार राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके राजनाथ सिंह हर तरह की स्थिति को संभालने में सक्षम है। इसीलिए उनको राजस्थान का पर्यवेक्षक बनाकर भेजना पड़ा है। वैसे भी राजनाथ सिंह राजस्थान विधानसभा के चुनाव में नरेंद्र मोदी, अमित शाह के बाद सबसे अधिक रैलियों को संबोधित करने वाले नेता थे।

उनकी प्रदेश के सभी नेताओं से व्यक्तिगत संपर्क है।

वसुंधरा राजे ने भी राजनाथ सिंह के साथ लंबे समय तक काम किया है। इसलिए राजनाथ सिंह के पर्यवेक्षक बनने के बाद यह अनुमान लगाए जा रहे हैं कि उनको वसुंधरा राजे को अच्छे से हैंडल करना आता है। जिसे पार्टी ने मुख्यमंत्री बनना तय किया है वही भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दल का नेता चुना जाएगा। हो सकता है आने वाले समय में वसुंधरा राजे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया जाए। फिलहाल तो वह पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी हुई है। ऐसे में देखना होगा कि सरकार के गठन से पहले ही भाजपा में जो गुटबाजी पनपी है। उसे पार्टी मिटा पाती है या नहीं इसका पता तो आने वाले समय में ही चल पाएगा।

ग्लोबल वर्मिंग : विकसित देशों का रवैया ठीक नहीं

विश्व के तमाम देश लगातार ग्लोबल वार्मिंग से मानवता पर मंडराते संकट को दूर करने के लिये संयुक्त अरब अमीरात में एकजुट हुए । दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 28वें सम्मेलन से फिर पूरी दुनिया की आस जगी है। दुनिया टकटकी लगाए बैठी है कि कॉप-28 सम्मेलन से धरती को बचाने के लिये कुछ ठोस निर्णय लिए जाएंगे। बीत रहे साल में मौसम के चरम के चलते तापमान वृद्धि, अलनीनो प्रभाव से बढ़ता समुद्री तापमान, अंटार्कटिका में तेजी से बर्फ के पिघलने, बाढ़, अतिवृष्टि, अनावृष्टि और चक्रवातों के जो भयावह परिणाम सामने आए, वो बता रहे हैं कि यदि अब निर्णायक फैसले न हुए तो धरती को बचाना मुश्किल हो जाएगा।

अब तक के तमाम पर्यावरण सम्मेलनों में वायदे तो बड़े-बड़े हुए हैं लेकिन ठोस काम इस दिशा में नहीं हो पाया है। खासकर विकसित देशों के अड़ियल रवैये से इस दिशा में आशाजनक प्रगति नहीं हो पायी है। जबकि मौजूदा हालात में विकसित देशों से न केवल कार्बन उत्सर्जन कम करने की उम्मीद है, बल्कि हरित ऊर्जा में निवेश बढ़ाने की भी दरकार है। वह भी ऐसे वक्त में जब ग्लोबल वार्मिंग हर देश के दरवाजे पर दस्तक दे चुकी है। दुर्भाग्य की बात यह कि पेरिस समझौते में औद्योगिक क्रांति से पूर्व स्थिति के अनुरूप जिस तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की बात हुई थी, उस लक्ष्य को अब तक नहीं पाया जा सका है। धरती का ताप अनुकूलक माने जाने वाले अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघलना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यही वजह है कि बीत रहे साल में मौसम के चरम की तमाम घटनाएं दृष्टिगोचर हो रही हैं। ऐसे में दुनिया के पर्यावरण संरक्षण से जुड़े तमाम संगठन व आम लोग उम्मीद कर रहे हैं कि कॉप-28 में कुछ बदलावकारी फैसले लिये जाएं। हकीकत में यह वक्त अब तक के तमाम सम्मेलनों में लिये गए फैसलों पर पुनर्विचार का भी है। यह विचार मंथन का अवसर है कि पिछले साल मिस्र में हुए सम्मेलन के निष्कर्ष कहां तक अमल में लाये जा सके हैं।

शरीर में पहले ही दिखने लगते है डायबिटीज लक्षण, हो जाएं सावधान-पेशाब में दिख जाता है डायबिटीज का पहला लक्षण

हेल्थ/शिव कुमार यादव/- हिन्दूस्तान में डायबिटीज एक महामारी का रूप लेता जा रहा है। बेशक डायबिटीज का कोई स्थाई ईलाज नही है लेकिन दिनचर्या व खानपान में बदलाव से इसके कुप्रभावों से बचा जा सकता है। अकसर लोगों को यह काफी देर से पता चलता है कि उन्हे डायबिटीज है लेकिन शरीर में पहले ही डायबिटीज के लक्षण दिखाई देने लग जाते है। अगर आपकों भी इस तरह के लक्षण दिखाई देते है तो आपकों सावधान होने की जरूरत है। लक्षणों की शुरूआत में पहचान करके समय पर निदान और इलाज शुरू किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इससे कंडीशन को ज्यादा बदतर होने से रोका जा सकता है।

डायबिटीज के पहले लक्षण को ऐसे समझें

डायबिटीज एक गंभीर और लाइलाज बीमारी है। टाइप 2 डायबिटीज की शुरूआत धीरे-धीरे हो सकती है, और शुरूआती चरणों में लक्षण हल्के हो सकते हैं। यही वजह है कि बहुत से

लोगों को यह एहसास ही नहीं होगा कि उन्हें यह बीमारी हो गई है।

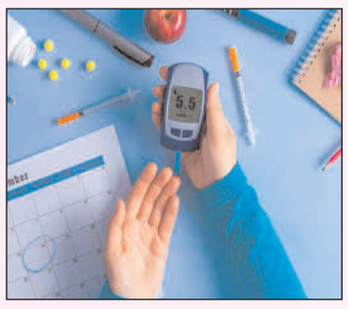

बार-बार पेशाब आना

जब ब्लड शुगर लेवल अधिक होता है, तो किडनी शुगर को खून से फिल्टर करके निकालने का प्रयास करती हैं। इससे व्यक्ति को अधिक बार पेशाब आता है।

अधिक प्यास लगना

ब्लड शुगर को हटाने के लिए शरीर में अतिरिक्त पानी की कमी हो सकती है। इससे डिहाइड्रेशन हो सकता है और व्यक्ति को सामान्य से अधिक प्यास लग सकती है।

बार-बार भूख लगना

डायबिटीज से पीड़ित लोगों को अक्सर अपने भोजन से पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पाती है। डायबिटीज पीड़ित लोगों में, पर्याप्त मात्रा में ग्लूकोज रक्तप्रवाह से शरीर की कोशिकाओं में नहीं जाता है। इससे अक्सर लगातार भूख महसूस होती है।

थकान या धुंधली दृष्टि

डायबिटीज किसी व्यक्ति के ऊर्जा स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें थकान महसूस करा सकता है। ब्लड शुगर अधिक होने से आंखों में छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे धुंधली दृष्टि हो सकती है।

कटने और घावों का धीरे-धीरे ठीक होना

रक्त में उच्च शर्करा का स्तर शरीर की नसों और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे छोटे-छोटे कट और घावों को भी ठीक होने में कई सप्ताह या महीने लग सकते हैं।

हाथ या पैर में झुनझुनी, सुन्नता या दर्द

हाई ब्लड शुगर लेवल ब्लड फ्लो को प्रभावित कर सकता है और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों में, इससे हाथ और पैरों में दर्द या झुनझुनी या सुन्नता की अनुभूति हो सकती है।

डायबिटीज के लक्षण दिखने पर क्या करें

यदि आपको डायबिटीज के कोई संभावित लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। जितनी जल्दी स्थिति का निदान किया जाएगा,

महाराष्ट्र में फिर से बहाल हो सकती है पुरानी पेंशन योजना?-केंद्र कर रहा विचार, अजित पवार के बयान से बढ़ी हलचल

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- महाराष्ट्र में पुरानी पेंशन योजना बहाल हो सकती है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बयान से राज्य में हलचल बढ़ गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब उनसे पुरानी पेंशन योजना को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि योजना के खिलाफ उनका पहले का रुख बदल गया है। साथ ही उन्होंने कहा इस मामले पर वह सकारात्मक रूप से पुनर्विचार करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र भी इस पर विचार कर रहा है।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वेतन, पेंशन राशि के बीच संतुलन बनाना चाहती है। राज्य सरकार पर वित्त पर बोझ न पड़े इसका ध्यान रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सीएम शिंदे, उपमुख्यमंत्री फडणवीस और मेरे बीच पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के मुद्दे को लेकर चर्चा हुई थी।

साथ ही कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ओपीएस के प्रति अपना विरोध जताया था, जब मैं अतीत में राज्य का वित्त मंत्री था तब मैंने भी एक सत्र के दौरान ऐसी ही बातें कही थीं। हालांकि मेरी जानकारी के मुताबिक, केंद्र इस लंबित मामले पर विचार करने के बारे में सोच रहा है।

क्या थी पुरानी पेंशन योजना?

महाराष्ट्र में कई सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग कर रहे हैं, जिसे 2005 में राज्य में बंद कर दिया गया था। बता दें कि ओपीएस के तहत एक सरकारी कर्मचारी को उसके अंतिम आहरित वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारियों द्वारा अंशदान की कोई आवश्यकता नहीं थी। केंद्र सरकार लोकसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को वर्ष 2021 से वित्तीय लाभ मिलेगा।

क्या है नई पेंशन योजना?

नई पेंशन योजना के मुताबिक, एक राज्य सरकार का कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत योगदान देता है और राज्य भी उतना ही योगदान देता है। फिर पैसा पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा अनुमोदित कई पेंशन फंडों में से एक में निवेश किया जाता है और रिटर्न बाजार से जुड़ा होता है।

विद्युत जामवाल: न्यूड फोटोशूट से क्यों उठा गया है हंगामा ?

मानसी शर्मा /- बॉलीवुड के स्टार श्र्८४३ खेंद्दंह्ल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ( ) पर अपने न्यूड तस्वीरों को साझा किया है, जिससे हंगामा मच गया है। इन तस्वीरों ने कुछ ही घंटों में लाखों यूजर्स की नजरें खींची हैं, लेकिन इसे लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जहां कुछ लोग जामवाल की तारीफ कर रहे हैं, वहीं दूसरे इसे अश्लीलता के तौर पर देख रहे हैं।

विद्युत जामवाल ने तीन तस्वीरों के साथ कैप्शंस शामिल किया है। पहली तस्वीर में वह किसी नदी के किनारे न्यूड बैठे दिख रहे हैं, दूसरी तस्वीर में उनका आधा शरीर पानी में है और वे वृक्षासन मुद्रा में खड़े हैं। तीसरी तस्वीर में उन्हें पेड़ के किनारे मैगी पका रहे हैं।

विद्युत जामवाल ने इस विवादास्पद फोटोशूट के साथ एक थ्रेड भी लिखा है, जिसमें उन्होंने अपनी हिमालय यात्रा के बारे में साझा किया। उनका लिखा है, ह्यहिमालय पर्वतमाला में मेरी वापसी झ्र परमात्मा के इस निवास स्थान से मेरी यात्रा 14 साल पहले शुरू हुई थी। मैंने एहसास किया कि साल में 7-8 दिन अकेले बिताना मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है।

विद्युत जामवाल ने और भी जानकारी साझा करते हुए कहा, ह्यमैं अपने कंफर्ट जोन से बाहर सबसे ज्यादा कंफरटेबल हूं, प्रकृति की फ्रीक्वेंसी के साथ तालमेल बिठाता हूं और खुद को एक सैटेलाइट डिश एंटीना की तरह महसूस करता हूं जो खुशी और प्यार को प्राप्त करता है और फिर उन्हें आगे भेज देता है। मैं करुणा, दृढ़ निश्चय, उपलब्धि और एक्शन की फ्रीक्वेंसी पर वाइब्रेट करता हूं।

उनके थ्रेड के अंत में उन्होंने लिखा, ह्ययहीं पर मैं वह ऊर्जा पाता हूं, जिसे मैं अपने आस-पास पाना चाहता हूं और फिर घर वापस आना चाहता हूं। मैं अपने जीवन में एक नए अध्याय का अनुभव करने के लिए तैयार हूं झ्र पुनर्जन्म।

इस बवाल के बावजूद, विद्युत ने अपनी आगामी फिल्म ह्यक्रैकह्ण की रिलीज डेट भी घोषित की है, जो 23 फरवरी 2024 को सिनेमाघरों में होगी। इस फिल्म की क्रेडिट उन्होंने जानवर चराने वाले स्थानीय निवासी मोहर सिंह को दी है।

विद्युत जामवाल की इस न्यूड फोटोशूट पर उसके फैंस से विभिन्न प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, जिसमें खुशी, आपत्ति और हंसी शामिल हैं। इससे पहले भी बॉलीवुड सेलेब्स जैसे रणवीर सिंह और मिलिंद सोमन ने न्यूड फोटोशूट के कारण चचाएं उत्पन्न की थीं।

प्रोटीन से भरपूर है ये ड्राई फ्रूट चिलगोजा, सावधानी से करे सेवन -जितना फायदा उतना नुकसान भी, मगर 5 तरह के लोगों के लिए है जहर

हेल्थ/शिव कुमार यादव/- हर किसी को स्वस्थ रहने के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है। लोग सब्जियों, फलों व ड्राई फ्रूट में प्रोटीन की तलाश करते हैं। कुछ लोग दवाईंयां खाकर भी प्रोटीन की कमी को पूरा करने की कोशिश करते हैं लेकिन प्राकृतिक रूप से जितना प्रोटीन चिलगोजा ड्राई फ्रूट में होता है उतना और चिजों में नही पाया जाता है। चिलगोजा ड्राई फ्रूट के जितने फायदे है, उतना ही यह नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए इसका सेवन आंख मूंद कर नहीं करना चाहिए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि यह 5 तरह के लोगों के लिए जहर का भी काम कर सकता है।

प्रोटीन का खजाना है चिलगोजा

प्रोटीन से भरपूर चिलगोजा अंग्रेजी में पाइन नट्स कहलाता है। ये पोषण के मामले में कई सारे ड्राई फ्रूट्स का बाप माना जाता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, फोलेट, विटामिन ए, विटामिन के, पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स, मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स, कोलीन, आयरन, जिंक, कैल्शियम जैसे अनेक न्यूट्रिएंट्स हैं। यह फूड शरीर को कमजोरी और थकान आदि कई समस्याओं से बचाने में मददगार हो सकता है।

मगर इन लोगों के लिए जहर

चिलोगाज जैसे नट्स एलर्जी भी कर सकते हैं। अमेरिकन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड इम्यूनोलॉजी के मुताबिक इसे खाने से हल्की से लेकर खतरनाक एलर्जी तक हो सकती है। कुछ

मामलों में यह जानलेवा एनाफिलेक्सिस भी हो सकती है और सांस व धड़कन रुक सकती है।

दिल तक नहीं पहुंचेगा खून

अगर आपको हाई कोलेस्ट्रॉल है तो पाइन नट्स को ज्यादा ना खाएं। इसमें हेल्दी फैट्स समेत बहुत सारा फैट होता है, जो शरीर में पहुंचकर खून में मौजूद वसा को बढ़ाता है। दिल के मरीजों को इन्हें खाने से पहले किसी एक्सपर्ट से सलाह लेनी चाहिए।

ब्लोटिंग से परेशान लोग

नट्स पचाने में भारी होते हैं, इस वजह से कुछ लोगों को इससे गैस, ब्लोटिंग और पेट दर्द की समस्या बढ़ सकती है। जिन लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिजीज या कमजोर डायजेशन की शिकायत है, उन्हें अचानक से इसका ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए।

वजन कम करने वाले लोग

चिलगोजा हेल्दी होने के साथ हाई कैलोरी फूड होता है, जिसका सेवन आपका वजन बढ़ा सकता है। इसलिए अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं या करना चाहते हैं तो डाइट में इस सूखे मेवा की मात्रा कंट्रोल में रखें।

ओमेगा सप्लीमेंट लेने वाले लोग

दिमाग और दिल को हेल्दी बनाने के लिए ओमेगा सप्लीमेंट का सेवन किया जाता है। लेकिन आप इनके साथ ज्यादा मात्रा में चिलगोजा खाने की गलती ना करें। इससे शरीर में ओमेगा फैटी एसिड का लेवल खतरनाक हो सकता है और खून पतला या ब्लीडिंग हो सकती है।

चिलगोजा के फायदों को ना भूलें

चिलगोजा या पाइन नट्स को सही तरीके और मात्रा में खाने से ना सिर्फ इन संभावित नुकसानों से बचाव होता है, बल्कि डायबिटीज, हार्ट हेल्थ और ब्रेन हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है। ध्यान रखें कि यह पोषण से भरा है जो आपकी हर समस्या का हल बन सकता है।

देश में रह रहे अवैध प्रवासियों का आंकड़ा जुटाना असंभव- केंद्र

-अवैध प्रवासियों पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़े जुटाना संभव नहीं है क्योंकि अवैध प्रवासी गुप्त तरीके से देश में दाखिल होते हैं। सुप्रीम कोर्ट नागरिकता कानून की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई कर रहा है। इसी सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने हलफनामा देकर ये बात बताई। नागरिकता कानून असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़े जुटाना संभव नहीं है क्योंकि अवैध प्रवासी गुप्त तरीके से देश में दाखिल होते हैं। सुप्रीम कोर्ट नागरिकता कानून की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई कर रहा है। इसी सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने हलफनामा देकर ये बात बताई। नागरिकता कानून असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित है।

अवैध प्रवासियों का आंकड़ा जुटाना असंभव

केंद्र ने कोर्ट को बताया कि विदेशी ट्रिब्यूनल के आदेशों के तहत साल 1966-1971 के बीच 32,381 लोगों की बतौर विदेशी पहचान की गई है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि 17,861 लोगों को इस प्रावधान के तहत नागरिकता दी गई है। कोर्ट ने सवाल किया कि भारत में तकरीबन कितने अवैध प्रवासी आ रहे हैं। इस पर केंद्र सरकार ने अवैध प्रवासी बिना किसी वैध दस्तावेज के गुप्त तरीके से देश में दाखिल होते हैं। अवैध प्रवासियों का पता लगाना, उन्हें हिरासत में लेना और उन्हें उनके देश भेजना एक जटिल प्रक्रिया है। ऐसे में देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़ा जुटाना संभव नहीं है। केंद्र सरकार ने बताया कि साल 2017 से 2022 के बीच 14,346 विदेशियों को उनके देश वापस भेजा गया। सरकार ने बताया कि फिलहाल असम में 100 विदेशी ट्रिब्युनल काम कर रहे हैं और 31 अक्तूबर 2023 तक 3.34 लाख मामले निस्तारित किए गए हैं लेकिन अभी भी 97,714 मामले लंबित हैं।

इस्कॉन द्वारका में बाल संरक्षण सुरक्षा समिति की स्थापना

-बाल संरक्षण समिति यानी चाइल्ड प्रोटेक्शन टीम (सीपीटी) द्वारा होगा सुरक्षा का संचालन

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- देश में स्वास्थ्य, सुरक्षा और चिकित्सा जैसे मुद्दों पर विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ एवं प्रशासन हमेशा तत्पर रहता है और जब बात बच्चों की हो तो और भी सतर्कता बरती जाती है। ऐसा ही एक प्रयास इस्कॉन द्वारका की ओर किया गया है जहाँ बच्चों की सुरक्षा के लिए बाल संरक्षण समिति की स्थापना की गई।

हाल ही में इस्कॉन द्वारका दिल्ली में बाल संरक्षण कार्यालय भारत की सह निदेशक दैवी प्रकृति देवी दासी ने दौरा किया और बच्चों की सुरक्षा से संबंधित अनेक मुद्दों पर कदम उठाए। उनका कहना है कि पिछले दो सालों से यह विभाग इस्कॉन द्वारका में स्थापित हुआ है लेकिन अब इसका संचालन विशेष समिति द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसकी स्थापना में इस्कॉन के जीबीसी परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी

महाराज का विशेष योगदान रहा है। उनका प्रयास रहा कि भारत में भी एक बाल संरक्षण कार्यालय हो। इस्कॉन के सभी मंदिरों में इसकी स्थापना हो और इस्कॉन के मंदिरों में बाल संरक्षण के संदर्भ में जो भी नियम हों, उन्हें सुचारु रूप से लागू किया जाए। इस प्रकार इसे लागू करके हम मंदिर में आने वाले सभी बच्चों को संरक्षण प्रदान कर सकते हैं। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों के साथ कुछ भी नकारात्मक व्यवहार अथवा कुछ भी गलत घटित न हो। इस समिति द्वारा इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।

मंदिर से जुड़ी अनेक गतिविधियों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों में विशेष संस्कारों का संचय होता है और उन्हें इस प्रकार गढ़ा जाता है ताकि उन्हें आध्यात्मिक शिक्षा भी मिल सके। जैसे प्रह्लाद फन स्कूल, संडे फन स्कूल आदि में बच्चों को बहुत छोटी उम्र से ही आध्यात्मिक ज्ञान मिलता है। यहाँ उन्हें श्लोक सिखाए जाते हैं, जप करवाना सिखाते हैं। तो इस तरह वे भौतिक जगत की समस्याओं का सामना करने में सक्षम हो पाते हैं। हाल ही में दैवी प्रकृति देवी दासी ने इस्कॉन द्वारका का दौरा किया और बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों को लेकर कुछ कदम उठाए हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को सही समय पर सुरक्षा प्राप्त हो सके। इसके लिए उन्होंने यहाँ बाल संरक्षण समिति अर्थात चाइल्ड प्रोटेक्शन टीम (सीपीटी) की स्थापना की। इस अवसर पर उनके साथ सीपीटी के कुछ सदस्य भी शामिल थे, जिन्होंने इस प्रक्रिया को संचालित करने के बारे में पूरी जानकारी हासिल की। ताकि इसके सदस्य यह देख सकें कि यहाँ सभी नियमों का यथावत पालन हो रहा है या नहीं एवं बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान मिल रहा है या नहीं।

अधिक जानकारी के लिए आप https://www.iskcon-childprotection.orgg की साइट पर भी जा सकते हैं। जहाँ बाल संरक्षण टीम इस्कॉन, इस्कॉन बाल संरक्षण कार्यालय, इस्कॉन अंतर्राष्ट्रीय बाल संरक्षण कार्यालय के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बाल सुरक्षा संसाधन, शिक्षा और सहायता के लिए यहाँ की टीम से संपर्क किया जा सकता है।

बाल शोषण क्या है, बाल एवं वयस्क शिक्षा बच्चों को मिल रही है या नहीं३आदि के बारे में इस्कॉन प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित नई बाल संरक्षण नीतियों के बारे में इस्कॉन जीबीसी की साइट पर "https://gbc.iskcon.org > new-child-p... से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर इस्कॉन द्वारका के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर इस्कॉन द्वारका के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेरी तमन्ना थी कि मैं कप्तान बनूं...टीम मेट के साथ खडे रहने की मिली सजा, युवराज ने खोले राज

मानसी शर्मा /- मेरी तमन्ना थी कि मैं कप्तान बनूं....मुझे लगता था कि मैं कप्तान बनूंगा, लेकिन जब ग्रेग चैपल विवाद हुआ तो अपने टीम मेट के साथ खड़े रहने की मुझे सजा मिली, जिस वजह से मैं कप्तान नहीं बन सका, यह कहना रहा वर्ल्ड कप विजेता क्रिकेटर युवराज सिंह का। उन्होंने यह खुलासा संजय मांजरेकर के साथ हुई बातचीत में किया। महेन्द्र सिंह धोनी को टीम इंडिया की कप्तानी क्यों मिली? जबकि उस टीम में युवराज सिंह सीनियर थे, वहीं माही उनसे जूनियर थे। हालांकि उस भारतीय टीम में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण जैसे खिलाड़ी थे। युवराज सिंह के बजाय महेन्द्र सिंह धोनी को कप्तान क्यों बनाया गया? इस पर पूर्व वर्ल्ड कप क्रिकेटर युवराज सिंह ने बयान दिया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर के साथ बातचीत में युवराज सिंह ने बताया कि माही को बतौर कप्तान क्यों चुना गया? युवी ने कहा कि ग्रेग चैपल विवाद के कारण वह टीम इंडिया के कप्तान नहीं बन सके।

अपने टीम मेट के साथ खड़े रहने की सजा मिली

युवराज सिंह ने कहा कि मैं अपने टीम मेट के साथ खड़ा था, जिसकी मुझे सजा मिली। इसके अलावा बीसीसीआई के कई अधिकारियों से तवज्जों नहीं मिली। हालांकि युवी ने साफ तौर पर कहा कि मुझे कप्तान नहीं बनने का कोई पछतावा नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा स्टैंड क्लीयर था। अगर ऐसा फिर करना पड़ा तो मैं करूंगा, मैं खड़ा रहूंगा, मुझे अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है।

कप्तान बनने की थी तमन्ना

संजय मांजरेकर ने युवराज सिंह से पूछा कि क्या आपकी ख्वाहिश नहीं थी कि टीम इंडिया का कप्तान बनें? इस सवाल के जवाब में युवराज सिंह ने कहा कि मेरी तमन्ना थी कि मैं कप्तान बनूं... मुझे लगता था कि मैं कप्तान बनूंगा, लेकिन जब ग्रेग चैपल विवाद हुआ, उस वक्त मेरे पास 2 विकल्प थे, ग्रेग चैपल का साथ दूं या अपने टीम मेट का... मैंने अपने टीम मेट का साथ दिया। लेकिन बीसीसीआई के कई अधिकारियों को मेरा फैसला पसंद नहीं आया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि वह मेरे अलावा बाकी किसी भी प्लेयर को कप्तान बना सकते हैं। ऐसा मैंने सुना... मुझे नहीं पता कि इन बातों में कितनी सच्चाई है।

माही को बनाया गया था कप्तान

युवराज सिंह ने कहा कि मुझे अचानक वाइस-कैप्टन से हटा दिया गया, उस वक्त वीरेन्द्र सहवाग टीम में नहीं थे। फिर माही को टी20 वर्ल्ड कप 2007 के लिए कप्तान बना दिया गया। मुझे लगता कि उस वक्त वो फैसला मेरे खिलाफ गया। लेकिन मुझे कोई पछतावा नहीं है। अगर आज फिर से हालात वैसे हो जाएं, तो मैं वहीं करूंगा, अपने टीम मेट के साथ फिर से खड़ा रहूंगा।

मेट्रो स्टेशन के ट्रैक से कूदने जा रही थी लड़की वीडियों हुई वायरल

मानसी शर्मा /- नई दिल्ली के शादीपुर मेट्रो स्टेशन पर कल शाम हड़कंप का माहौल हो गया . दरसल , कल शाम को एक लड़की मेट्रो स्टेशन से आगे निकलकर ट्रैक पर होते हुए बॉउंड्री के जरिए आगे निकल गई . फिर वंहा से कूदकर सुसाइड की धमकी देने लगी , जैसे ही लड़की पर मेट्रो पुलिस और नीचे रोड से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी , उन्होंने शोर मचाना शुरू किया । मेट्रो स्टाफ और पुलिस ने बड़ी समझदारी से लड़की को बातों में उलझाए रखा. इस तरफ स्टाफ और पुलिस ने उसको कूदने से बचा लिया . इसका एक वीडियो भी सामने आया है. जो कि शाम करीब 5 बजे का है . पुलिस लड़की से पूछताछ और मामले की जांच कर रही है. बीते दिन मेट्रो में सफर कर रहे 25 साल के एक एमबीबीएस छात्र की हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई थी . मयंक गर्ग नाम का ये युवक बल्लभगढ से दिल्ली मेट्रो में सवार होकर आईएसबीटी के लिए जा रहा था ।

मुआवजा दिए बिना खेतों में लगा रहे हाईटेंशन टावर

मानसी शर्मा /- पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआइएल) की ओर से बिछाई जा रही 765 केवी हाईटेंशन लाइन का दिल्ली देहात के किसानों द्वारा विरोध किया जा रहा है। मुआवजे की मांग को लेकर दिल्ली किसान अधिकार मोर्चा के बैनर तले 29 दिन से किसान धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि भारत सरकार के नाम पर उनके खेतों पर कंपनी द्वारा कब्जा किया जा रहा है और इसके बदले में उन्हें मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

धरने का नेतृत्व कर रहे दिल्ली किसान अधिकार मोर्चा के संयोजक सतेंद्र लोहचब ने कहा कि भारत सरकार के नाम पर किसानों को गुमराह किया जा रहा है। उन्हें कहा जा रहा है कि इन टावरों को लगने से कोई नहीं रोक सकता। किसानों को बिना कुछ बताए रात को गड्ढे खोदकर खेतों में टावर लगाए जा रहे हैं। कई जगह किसानों को बहला- फुसलाकर टावर लगा दिए गए हैं,

जहां टावर लगेंगे, वहां तो नुकसान होगा ही,

जहां से हाईटेंशन लाइन गुजरेगी, वहां पर जमीन की कीमत 90 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। कोई प्रोजेक्ट भी इधर नहीं आएगा। बिना किसी मुआवजे के किसानों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। टावर लगने के बाद करोड़ों की जमीन को कोई कौड़ियों के भाव में भी खरीदने को तैयार नहीं होगा। पुलिस के साथ-साथ एसडीएम, डीएम भी किसानों का पक्ष सुनने के बजाय उन पर दबाव बना रहे हैं। उन्हें थाने ले जाया जा रहा है। जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक धरना चलता रहेगा। हरियाणा में मिल रहा मुआवजा, दिल्ली में नहीं: दिल्ली के आखिरी गांव कुतुबगढ़ के पास के हरियाणा के पहले गांव लड़रावन के जिन खेतों में हाईटेंशन लाइन के टावर लगाए गए हैं,

उन खेतों के मालिकों को फसल बबार्दी का मुआवजा तो दिया ही गया है, साथ ही उस जमीन का मुआवजा भी दिया गया है, जहां टावर लगाया गया है। इसी तरह पूरे हरियाणा में जहां भी टावर लग रहे हैं, वहां उचित मुआवजा दिया जा रहा है। वहीं, दिल्ली में जमीन का मुआवजा देने की गाइडलाइन न होने से मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। मुआवजा मांग रहे हैं, भीख नहीं: औचंदी बार्डर पर धरना दे रहे कुतुबगढ़ गांव के पद्म राणा, सौरभ लोहचब, अमित समेत आसपास के गांवों के किसानों ने कहा कि खेतों की कीमत करोड़ों में है।

दिल्लीवासियों के लिए बस में सफर हुआ आसान, अब वॉट्सऐप से खरीद सकेंगे टिकट

मानसी शर्मा /- राजधानी दिल्ली में रहने वाले लोगो के लिए खुश खबरी है। अब दिल्ली में रहने वाले लोगो को बसों में टिकट खरीदने के लिए लोगो को कंडक्टर के पास घंटो इंतजार नही करना पड़ेगा। बता दे कि दिल्ली सरकार दिल्ली मेट्रो की तर्ज पर राष्ट्रीय राजधानी में वॉट्सऐप आधारित बस टिकटिंग प्रणाली शुरू करने की योजना बना रही है।दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बताया कि परिवहन विभाग डीटीसी और क्लस्टर बसों के लिए डिजिटल टिकटिंग प्रणाली शुरू करने पर काम कर रही है।

यात्रियो को वॉट्सऐप पर करना होगा Hi का मैसेज

दिल्ली मेट्रो टिकट खरीदने के लिए, यात्रियो को वॉट्सऐप पर Hi लिखकर 91 9650855800 पर एक मैसेज करना होगा या पूरे नेटवर्क पर अपने स्मार्टफोन का उपयोग करके आसानी से मेट्रो टिकट खरीदने के लिए दिए गए दफ कोड को स्कैन करना होगा।वॉट्सऐप टिकटिंग में टिकट रद्द करने की सुविधा नहीं होती है।क्रेडिट या डेबिट कार्ड के माध्यम से किए गए लेनदेन पर मामूली सुविधा शुल्क लगाया जाता है, जबकि यूपीआई-आधारित लेनदेन के लिए कोई सुविधा शुल्क नहीं लिया जाता है।इसी तरह की टिकटिंग प्रणाली डीटीसी बसों में चलने के लिए भी होगी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के पास पहले से ही वॉट्सऐप आधारित टिकटिंग प्रणाली है।यह सेवा इस साल मई में शुरू की गई थी और बाद में इसे गुरुग्राम रैपिड मेट्रो सहित रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के सभी कॉरिडोर तक विस्तारित किया गया।उपयोगकर्ता द्वारा वॉट्सऐप आधारित टिकटिंग प्रणाली के जरिये जेनरेट किए जा सकने वाले टिकटों की संख्या की तय सीमा होगी।

दिल्ली मेट्रो में यात्री की मौत, DMRC की ओर से चिकित्सीय सहायता न मिलने का आरोप

मानसी शर्मा /- दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन में शनिवार को एक यात्री की मौत हो गई। मृतक का नाम मयंक बताया जा रहा है, जो नूंह का रहने वाला था। एक यूजर ने ट्वीट कर कहा कि शाम को जवाहरलाल नेहरू स्टेशन पर एक युवक अचानक मेट्रो ट्रेन के अंदर फ्लोर पर गिर गया। आसपास के यात्री उसे दौरा पड़ने की बात बता रहे थे।

आपको बता दें कि ट्रेन में उसे प्राथमिक इमरजेंसी चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाई। कुछ यात्रियों ने इस मामले में दिल्ली मेट्रो में प्राथमिक इमरजेंसी चिकित्सा सुविधाओं को लेकर सवाल उठाए हैं।

साथ दिल्ली मेट्रो रेल निगम (ऊटफउ) और उसके कर्मचारियों की तरफ से जल्दी प्राथमिक इमरजेंसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया है।

यात्रियों ने डॉक्टर और चिकित्सकीय सहायता के लिए आवाज लगाई। लेकिन मेट्रो में कोई डॉक्टर नहीं था। एक युवती ने उसे सीपीआर (कार्डियक पल्मोनरी रिससिटेशन) देने की कोशिश की लेकिन इससे कुछ फायदा नहीं हुआ।

यात्रियों ने मेट्रो के इमरजेंसी बटन को दबाकर चिकित्सा सहायता के लिए आवाज लगाई, लेकिन मेट्रो की तरफ से जल्दी सहायता नहीं मिली। एक कर्मचारी धीरे-धीरे व्हील चेयर लेकर पहुंचा, स्ट्रेचर भी नहीं था। व्हीलचेयर पर उसे जैसे तैसे बैठाया गया।

इस दौरान उसका सिर कंधे पर लटका हुआ था। मरीज की नब्ज भी नहीं चल रही थी। चिकित्सा सहायता के बारे में पूछने पर मेट्रो कर्मचारी ने बताया कि एंबुलेंस बुलाई गई है। प्लेटफार्म पर मेट्रो का कोई कर्मचारी नहीं था। दूसरे कई यात्री भी वीडियो बना रहे थे।

इस मामले पर डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक (जन संपर्क) अनुज दयाल ने कहा कि शाम 5:54 बजे मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिली थी। यात्रियों से इसकी जानकारी मिलने पर ट्रेन चालक ने तुरंत घटना की जानकारी स्टेशन कंट्रोलर को दी। स्टेशन कंट्रोलर तुरंत प्लेटफार्म पर पहुंचे।

यात्रियों और सुरक्षा कर्मियों के सहयोग से अचेत पड़े यात्री को मेट्रो से बाहर निकाला गया। स्टेशन कंट्रोलर ने शाम 6:05 बजे उस यात्री को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। डीएमआरसी का यह भी कहना है कि मेट्रो के कुछ इंटरचेंज स्टेशनों पर सीपीआर देने की मशीन उपलब्ध है। कुछ कर्मचारी भी सीपीआर देने में प्रशिक्षित हैं। यात्री अचेता अवस्था में था। ऐसी स्थिति में जल्दी अस्पताल भेजा गया।

पैंशन जयघोष महारैली में जंतर-मंतर पर पूर्व अर्धसैनिकों ने भरी हुंकार

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- पूर्ववत्त घोषणा के तहत एक्स पैरामिलिट्री वेटरन्स द्वारा नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पैंशन (भारत)) के बैनर तले जंतर मंतर पर आयोजित पेंशन जयघोष महारैली में शामिल होकर पुरानी पैंशन बहाली के लिए हुंकार भरी।

कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन महासचिव रणबीर सिंह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा गया कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 11 जनवरी 2023 को सुनाए गए ऐतिहासिक पैरामिलिट्री पैंशन बहाली फैसले को केंद्र सरकार तत्काल प्रभाव से लागू करें। इस अवसर नेशनल प्रेजिडेंट (एआईएनपीएसईएफ) डॉ मंजीत पटेल द्वारा पैरामिलिट्री जवानों व (कौरौना वेरियर्यस) सभी वेतनभोगी कर्मचारियों की पुरानी पैंशन बहाली के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी से गुहार लगाई। जंतर मंतर पर आयोजित पैंशन जयघोष महारैली में सुदुर उत्तर पूर्व नागालैंड से लेकर काश्मीर तक के हजारों स्टेटस व केंद्रीय कर्मचारियों एवं वीर नारियों ने रोष व्यक्त कर पुरानी पैंशन बहाली की मांग की।

ARYTICLE 370 : सिर्फ कानूनी नहीं, यह एक आशा की किरण: पीएम मोदी

मानसी शर्मा /- सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने अनुच्छेद 370 पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आर्टिकल 370 हटाकर जम्मू कश्मीर को बाकी भारत के साथ जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत हुई है और आर्टिकल 370 हटाना संवैधानिक रूप से वैध है।वहीं इस फैसले का स्वागत पीएम मोदी ने किया है। और पीएम मोदी ने ट्वीट किया है।

पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा, अनुच्छेद 370को निरस्त करने पर आज का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक है और 5अगस्त 2019को भारत की संसद द्वारा लिए गए फैसले को संवैधानिक रूप से बरकरार रखता है; यह जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में हमारी बहनों और भाइयों के

लिए आशा, प्रगति और एकता की एक शानदार घोषणा है। न्यायालय ने, अपने गहन ज्ञान से, एकता के मूल सार को मजबूत किया है जिसे हम, भारतीय होने के नाते, बाकी सब से ऊपर प्रिय मानते हैं और संजोते हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के लचीले लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपके सपनों को पूरा करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि प्रगति का लाभ न केवल आप तक पहुंचे, बल्कि इसका लाभ हमारे समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्गों तक भी पहुंचे, जो अनुच्छेद 370के कारण पीड़ित थे।पीएम मोदी ने कहा, आज का फैसला सिर्फ कानूनी फैसला नहीं है; यह आशा की किरण है, उज्जवल भविष्य का वादा है और एक मजबूत, अधिक एकजुट भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी ट्वीट करते हुए इस फैसले पर खुशी जताई हैऔर लिखा, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा धारा 370 के विषय में दिये गये फैसले का भारतीय जनता पार्टी स्वागत करती है। उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने धारा 370 और 35अ को हटाने के लिए दिए गये निर्णय, उसकी प्रक्रिया और उद्देश्य को सही ठहराया है।

करणी सेना चीफ के हत्यारों को पकड़ने के लिए पुलिस ने किया जमीन-आसमान एक

-दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने 72 घंटे में 5 राज्यों में चप्पा-चप्पा छानकर ढूंढ निकाले हत्यारें, देश छोड़कर भागने की फिराक में थे

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- करणी सेना चीफ सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को गोलियों से भूनने वाले शूटर देश से भागने की फिराक में थे। उनका प्लान था कि किसी तरह गोवा पहुंच जाएं जहां से उन?हें ह्लबाहर निकालाह्ल जाना था। हालांकि, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। दिल्ली पुलिस ने 72 घंटे में पांच राज्यों में चप्पा-चप्पा छानकर हत्यारों को पकड़ लिया।

राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान में इन शूटर्स की धरपकड़ चली। आखिरकार उन?हें चंडीगढ़ के एक होटल से दबोचा गया। इस हाई वोल्टेज चेज में कुल 72 घंटे लगे। शूटर्स की पहचान नितिन फौजी (26) और रोहित राठौड़ (25) के रूप में हुई है। नितिन हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला है जबकि रोहित राजस?थान के नागौर का। कथित रूप से इन दोनों ने 5 दिसंबर को जयपुर में गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राजस्थान पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

राजस्थान से आया फोन कॉल और मिला पहला सुराग

गोगामेड़ी के शूटर्स की धरपकड़ ने जोर पकड़ा एक फोन कॉल के बाद। वह फोन राजस्थान के एडीजी (क्राइम) दिनेश एमएन ने किया था, दिल्ली के स्पेशल कमिश्नर (क्राइम) रवींद्र सिंह यादव को अलर्ट किया गया कि संदिग्ध शायद दिल्ली की तरफ भागे हैं। यादव ने कहा, ह्लचूंकि गैंग्स की इंवॉल्वमेंट थी इसलिए पहले से ही कई टीमें काम कर रही थीं।

सूत्रों से संपर्क साधा गया और टेक्निकल सर्विलांस शुरू किया गया। पहला सुराग तब मिला जब दोनों आरोपियों की कॉन्टैक्ट डीटेल्स हासिल हुईं और उनका मूवमेंट एनालाइज किया गया।ह्ल

इस बीच, राजस्थान पुलिस की टीम ने दिल्ली पुलिस ने मदद मांगी। दोनों राज्यों की पुलिस टीमों के कोर मेंबर्स का एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया गया। सारे इनपुट्स रियल-टाइम में यहां पर शेयर किए जाते रहे। इंस्पेक्टर राकेश और एसआई अमित ग्रेवाल, अनुज, इमरान और अन्य डीसीपी अमित गोयल के नेतृत्व में अलग-अलग सुराग पर काम कर रहे थे। यह पता चला कि हत्या के बाद, हमलावर डीडवाना भाग गए थे और वहां से दिल्ली की बस पकड़ी।

दिनेश का फोन आने के बाद यादव ने करीब 25 पुलिसवाले लगा दिए, रोडवेज बसों की निगरानी करने को। एक बस के ड्राइवर और उसके कंडक्टर ने कहा कि उन्होंने दो लोगों को देखा था मगर वे दिल्ली से पहले ही उतर गए थे। पता चला कि दोनों धारूहेड़ा के पास कहीं उतरे थे और फिर ट्रेन से हिसार तक गए। हिसार रेलवे स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज में दोनों नजर आए। पुलिस ने इस बीच उन दोनों के नए-पुराने साथियों की लिस्ट खंगालती रही। उधम सिंह का नाम उस लिस्ट में आया, उसने इंस्टाग्राम पर चार साल पहले कुछ फोटोज लाइक की थीं। वह भी फरार मिला और मामले में उसकी भूमिका संदिग्ध हो गई।

पुलिस ने पता लगाया कि शूटर्स अपने साथ सिंह को लेकर गए थे। इन तीनों ने मनाली के लिए टैक्सी बुक की। कुछ वक्त वहां बिताया और फिर मंडी चले गए। जब तक पुलिस वहां पहुंची, ये वहां से निकल गए थे। 9 दिसंबर को ये लोग चंडीगढ़ पहुंचे। जाली आधार कार्ड दिखाकर उन्होंने होटल कमल पैलेस में कमरा लिया था। वहीं से इन्हें पकड़ा गया।

राठौड़ और फौजी ने पुलिस को बताया कि उनका देश से बाहर भागने का प्लान था। उन्हें पासपोर्ट और कनाडा के वीजा और फ्लाइट टिकट का लालच दिया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ह्लउनका रूट गोवा और फिर साउथ इंडिया में और आगे जाने का था। साजिशकताओं ने उन्हें गोगामेड़ी की हत्या के लिए 50-50 हजार रुपये दिए थे।

राजधानी के कई गांवों के किसान खेती छोड़ने के लिए मजबूर,

मानसी शर्मा /- दिल्ली के कुछ गांवों में वर्षों से हो रहे जलभराव का असर खेती पर पड़ा है। परेशान किसानों ने अब खेती छोड़कर दूसरे काम शुरू कर दिए हैं। इन गांवों में निकासी नहीं होने की वजह से खेतों का जलस्तर अधिक हो गया है और जमे हुआ पानी खारा हो गया है।

इसके कारण बीज नहीं पनप नहीं पाते। सब्जियों व दलहन के पौधों को जरूरत से अधिक नमी मिलने के कारण फसलें नहीं उग नहीं पातीं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार बीज को उगने के लिए भी आक्सीजन चाहिए, लेकिन अधिक पानी की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी जल जमाव की स्थिति में मिट्टी में नमक की मात्रा आ जाती है, क्योंकि जमा हुआ पानी और वर्षा का पानी जमीन के भीतर नहीं जा पा रहा है। इसे 'ऊसर' नमकीलापन कहते हैं, जिसके कारण बीज पनपने में दिक्कत आती है।

पैदावार न होने से किसानों ने शुरू किए वैकल्पिक कामः खेती मुश्किल से हो रही है और नमक की वजह से 25 प्रतिशत पैदावार ही मिल रही है। इसके अलावा लागत भी दोगुनी से ज्यादा हो गई है। पहले सब्जी उगाने वाले किसान एक एकड़ से दो-ढाई लाख कमा रहे थे और धान वाले किसान की 50 हजार से एक लाख की आमदनी थी। अब किसान घाटे में हैं, क्योंकि बीज-खाद व उपकरणों की लागत खेती से नहीं निकल रही है।

जमीन है तो बुआई करनी पड़ती है, लेकिन आमदनी नहीं होती। वैकल्पिक काम के तहत अब किसान प्रापर्टी डीलर, बिल्डिंग मेटेरियल सप्लाई का काम, मिट्टी डालने का काम, नर्सरी का काम, इसके अलावा दुकान भी खोल ली है। अधिकांश किसान भैंस-गाय रखकर डेरी का काम कर रहे हैं। गांवों की स्थितिः मदनपुर, रानीखेड़ा, रसूलपुर गांव की 50 प्रतिशत जमीन में पानी भरा है। 50 प्रतिशत कालोनियों में विकसित हो गईं, लेकिन खेती की 1000 हेक्टेयर करीब ढाई हजार एकड़ (2471.05) में से 500 एकड़ की जमीन में पानी भरा है। वहीं मुबारकपुर गांव की 10 प्रतिशत जमीन में पानी भरा हुआ है। घेवरा और मुंडका गांव में भी कुछ जमीन पर स्थायी तौर पर पानी भरा है। मुंडका और रानीखेड़ा के बीच ऐसी जगह हैं, जहां एक ही स्थान पर करीब दो सौ पेड़ सूख गए हैं।

दो लाख बच्चों को पोलियो की दवा देने का लक्ष्य

मानसी शर्मा / - पल्स पोलियो अभियान के तहत उत्तरी दिल्ली जिले में जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो बूथ पर पल्स पोलियो की दवा निश्शुल्क दी गई। इसे लेकर जिले में एक हफ्ते तक अभियान चलाया जाएगा। मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डा. नमृता नैय्यर ने बताया कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, विश्व स्वास्थ्य संगठन व अन्य सरकारी विभागों के सहयोग से यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत पोलियो बूथ पर दवा निःशुल्क पिलाई जा रही है जिसकी शुरूआत 10 दिसंबर को हुई। यह उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान दिल्ली के सभी जिलों में 11 से 15 दिसंबर तक चलेगा।

जिला टीकाकरण अधिकारी डा. ज्योति प्रकाश बिशोई ने बताया कि जहांगीरपुरी बी-ब्लाक के औषधालय में जिला स्तर पर पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उतरी जिले में 681 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। साथ ही मेट्रो की येलो लाइन के तीन मेट्रो स्टेशन रोहिणी सेक्टर-18, जहांगीरपुरी और जीटीबी नगर मेट्रो स्टेशन पर दवा पिलाने के लिए टीम बनाई गई है। इस अभियान में उतरी जिला में लगभग दो लाख बच्चों तक दवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। डा. सुधा गुप्ता, डा. चेतन शर्मा, डा. सोनल, डा. मनीष सैनी, डॉ. अजहर अहमद, डा. सुषमा राजपूत, रतना यादव, तरुणा कौशिक, मो. दानिश नेहा भाटिया व अन्य मौजूद रहे।

अब इंटरनेट पर ज्यादा पोस्ट नहीं करती

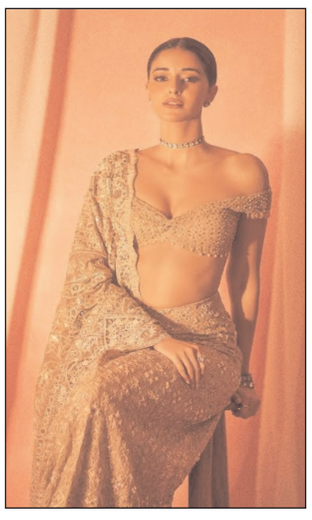

मानसी शर्मा / - इन दिनों इंटरनेट मीडिया का दौर है। हालांकि, इसके कुछ दुष्प्रभाव भी होते हैं। इसी विषय पर निर्देशक अर्जुन वरैन सिंह ने फिल्म खो गए हम कहां बनाई है। अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव अभिनीत इस फिल्म का ट्रेलर और म्यूजिक एलबम रविवार की रात मुंबई में जारी किया गया। इस दौरान अनन्या ने इस फिल्म की शूटिंग के समय मिली सीख को लेकर बताया, 'अब मैं इंटरनेट मीडिया पर इतनी ज्यादा चीजें नहीं पोस्ट करती हूं।

इस फिल्म को करते हुए मुझे अहसास हुआ कि मैं अपनी जिंदगी में क्या-क्या गलत कर रही थी। हर चीज के बारे में पोस्ट करना और लोगों को दिखाना कि मेरी जिंदगी कितनी दिलचस्प और मजेदार है, जबकि वास्तविकता में उस समय मैं कई बार किसी कोने में रो रही होती थी। इस फिल्म में दिखाई गई हमारी दोस्ती स्वाभाविक रही।'

खिलाड़ी अपने मैडल एक बार मां यमुना व साहिबी नदी के किनारे लेकर जाएं- पंचायत संघ-पंचायत संघ ने नजफगढ की बेटियों को बाक्सिंग मे मैडल लाने पर किया सम्मानित

नई दिल्ली/दिल्ली देहात/शिव कुमार यादव/- अरमेनिया में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग जूनियर चैंम्पियनशिप में पदक जीतने वाली सभी बेटियों का दिल्ली देहात के पंचायत संघ ने सम्मान किया। इस प्रतियोगिता में रावता गांव की आकांक्षा फलस्वाल ने स्वर्ण पदक, कृतिका वासन ने कांस्य पदक जीता है। साथ ही नजफगढ के बेटे सार्थी सैनी ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

इन सभी खिलाड़ियों का भारत माता बाक्सिंग अकैडमी के मंच पर भव्य सम्मान किया गया। सभी बॉक्सर खिलाड़ी बेटियों को दिल्ली एम्यचोर बाक्सिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष व पूर्व सचिव डी एन यादव, डाबा के उपाध्यक्ष व प्रमुख दिल्ली पंचायत संघ थान सिंह यादव, गुरु द्रोणाचार्य अवार्डी सरदार एस आर सिंह व अकैडमी के अध्यक्ष बृजमोहन यादव और पार्षद मीना तरूण यादव ने किया।

इस अवसर पर थान सिंह यादव ने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे अपने मैडल खेल मंच से एक बार मां यमुना नदी, दिल्ली देहात की जीवनदायिनी साहिबी नदी व अपने गांव के तालाबो के किनारे जरूर लेकर जाएं। वहां किनारे के पास अपने अपने खेल का अभ्यास एक बार जरूर करें। दूसरा सभी बच्चो के माता पिता से कहा की अपने बच्चो को खेल मैदान तक जरूर लाएं। जल, वन, हवा को शुद्ध करने के लिए एक बार बच्चो को नदियों, वनों, तालाबों व खेतों में जरूर लेकर जाएं ताकि बच्चे इनसे जुडें अ?र इनको साफ रखें

सिख विरोधी दंगा: कोर्ट ने पुलिस और सीबीआई से FIR की सूची और जांच की रिपोर्ट मांगी, मामला नौ जनवरी तक स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के वकील से पुल बंगश सिख दंगों में दिल्ली पुलिस और सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर की सूची और जांच के नतीजे दाखिल करने को कहा। मामले को 9 जनवरी 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

आप ने राघव चड्ढा को दी बड़ी जिम्मेदारी, राज्यसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने संजय सिंह की अनुपस्थिति में राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया है। संजय सिंह दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में हैं। आप ने कहा, संजय सिंह की अनुपस्थिति में पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी का नेता नियुक्त किया है।संजय सिंह को कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में इस साल 4 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

इसी मामले में 27 फरवरी को सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद ईडी ने इस साल 9 मार्च को मामले के सिलसिले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया था। मनीष सिसोदिया भी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

नोएडा में कार का शीशा तोड़ कर ले गए सामान, सीसीटीवी में रिकॉर्ड घटना

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 48 में दादरी रोड स्थित पिलर नंबर 29 के पास स्कूटी सवार बदमाशों ने एक कार से सामान चोरी कर लिया, वह भी शीशा तोड़कर। घटना को अंजाम देने से पहले स्कूटी सवार बदमाशों ने कई बार रेकी की और फिर घटना को अंजाम दिया। पूरी घटना सामने लगे ऑफिस के सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। पूरी घटना का चार मिनट 28 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में स्कूटी सवार बदमाश कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप ले जाते हुए दिख रहा है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-46 निवासी वरुण कुमार चौहान ने बताया कि बरौला गांव में उनका इलेक्ट्रॉनिक का शोरूम है। बीते दिनों वह अपनी कार से दुकान के सामने पहुंचे और आगे की सीट पर लैपटॉप रखकर शटर खोलने लगे। इसी दौरान एक युवक स्कूटी से कार के नजदीक पहुंचा। उसने कार के तीन चक्कर लगाए। इसके बाद कार का शीशा तोड़कर अंदर रखा बैग चुरा लिया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, बैग में लैपटॉप और नगदी के अलावा दुकान के लेनदेन का पूरा दस्तावेज था। इसमें वह डायरी भी थी जिसमें उधार लेने वाले व्यक्तियों का पूरा लेखा जोखा है।

संसद में सेंध : अदालत ने 'साजिश' में शामिल छठे आरोपी महेश को पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में छठे आरोपी महेश कुमावत को दिल्ली की एक अदालत ने सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पटियाला हाउस स्थित हरदीप कौर की विशेष अदालत ने महेश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की सात दिनों की हिरासत में भेजने का आदेश दिया। कुमावत पर देश में कथित तौर पर अराजकता फैलाने के लिए मुख्य साजिशकर्ता ललित झा के अलावा अन्य आरोपियों को दो वर्षों से मदद करने के आरोप हैं। महेश पर घटना में शामिल आरोपियों द्वारा इस्तेमाल मोबाइल फोन को नष्ट कर सबूत मिटाने के भी आरोप हैं। अदालत ने इससे पहले शुक्रवार को ललित और गसागर शर्मा, मनोरंजन डी, अमोल शिंदे और नीलम देवी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की सात-सात दिनों की हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न संगीन धाराओं के तहत को गिरफ्तार किया गया था।

'रैन बसेरों की स्थित ठीक नहीं' : कड़ाके की ठंड में फुटपाथ पर सोने को मजबूर बेघर, कंबल की आस में कट रही सर्दी

नई दिल्ली। बेघरों के लिए दिल्ली सरकार की ओर से कई जगहों पर रैन बसेरे बनाए गए हैं, लेकिन तमाम खामियां व सख्त नियम होने से बेघर खुले आसमां के नीचे फुटपाथ पर सोने को मजबूर हैं। गोल मार्केट, बाबा खड़क सिंह मार्ग, बंगला साहिब, मिंटो रोड, कड़कड़डूमा, आईटीओ, यमुना बैंक, लक्ष्मी नगर, विवेक विहार समेत कई ऐसे इलाके हैं, जहां बेघर फुटपाथ पर सोते और अलाव सेंकते दिख जाएंगे। कुछ लोग रोजी-रोटी के चक्कर में अपनी इच्छा से फुटपाथ पर रात गुजारते हैं। इनमें कुछ रिक्शेवाले हैं। इनके अलावा कुछ ऐसे लोग हैं, जो लालबत्ती के पास गुब्बारे, खिलौने सहित अन्य सामान बेचते हैं। रात में वहीं फुटपाथ पर सो जाते हैं और सुबह अपना काम शुरू कर देते हैं।

कोई कंबल देगा इसी आस में कट रही सर्दी

रात नौ बजे के करीब बाबा खड़क सिंह मार्ग के पास अलाव जलाकर बैठे उत्तम ने बताया कि वह असम से वर्ष 1990 में दिल्ली आ गए थे। कोई कंबल दे देता है, तो थोड़ी राहत मिल जाती है। इसी तरह संदीप ने कहा कि ठंड से

बचने के लिए कभी पुल के नीचे चले जाते हैं। बेघरों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार कहते हैं कि सरकार के दावों के बावजूद रैन बसेरों की स्थिति ठीक नहीं है, यह अब भी कुल बेघरों से काफी कम है।

पहचान दिखाने के लिए नहीं हैं जरूरी कागजात

कई बेघरों ने बातचीत में बताया कि उनके पास खुद की पहचान बताने वाले जरूरी कागजात नहीं है। रात साढ़े आठ बजे कश्मीरी गेट स्थित हनुमान मंदिर के पास यमुना बाजार के रैन बसेरे में बेड के साथ खाने-पीने की व्यवस्था तो दिखी, लेकिन इसके बाहर फुटपाथ पर काफी बेघर सोते मिले।

खाने के इंतजार में बैठे लोग

साढ़े नौ बजे बंगला साहिब मार्ग के पास फुटपाथ पर खाने का इंतजार कर रहे बिहार के रहने वाले मदन लाल ने बताया कि वह यहां मजदूरी का कार्य करते हैं, लेकिन आधार कार्ड नहीं होने की वजह से उन्हें आश्रय घर में प्रवेश नहीं दिया जाता, जिस कारण वह खुले आसमान में सोने को मजबूर है। उन्होंने बताया कि कई बार काम मिलता भी है और नहीं मिलता। जिस कारण बिना कमाई के खाली हाथ लौटना पड़ता है। रात 10 बजे के लगभग यमुना बैंक के पास फुटपाथ पर बैठे अनीता और उनके पति महेश ने बताया कि वह दिन में कबाड़ बिनने का काम करते हैं और रात को यहीं फुटपाथ पर सो जाते हैं। फिलहाल ठंड इतनी तेज है कि अलाव जलाकर उसके सहारे बैठे हैं। वहीं, एक अन्य बेघर सुमित ने बताया कि रैन बसेरे में 10-20 रुपये की मांग की जाती है। वह बताते है कि अब दस रुपये रैन बसेरे को दे देंगे, तो फिर महीने के 300 रुपये हो जाते हैं। गरीबी के हालात में ऐसा करना संभव नहीं होता इसलिए फुटपाथ पर सोने की मजबूरी है।

लाजपत नगर में वाहन चालक ने शख्स को मारी टक्कर, उछलकर बोनट पर आया तो डीएनडी फ्लाईओवर तक घसीटा

नई दिल्ली। 17 दिसंबर यानी रविवार को रात 11:27 बजे पीएस लाजपत नगर से ट्रांसफर पर एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉल करने वाले ने बताया कि डीएनडी फ्लाईओवर से नोएडा की ओर जाते समय लाजपत नगर क्षेत्र में एक वाहन के चालक ने उसे टक्कर मार दी।

डीएनडी फ्लाईओवर तक उसने वाहन का पीछा किया, लेकिन वह चला गया। कॉल वाले बताया की टक्कर लगने से वह वाहन के बोनट पर आ गया था। यह कॉल एचसी दिनेश को सौंपी गई थी। उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करने वाले से संपर्क किया, लेकिन कॉल करने वाले ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में है और शिकायत करने के लिए वापस नहीं आ सकता। शिकायतकर्ता को बुलाने का प्रयास किया जा रहा है और उसके आने पर उसकी तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ई-अस्पताल :अब अस्पताल जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे ही मिलेगी ओपीडी की पर्ची

नई दिल्ली। मरीजों को भविष्य में अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। घर बैठे ही अस्पताल में रजिस्ट्रेशन होगा और ओपीडी की पर्ची भी बनेगी। निगम के सभी 11 अस्पतालों को ई-अस्पताल प्रणाली में तब्दील करने की तैयारी चल रही है। ऐसा होने के बाद मरीज घर बैठे इनमें से किसी भी अस्पताल में ऑनलाइन ई-पंजीकरण कर ई-ओपीडी में डॉक्टर से चिकित्सकीय परामर्श ले पाएंगे। टेलीकॉलर के जरिये डॉक्टर रोगी से बीमारी के संबंध में पूरी बातचीत करेंगे। कुछ समय बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर दवाई की पर्ची भी मिल जाएगी।

ई-अस्पताल प्रणाली लागू होने के बाद इसमें ई-फार्मेसी को भी शामिल किया जाएगा, जिसके बाद मरीज ऑनलाइन दवा भी खरीद पाएंगे। निगम की ओर से कुछ इस तरह से व्यवस्था बनाने की तैयारी चल रही है कि मरीज को केवल दवा का डिलिवरी चार्ज भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद निगम के अस्पतालों की प्रयोगशालाओं को भी ई-लैब

मोड्यूल में बदल दिया जाएगा। मरीज ऑनलाइन पंजीकरण के बाद तय समय पर आकर जांच करा पाएंगे। निगम आयुक्त ज्ञानेश भारती की ओर से पेश किए गए प्रस्तावित बजट में इस परियोजना को शामिल किया गया है। निगम आयुक्त ने अस्पताल प्रशासन विभाग को परियोजना पर काम करने का निर्देश दिया है।

ई-संजीवनी की तर्ज पर चलेंगे ई-अस्पताल

एमसीडी के हिंदूराव अस्पताल में ई-संजीवनी ओपीडी चल रही है। इसमें पिछले महीने तक 2123 रोगियों का इलाज किया गया है। निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि ई-अस्पतालों को ई-संजीवनी की तर्ज पर ही चलाने की तैयारी है। यदि ये परियोजना सफल हुई तो अस्पतालों में भीड़ कम हो जाएगी निगम ई-अस्पताल प्रणाली लागू करने के साथ इसका एप भी जारी करेगा। निगम का हिंदूराव अस्पताल सबसे बड़ा है। इसकी ओपीडी में हर दिन हजारों मरीज आते हैं, लेकिन अस्पताल के करीब सभी विभागों की इमारतें बेहद पुरानी और कई जर्जर हालत में हैं। लेकिन इस वित्त वर्ष में निगम इसके आपातकालीन सेवा विभाग, ओपीडी ब्लॉक, नर्सिंग होम और नर्सिंग कॉलेज की इमारत का नवीनीकरण कराएगा। लाजपत नगर स्थित अस्पताल परिसर में एक दो मंजिला इमारत बनाने की योजना है।

दिल्ली में मकान मालकिन की हत्या के आरोप में किराएदार गिरफ्तार, अलीगढ का है निवासी

नई दिल्ली । 31 वर्षीय एक शख्स को अपनी मकान मालकिन 60 वर्षीय महिला की हत्या करने और उसके शव को बेड-बॉक्स यानी दीवान में रखकर सामान से ढकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के मूल निवासी देवेंद्र उर्फ देव के रूप में हुई है। दिलशाद गार्डन इलाके की रहने वाली आशा देवी के बेटे महावीर सिंह ने 10 दिसंबर को अपनी मां के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जब वह अपने किराएदारों से किराया लेने के बाद वापस नहीं लौटीं। आशा देवी देवेंद्र के घर किराया वसूलने गई थी। परिवार के सदस्यों ने हर्ष विहार स्थित उनके घर के ग्राउंड फ्लोर से दुर्गंध आने की शिकायत की। ग्राउंड फ्लोर के बेडरूम में बेड-बॉक्स खोलने पर उन्हें आशा देवी का शव प्लास्टिक में लिपटा हुआ मिला। फोरेंसिक और अपराध टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और क्षत-विक्षत शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया।

अपहरण और हत्या का मामला दर्ज किया गया था, जिससे जांचकर्ताओं का ध्यान मृतक के किरायेदारों में से एक देवेंद्र पर केंद्रित हो गया, जो 10 दिसंबर से लापता था। पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय तिर्की ने कहा, पुलिस ने देवेंद्र को अलीगढ़ तक ट्रैक किया और शनिवार को उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान देवेंद्र ने हैरान करने वाले मकसद का खुलासा करते हुए अपराध कबूल कर

लिया। उसके बयान के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में देवेंद्र और आशा के बीच करीबी रिश्ता बन गया था, लेकिन बाद में वह उसी घर में रहने वाली एक लड़की से उसकी दोस्ती हो गई। दोनों शादी करने की योजना बना रहे थे। देवेंद्र और लड़की की 4 दिसंबर को अलीगढ़ में सगाई हुई, शादी फरवरी 2024 में होनी थी। आशा देवी ने इस शादी का विरोध किया, 10 दिसंबर को दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। टकराव के दौरान आशा ने उसकी शादी रुकवाने की धमकी दी और उस पर ईंट से हमला किया।

दिल्ली में आईसीएमआर डेटा लीक मामले में चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से डेटा लीक मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियां केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच के बाद हुई हैं, जिसमें खुलासा हुआ है कि 81 करोड़ से अधिक भारतीयों के व्यक्तिगत विवरण आईसीएमआर के डेटा बैंक से चुराकर डार्क वेब पर बिक्री के लिए पेश किया गया। सूत्रों ने बताया कि आरोपियों को तीन अलग-अलग राज्यों में बड़े पैमाने पर तलाश के बाद हिरासत में लिया गया। आरोपी, जो कथित तौर पर एक गेमिंग प्लेटफॉर्म पर मिले थे, ने त्वरित वित्तीय लाभ के लिए डेटा को हैक करने और बिक्री पर पूंजी लगाने की साजिश रची।इस साल की शुरुआत में, महत्वपूर्ण डेटा उल्लंघन के संबंध में रिपोर्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस के साइबर सेल ने स्थिति का स्वत- संज्ञान लिया।इस साल अक्टूबर में, बड़े पैमाने पर डेटा उल्लंघन में, आईसीएमआर के पास मौजूद 81.5 करोड़ से अधिक नागरिकों का डेटा डार्क वेब पर बिक्री के

लिए उपलब्ध था, जिसमें नाम, फोन नंबर और पते के साथ आधार और पासपोर्ट विवरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी शामिल थी।अमेरिका स्थित साइबर सुरक्षा और खुफिया फर्म रिसिक्योरिटी द्वारा देखे गए डेटा उल्लंघन में उल्लेख किया गया है कि 9 अक्टूबर को, 'पीडब्ल्यूएन0001' उपनाम से एक एक व्यक्ति ने ब्रीच फ़ोरम पर 81.5 करोड़ भारतीय नागरिकों के आधार और पासपोर्ट रिकॉर्ड तक पहुंच के लिए दलाली करते हुए एक थ्रेड पोस्ट किया था। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा विश्लेषकों को लीक हुए नमूनों में से एक मिला जिसमें भारतीय निवासियों से संबंधित व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी के एक लाख रिकॉर्ड थे। इस नमूना लीक में, विश्लेषकों ने वैध आधार कार्ड आईडी की पहचान की, जिनकी पुष्टि एक सरकारी पोर्टल के माध्यम से की गई थी जो 'आधार सत्यापित करें' सुविधा प्रदान करता है। विश्लेषक धमकी देने वाले से संपर्क करने में भी कामयाब रहे और उन्हें पता चला कि वे पूरे आधार और भारतीय पासपोर्ट डेटासेट को 80 हजार डॉलर (66 लाख रुपये से अधिक) में बेचने के इच्छुक थे।

ग्रेटर नोएडा में गाड़ी उठाने आई क्रेन की टक्कर से छात्रा की मौत, पुलिस मामले की जांच में जुटी

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना इलाके में 22 वर्षीय छात्रा दिव्यांशी को उसकी गाड़ी उठा रही क्रेन से टक्कर लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में एक क्रेन सड़क पर लगी छात्रा की गाड़ी को उठाकर टो करके ले जा रही थी। 22 वर्षीय छात्रा दिव्यांशी शर्मा ने गाड़ी को टो करके ले जा रही क्रेन को रोकने की कोशिश की। इसी दौरान छात्रा को क्रेन से टक्कर लग गई। टक्कर लगते ही छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर नॉलेज पार्क थाना मौके पर पहुंच जांच कर रही है। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस के मुताबिक, दिव्यांशी शर्मा पुत्री कुलभूषण शर्मा निवासी निरंकारी कॉलोनी गुरु तेग बहादुर नगर दिल्ली अपनी गाड़ी नं डीएल 8सीए

जेड8632 से डीटीसी कालेज, नॉलेज पार्क-3 में अपने दोस्तों के साथ पढ़ने आई थी, गाड़ी बंद हो जाने की वजह उसे क्रेन के जरिए उठाया जा रहा थी। क्रेन वाले ने गाड़ी टो करके गाड़ी की चाबी अपने पास रख ली। चाभी लेने के लिए दिव्यांशी उसके पीछे भागने लगी, भागते-भागते वह क्रेन से टकरा गई और सड़क पर गिर पड़ी, जिससे उसके चेहरे पर कुछ चोटें आईं। मौके पर मौजूद दोस्तों ने उसे पास के प्रोमैक्स अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान दिव्यांशी ने दम तोड़ दिया।

राहुल सोलंकी की हत्या मामले में दो आरोपितों को राहत, दिल्ली हाईकोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। फरवरी-2020 में दिल्ली दंगा के दौरान एक राहुल सोलंकी की हत्या के मामले में दो आरोपितों अनीष कुरैशी व आरिफ को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत दे दी।

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह नहीं कहा कि आरोपितों के पास हथियार थे, जहां तक घटना की बात है तो यही सामने आया है कि आरिफ ने सीसीटीवी कैमरे तोड़े थे। दिल्ली दंगा से जुड़े एक अन्य मामले में आरोपितों को जमानत मिल चुकी है और पूर्व में मिली अंतरिम जमानत का आरोपितों द्वारा दुरुपयोग नहीं किया गया है।

न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने कहा कि मुकदमा के निष्कर्ष पर पहुंचने में अभी वक्त लगेगा। ऐसे में आरोपितों को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक-एक

जमानती पर सशर्त जमानत दी जाती है।

देश छोड़कर नहीं जा सकेंगे आरोपित

अदालत ने आरोपितों को निर्देश दिया कि वे इस दौरान अदालत की पूर्व अनुमति के देश छोड़कर नहीं जाएंगे और निचली अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान पेश होंगे। याचिका के अनुसार 24 फरवरी को दिल्ली दंगा के दौरान शिव विहार के पास खड़े राहुल सोलंकी को गोली लगी थी और 25 फरवरी को उसका पोस्टमार्टम हुआ था।

डार्क वेब पर बेचते थे भारतीयों का निजी डेटा, दिल्ली पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस साइबर यूनिट ने डार्क वेब पर भारतीयों की निजी जानकारी बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सएएनआई के मुताबिक, पुलिस ने सोमवार को कहा कि डार्क वेब पर भारतीयों का निजी डेटा बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस साइबर यूनिट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए करीब 10 दिन पहले आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार करने में सफलता

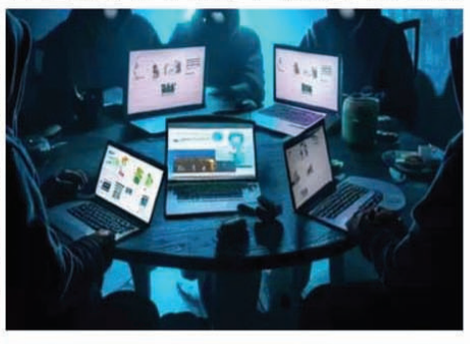

पाई थी। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत डेटा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के डेटा बैंक से लीक हो गया और डार्क वेब पर बिक्री के लिए डाल दिया गया। पुलिस के अनुसार, उन्हें अक्टूबर में इस मामले का पता चला था, जिसमें आधार और पासपोर्ट विवरण को डार्क वेब पर बेचने की पेशकश की गई थी। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की बैठक मंगलवार को

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन ने 19 दिसंबर मंगलवार को यहां राष्ट्रीय राजधानी में अपनी चौथी बैठक बुलाई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद छह दिसंबर को यहां अपने आवास पर गठबंधन दलों के नेताओं की बैठक बुलाई थी लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी तथा कुछ अन्य नेताओं ने बैठक में निजीव्यवस्था के कारण शामिल होने से असमर्थता जताई थी जिसके बाद यह बैठक टल गई थी। सूत्रों के अनुसार 19 दिसंबर

को होने वाली बैठक में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और द्रमुक नेता एमके स्टॉलिन भी शामिल होंगे। बैठक का एजेंडा तैयार बताया जा रहा है लेकिन आधिकारिक तौर पर अब तक एजेंडा जारी नहीं किया गया है। सूत्रों की माने यो आम चुनाव के लिए घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर इस बैठक में विचार विमर्श हो सकता है।विपक्षी दलों ने 2024 के चुनाव में मिलकर चुनाव लड़ने के लिए यह गठबंधन बनाया है जिसकी अब तीन बैठके हो चुकी है। ये बैठकें पटना, बेंगलुरु और मुंबई में हुई हैं। लंबे समय से गठबंधन की बैठक नहीं होने पर कई नेताओं ने नाराजगी भी व्यक्त की थी।

अब दिल्ली में भी केदारनाथ बाबा के दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु, बुराड़ी में बनेगा भव्य मंदिर

बाहरी दिल्ली। बुराड़ी में उत्तराखंड के केदारनाथ धाम की तर्ज पर भव्य मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। इस मंदिर के निर्माण को लेकर श्री केदारनाथ धाम दिल्ली ट्रस्ट बनाया गया है। इस ट्रस्ट में 25 संस्थापक सदस्य बनाए गए हैं। जो इस मंदिर निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। इस ट्रस्ट के संरक्षक सदस्य सुरेंद्र सिंह रौतेला ने मंदिर के लिए 510 गज जमीन दी है। सुरेंद्र सिंह रौतेला ने बताया कि मंदिर निर्माण में उत्तराखंड के लोगों के साथ-साथ दिल्ली और अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं का भी सहयोग मिल रहा है। उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर में सिर्फ 6 महीने ही श्रद्धालु दर्शन कर पाते हैं, लेकिन यहां साल भर बाबा के दर्शन कर पाएंगे।

मुंबई इंडियंस से बर्खास्त लेकिन टी20 विश्व कप 2024 में कप्तान बनेंगे रोहित शर्मा !

मुंबई। मुंबई इंडियंस की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाए जाने के बाद से ही सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस मुंबई इंडियंस प्रबंधन पर गुस्सा निकालते हुए दिख रहे हैं। रोहित की जगह पर हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया है जोकि गुजरात टाइटंस को लगातार दो बार आईपीएल फाइनल में पहुंचा चुके हैं। हार्दिक के मुंबई इंडियंस में वापस आने पर अब रोहित की नजरें टी20 विश्व कप पर टिक गई हैं। रिपोर्ट की माने तो मुंबई इंडियंस की कप्तानी जाने के बाद रोहित शर्मा का आगामी टी20 विश्व कप के लिए दावा मजबूत हो गया है। वह यहां बतौर कप्तान आखिरी बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करना चाहेंगे। टी20 विश्व कप 2024 अगले साल जून में वेस्ट इंडीज और यूएसए में होना है। रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा अभी भी सभी प्रारूपों में भारत के कप्तान बने हुए हैं। वनडे विश्व कप 2023 में प्रभावशाली ढंग से अपने नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करते हुए, रोहित ने सबको प्रभावित किया था। टी20 में उनकी कप्तानी के आंकड़े भी सबके सामने हैं। इसी बीच खबर है कि बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि रोहित की कप्तानी की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है, और वह टी20 विश्व कप में भारत का नेतृत्व करने के लिए पसंदीदा विकल्प बने रहेंगे। जब हार्दिक पंड्या के कप्तानी संभालने की संभावना के बारे में सवाल किया गया, तो अधिकारी ने सभी प्रारूपों में रोहित की वर्तमान कप्तानी पर जोर देते हुए ऐसी धारणाओं को खारिज कर दिया।

बांग्लादेश ने जीता अंडर 19 एशिया कप, बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर ने तारीफ में किया ट्विट

दुबई । बांग्लादेश ने दुबई में आयोजित अंडर 19 एशिया कप के फाइनल मुकाबले में यूएई को 195 रनों से हराकर पहली बार खिताब जीत लिया है। बांग्लादेश टीम के बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर थे जिन्होंने अपनी टीम की जीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर की। फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश ने आशिकुर रहमान शिबली के 149 गेंदों पर 129 रनों की बदौलत 282 रन बनाए थे। जवाब में यूएई की टीम 87 रन पर ही ऑल आऊट हो गई थी। इससे पहले बांग्लादेश ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को 4 विकेट से हरा दिया था। बांग्लादेश की बात करें तो उनकी शुरुआत पहले खेलते हुए खराब रही थी। जीशान आलम 7 रन बनाकर आऊट हो गए थे। लेकिन इसके बाद आशिकुर रहमान शिबली ने चौधरी मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। चौधरी ने 71 गेंदों पर 60 रन बनाए जबककि इसके बाद आए अरिफुल इसलाम ने 40 गेंदों पर 50 रन बनाए। शिबली ने 149 गेंदों पर 12 चौके और एक छक्के की मदद से 129 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति दी। अंत में कप्तान रहमान ने 11 गेंदों पर 21 रन बनाकर स्कोर 282 तक पहुंचा दिया। यूएई की ओर से अयमान अहमद ने 10 ओवर में 52 रन देकर 4 विकेट लीं। जबकि ओमिद रहमान ने 10 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। हार्दिक ने 50 रन देकर 1 तो ध्रुव पराशर ने 30 रन देकर 1 विकेट ली।

3 सालों में भारत के लिए डैब्यू करने वाले 21वें प्लेयर बने Sai Sudarshan

जोहानिसबर्ग। साई सुदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग के मैदान पर पहले वनडे में डैब्यू करने के साथ ही बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम पहले खेलते हुए अर्शदीप के 5 तो आवेश के 4 विकेट के कारण 116 रन पर लुढ़क गई थी। जवाब में साईं सुदर्शन और श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाकर टीम इंडिया को 8 विकेट से जीत दिला दी। सुदर्शन टीम इंडिया के लिए 2021 के बाद से वनडे में डैब्यू करने वाले 21वें प्लेयर बन गए हैं। 2021 में आखिरी बार भारत के लिए करुणाल पंड्या ने वनडे में डेब्यू किया था। उसके बाद से प्रसिद्ध कृष्णा, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, राहुल चाहर, कृष्णप्पा गौतम, नितीश राणा, चेतन सकारिया, संजू सैमसन, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा, आवेश खान, ऋतुराज गायकवाड़, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, कुलदीप सेन, मुकेश कुमार, तिलक वर्मा, साईं सुदर्शन।

2025 में नए फीफा क्लब विश्व कप की मेजबानी करेगा अमेरिका

जिनेवा। फीफा ने संशोधित फीफा क्लब विश्व कप के कार्यक्रम और विस्तृत जानकारी की घोषणा की, जिसका पहला संस्करण 2025 में संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा। फीफा परिषद ने 2023 फीफा क्लब विश्व कप सेमीफाइनल से पहले सऊदी अरब के जेद्दा में रविवार को बैठक की, जिसमें नए 32-टीम आयोजन के कई प्रमुख सिद्धांत बनाए गए, जो 15 जून से 13 जुलाई, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। वर्तमान वार्षिक क्लब विश्व कप प्रारूप के विपरीत, नई संरचना में टूर्नामेंट हर चार साल में केवल एक बार होता है। क्लब नई मानक रैंकिंग के साथ टूर्नामेंट के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, जो हमेशा की तरह जीत के लिए तीन अंक और ड्रॉ के लिए एक अंक देता है, साथ ही यूरोप को छोड़कर पांच संघों की महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के प्रत्येक चरण में प्रगति के लिए तीन अंक देता है। यूरोपीय क्लबों की कार्यप्रणाली अधिक जटिल है, जो यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में जीत के लिए दो अंक और योग्यता के लिए चार अंक देते हैं। फीफा ने एक बयान में कहा, हाल के चार सत्रों में खेल मानदंडों के आधार पर उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, परिसंघ के प्रासंगिक प्रीमियर क्लब प्रतियोगिता के लिए, निम्नलिखित पद्धति नई मानक रैंकिंग को मंजूरी दे दी गई।

समूह चरण से शुरू करके, और संबंधित टूर्नामेंट में प्रत्येक खेल के परिणाम को प्रोत्साहित करने के 2025 के टूर्नामेंट में यूरोप से 12 टीमें, दक्षिण अमेरिका से छह, एशिया, अफ्रीका और उत्तरी और मध्य अमेरिका से चार-चार, ओशिनिया से एक और मेजबान देश से एक अतिरिक्त टीम शामिल होगी। टूर्नामेंट का समूह चरण एकल-गेम राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलने वाले प्रति समूह चार टीमों के आठ समूहों से बना है, जिसमें प्रति समूह शीर्ष दो टीमें 16 के दौर में आगे बढ़ती हैं। एक सीधा एकल-मैच नॉकआउट चरण शुरू होता है 16वें राउंड से फ़ाइनल तक, और कोई तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ़ आयोजित नहीं किया जाएगा। संशोधित क्लब विश्व कप के अलावा, फीफा ने एक नई वार्षिक वैश्विक क्लब प्रतियोगिता के गठन की भी घोषणा की, जिसे इंटरकांटिनेंटल कप के नाम से जाना जाएगा।

वर्तमान क्लब विश्व कप प्रारूप की संरचना के समान, इंटरकांटिनेंटल कप में प्रत्येक परिसंघ के महाद्वीपीय खिताब विजेता एक-दूसरे के खिलाफ होंगे। यूईएफए चैंपियंस लीग विजेताओं को अन्य संघों के क्लबों के बीच एक अंतरमहाद्वीपीय प्ले-ऑफ के विजेताओं का सामना करने के लिए फाइनल में बाई दी जाएगी। यह भी घोषणा की गई कि चिली 2025 फीफा अंडर-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा, और पोलैंड 2026 फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप का आयोजन करेगा।

बीबीएल में खेलने के लिए लांस मॉरिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से किया गया रिलीज

मेलबर्न। पर्थ में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए लांस मॉरिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। मॉरिस के पर्थ में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने को लेकर उत्साह था, लेकिन मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड के फॉर्म में वापसी करने पर उन्हें मौका नहीं मिला। दूसरे टेस्ट के लिए स्कॉट बोलैंड को रिजर्व में रखा गया है। मॉरिस को बीबीएल में वापस भेजा जाएगा वह 20 दिसंबर को ऑप्टस स्टेडियम में होबार्ट हरिकेंस के साथ पर्थ स्कॉर्चर्स के मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बोलैंड मेलबर्न स्टार्स के लिए अनुपलब्ध हैं क्योंकि वह दूसरे टेस्ट के लिए पहले गेंदबाजी रिजर्व के रूप में स्टैंडबाय पर हैं।राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, लांस को मेलबर्न मैच के लिए रिलीज कर दिया गया है, लेकिन वह टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार रहेंगे, क्योंकि मौका मिलने पर वह गर्मियों के लिए हमारी योजनाओं में मजबूती से शामिल रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और बीबीएल क्लबों के बीच पर्दे के पीछे कुछ धक्का-मुक्की हुई है। सीज़न के पहले दो

मैचों के लिए प्रधान मंत्री एकादश टीम में चार खिलाड़ियों को खोने से ब्रिस्बेन हीट बहुत निराश थी, यहाँ तक कि माइकल नेसर को स्टार्स के खिलाफ हीट के बीबीएल ओपनर में खेलने के लिए पीएम XI से रिलीज़ कर दिया गया था। कैमरून ग्रीन के पास बीबीएल अनुबंध नहीं है और वह 12वें खिलाड़ी के रूप में टीम में बने रहेंगे, जबकि मौजूदा ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने पाकिस्तान के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए अपनी जगह बरकरार रखी है, जहां उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। इस बीच, विक्टोरिया ने दूसरे टेस्ट से पहले मेलबर्न के जंक्शन ओवल में पाकिस्तान के खिलाफ दो दिवसीय टूर मैच में खेलने के लिए मार्कस हैरिस, पीटर हैंड्सकॉम्ब और विल पुकोवस्की जैसे तीन टेस्ट खिलाड़ियों को नामित किया है। विक्टोरिया इलेवन में वे खिलाड़ी शामिल होंगे जिनके पास बीबीएल सौदे नहीं हैं, जिनमें वे तीन भी शामिल हैं। मेलबर्न टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है- डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड, कैमरून ग्रीन, स्कॉट बोलैंड।

हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष और महिला टीम बेल्जियम से हारी

वालेंसिया। भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीम को पांच देशों के टूर्नामेंट में बेल्जियम से हार का सामना करना पड़ा है। महिला टीम को बेल्जियम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर एकमात्र गोल वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने 56वें मिनट में किया। वहीं बेल्जियम ने एम्ब्रे बैलेन्घिएन ने 22वें और लुईस वर्सावेल ने 37वें मिनट के गोल दाग कर मुकाबला जीत लिया। भारतीय महिला हॉकी टीम का अगला मुकाबला 19 दिसंबर को जर्मनी से होगा। वहीं पुरुष टीम को भी अपने दूसरे मैच में बेल्जियम से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अभिषेक और जुगराज सिंह गोल किए। पहले क्वार्टर में बेल्जियम के सेड्रिक चार्लियर ने पहले मिनट, एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 10 वें मिनट और थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 13 मिनट में गोल किए। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 16वें मिनट में टॉम बून ने 26 वें मिनट में तथा चौथे क्वार्टर में टॉम बून ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर दिया। इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 53वें मिनट में गोल दाग कर स्कोर 2-7 कर दिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 19 दिसंबर को जर्मनी से मुकाबला करेगी।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला चैंपियन बना हरियाणा, अनुराग ठाकुर ने कहा- केआईपीजी मानवीय जुनून और भावना का उत्सव

नई दिल्ली। मानवीय भावना और समावेशिता के एक सप्ताह तक चले जश्न के बाद पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स का रविवार शाम समापन हो गया। जिन खेलों में 173 स्वर्ण पदक थे, उनमें हरियाणा ने 40 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य पदक सहित कुल 105 पदकों के साथ शीर्ष सम्मान हासिल किया। वहीं, 25 स्वर्ण, 23 रजत और 14 कांस्य सहित कुल 62 पदकों के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा। तमिलनाडु 20 स्वर्ण, 8 रजत और 14 कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। बिना हाथ वाली तीरंदाज शीतल देवी, डिस्कस थ्रोअर योगेश कथुनिया, टेबल टेनिस स्टार भावना पटेल, पारुल परमार, निशाद कुमार जैसे कई नामी एथलीटों के अलावा, उभरते सितारों ने भी कुछ दिल छू लेने वाले प्रदर्शन किए, जिन्होंने पोडियम पर पहुंचने के लिए शारीरिक सीमाओं को पार किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एथलीटों की

सराहना करते हुए, युवा मामले और खेल तथा सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, इन स्पॉटलाइट्स के तहत, हम न केवल पदकों का सम्मान करते हैं, बल्कि लचीली आत्माओं और अनकही कहानियों का भी सम्मान करते हैं जिन्होंने हमें प्रभावित किया है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 हमारे खेल इतिहास में एक ऐतिहासिक अध्याय है, जहां मात्र भागीदारी जीत को ग्रहण लगाती है। इन बीते दिनों में अटूट मानवीय उत्साह, नए मील के पत्थर स्थापित करने, प्रतिभाओं के उभरने, रिकॉर्ड गिरने और पूर्वाग्रहों के टूटने के क्षण अंकित हैं। यह नया भारत है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। तमिलनाडु के राजेश टी, हरियाणा के संदीप डांगी, महाराष्ट्र की तूलिका जाधाओ, असम की अश्मिता ये सभी नाम उनके अविश्वसनीय धैर्य और दृढ़ संकल्प के लिए जाने जाते हैं। खेलों में हरियाणा के प्रणव सूरमा द्वारा एशियाई रिकॉर्ड में सुधार भी देखा गया, जिन्होंने क्लब थ्रो स्पर्धा में 33.54 मीटर के प्रयास के साथ अपने एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रदर्शन में 30.01 का सुधार किया। उन्होंने धरमबीर के 31.09 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड में सुधार किया। मैरी कॉम, हरभजन सिंह, अंजू बॉबी जॉर्ज, अंजुम मौदगिल, मनु भाकर, वीरेन रसकिन्हा, अजय जडेजा जैसे खेल सुपरस्टारों ने पैरा एथलीटों के प्रयासों का सम्मान करने के लिए विजय समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और युवा मामले और खेल मंत्रालय के अपने प्रमुख खेलो इंडिया कार्यक्रमों में पैरा गेम्स शुरू करने के लिए भारत सरकार की सराहना भी की।

मैं बिरयानी के कारण बदनाम हूं- मोहम्मद शमी ने अपने फिटनेस राज खोले

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हाल ही में समाप्त हुए क्रिकेट विश्व कप 2023 में शानदार फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। पहले तीन मैचों से बाहर रहने के बावजूद शमी ने पूरी प्रतियोगिता में 24 विकेट लिए जिसमें 2 बार 5 विकेट हाल भी था। हाल ही में एक बातचीत में शमी ने सख्त आहार और गहन कसरत दिनचर्या सहित अपनी फिटनेस व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस दौरान बिरयानी प्रेमी होने की बात को भी सिरे से नकार दिया। शमी ने कहा कि मैं एक समय का भोजन लेता हूं, खासकर मांसाहारी। बिरयानी के लिए मैं वैसे ही बदनाम हूं (मैं बिरयानी के कारण बदनाम हूं), लेकिन पहले बिना किसी सख्त दिनचर्या के, मैंने इसका आनंद लिया। ट्रेनिंग के दौरान मैं इसका कभी कभी सेवन करता रहता था। हालांकि चोट लगने के बाद मैंने अपने फिटनेस स्तर में महत्वपूर्ण बदलाव किए। मैंने फूड और कसरत के लिए योजना बनाई। अब, मैं अधिक सावधान हूं और मेरी एक निश्चित दिनचर्या है।

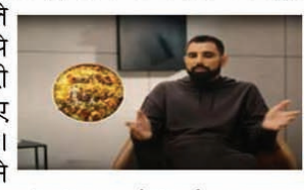

शमी ने अपने वर्कआउट रूटीन के बारे में भी बात की साथ ही अपनी प्रभावशाली ताकत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कई लोग मुझसे ज़्यादा वजन उठाते हैं। मैं इसे सोशल मीडिया पर साझा नहीं करता क्योंकि मुझे इसे ऑनलाइन डालने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसीलिए लोग सोच सकते हैं कि मैं ऐसा नहीं करता। मैं 150 किलोग्राम का वजन बेंच-प्रेस करता हूं और लैग प्रेस में मैं 750 किलोग्राम का वजन उठा सकता हूं।

वनडे में विकेट न मिलने से दबाव में था, इस दिग्गज को दूंगा फिफर का श्रेय : अर्शदीप सिंह

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों के श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में 5 विकेट झटक कर भारत की जीत की नींव रखने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह करियर के पहले 3 मैचों में विकेट नहीं लेने के कारण दबाव में थे। 'मैन ऑफ द मैच' अर्शदीप से रविवार को 37 रन देकर 5 विकेट झटके जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम महज 116 रन पर आउट हो गई। उन्होंने अपने पहले ओवर में दो विकेट चटकाए। उन्होंने पहले पावरप्ले के अंदर 4 विकेट लिए। अर्शदीप ने भारतीय पारी के बाद प्रसारकों से कहा कि मैं थोड़ा दबाव में था क्योंकि मैंने पहले कभी वनडे में कोई विकेट नहीं लिया था। 5 विकेट लेकर खुश हूं। मैच की शुरुआत में पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। बोल्ड करने या पगबाधा करने की हमारी योजना सफल रही। उन्होंने 'मैन ऑफ द मैच' पुरस्कार लेते समय कप्तान लोकेश राहुल का शुक्रिया किया। अर्शदीप ने कहा कि मेरा आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया हुआ था। भगवान और टीम प्रबंधन का शुक्रिया। यह सामान्य मैदानों से थोड़ा अलग है क्योंकि मेरी सांसें फूल रही थीं। मैं केएल राहुल भाई को धन्यवाद दूंगा क्योंकि उन्होंने कहा था कि तुम्हें वापसी पर 5 विकेट हासिल करने होंगे। मुझे लगता है कि यह इस उस पल का लुत्फ उठाने के बारे में है।पंजाब के बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने टी20 श्रृंखला में तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर खेलने के बाद नई गेंद से गेंदबाजी के बारे में पूछे जाने पर कहा कि व्यक्तिगत रूप से यह अच्छा लगता है, मैं अपनी भूमिका का आनंद ले रहा हूं। हमारी टीम का मुख्य उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में ढलना है। चाहे मैं गेंदबाजी की शुरुआत करूं या पहली बदलाव पर गेंदबाजी करनी पड़े, मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करके खुश हूं। यहां गर्मी भी काफी थी। मैं एक साल बाद 50 ओवर का मैच खेल रहा था। लेकिन इसका फायदा मिला और पांच विकेट लेने के बाद मैं काफी तरोताजा महसूस कर रहा हूं।

बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स ने बंगाल विजार्ड्स को हराकर जीता टेनिस प्रीमियर लीग 5 का खिताब

पुणे। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स न बंगाल विजार्ड्स को हराकर क्लियर द्वारा संचालित टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 5 का खिताब जीत लिया है। दिन की शुरुआत सेमीफाइनल मुकाबलों से हुई। दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए और फिर खिताबी मुकाबला खेला गया, जिसमें बेंगलुरू एसजी मावेरिक्स ने बाजी मारी।

दिन के पहले सेमीफाइनल में बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स और दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड आमने-सामने थे। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स की अरीना रोडियोनोवा ने दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड की सहजा यमलापल्ली को महिला एकल मुकाबले में 11-9 से हराया। इसके बाद पुरुष एकल वर्ग का मैच हुआ, जिसमें बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के रामकुमार रामनाथन ने दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड के डेनिस नोवाक को 12-8 से हराकर अपनी टीम को मजबूती प्रदान की। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के अरीना रोडियोनोवा और विष्णु वर्धन ने इसके हबाद मिश्रित युगल वर्ग के मुकाबले में दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड के सहजा यमलापल्ली और जीवन नेदुनचेझियान को 11-9 से हराया। मैच के अंतिम पुरुष युगल वर्ग मैच में बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के रामकुमार रामनाथन और विष्णु वर्धन ने दिल्ली बिन्नी ब्रिगेड के जीवन नेदुनचेझियान और डेनिस नोवाक क सामना किया लेकिन वे यह मैच 7-9 से हार गए। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स ने 41 अंक अर्जित किए और फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। बेंगलुरु एसजी मावेरिक्स के रामकुमार रामनाथन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।दूसरे सेमीफाइनल में बंगाल विजार्ड्स ने पंजाब पैट्रियट्स को हराया। बंगाल विजार्ड्स की मारिया टिमोफीवा ने पंजाब पैट्रियट्स की कोनी पेरिन को 12-8 से हराया। पुरुष एकल वर्ग में, बंगाल विजार्ड्स के श्रीराम बालाजी ने पंजाब पैट्रियट्स के दिग्विजय प्रताप सिंह को 13-7 से हराया। इसके बाद मिश्रित युगल वर्ग का मैच 10-10 पर समाप्त हुआ। बंगाल विजार्ड्स की मारिया टिमोफीवा और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने पंजाब पैट्रियट्स के कोनी पेरिन और अर्जुन खाड़े के साथ ड्रा खेला।

भारत का दमदार ऑलराउंडर प्रदर्शन, द. अफ्रीका के खिलाफ 8 विकेट से जीता पहला वनडे

जोहान्सबर्ग । अर्शदीप सिंह और आवेश खान की शानदार गेंदबाजी के बाद साई सुदर्शन और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने जोहान्सबर्ग के न्यू वांडरर्स स्टेडियम में पहले वनडे में 8 विकेट से जीत दर्ज कर ली है। इसी के साथ ही भारत ने सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सधी हुई शुरूआत की और 23 रन पर पहला विकेट रुतुराज गायकवाड के रूप में गंवाया। गायकवाड़ पांच रन बनाकर वियान मूल्डर की चौथे ओवर की चौथी गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। इसके बाद सुदर्शन और अय्यर के बीच 88 रन की साझेदारी हुई जिसने टीम की जीत की कहानी को पक्का कर दिया। अय्यर (45 गेंदों पर 52 रन, 6 चौके और एक छक्का) हालांकि 15.5 ओवर में अर्धशतक लगाकर फेहलुकवायो की गेंद पर मिलर के हाथों कैच आउट हो गए। इसके बाद सुरर्शन (43 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से नाबाद 55 रन) और तिलक वर्मा (1*) जीत दर्ज कर नाबाद वापस लौटे। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया जो गलत साबित हुआ। अर्शदीप सिंह (5/37) और आवेश खान (4/27) की तूफानी गेंदबाजी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 27.3 ओवर में 116 रन पर ढेर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत खराब रही और अर्शदीप ने आते ही टीम को हिला दिया। टीम संभलती इससे पहले ही आवेश ने अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए जिससे द. अफ्रीका को संभलने का मौका नहीं मिला। टीम की तरफ से एंडिले फेहलुकवेओ टोनी डी जोरजी ने सबसे ज्यादा क्रमशः 33 और 28 रन बनाए। अर्शदीप ने पहले गेंदबाजी भारत को शानदार शुरूआत दिलाई और दूसरे ओवर में दो विकेट झटके। उन्होंने 1.4 ओवर में रीजा हेंड्रिक्स (0) और फिर 1.5 ओवर में रासी वैन डेर डुसेन (0) को पवेलियन भेजा। अर्शदीप ने तीसरा विकेट टोनी डी जोरजी का निकाला और उन्हें 7.5 ओवर में केएल राहुल के हाथों आउट करवाया। टोनी 22 गेंदों पर 2 चौकों और इतने ही छक्कों से 28 रन बनाकर पवेलियनल लौटे। हेनरिक क्लासेन (6) 9.6 ओवर में अर्शदीप की गेंद को पढ़ने में नाकाम रहे और बोल्ड हो गए। एडेन मार्कराम (12) भी फेल साबित हुए और आवेश खान की गेंद 11वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ड हो गए। इसी ओवर की दूसरी गेंद पर आवेश ने वियान मूल्डर को शन्यू पर एलबीडब्ल्यू किया। आवेश ने तीसरा और कुल सातवां झटका 12.6 ओवर में डेविड मिलर के रूप में द. अफ्रीका को दिया और उन्हें दो रन पर राहुल के हाथों कैच आउट करवाया। आवेश ने 18.1 ओवर में केशव महाराज को रुतुराज के हाथों कैच आउट करवकर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। केशव मात्र 4 रन बनाकर वापस लौट गए। अर्शदीप ने पारी में पांचवा विकेट झटकते हुए एंडिले फेहलुकवेओ को शिकार बनाया और उन्हें 25.1 ओवर में 33 रन पर एलबीडब्ल्यू किया। अंतिम विकेट कुलदीप यादव के नाम रहा जिन्होंने 27.3 ओवर में नंद्रे बर्गर (7) को बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्कराम ने कहा, 'हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। प्रयुक्त विकेट, हम पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगे, दो स्पिनर खेल रहे हैं। यह एक शानदार दिन है, लोगों को सलाम।

मदुरै की फर्म की 207 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। एक समूह पर धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में तमिलनाडु में मौजूद 207 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को जब्त किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जानकारी दी। तमिनलाडु पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने मामले की जांच शुरू की है। प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि नियोमैक्स समूह की कंपनियों ने जनता से करोड़ों रूपये इकट्ठा किए। जिसके बाद पैसों को शेल से जुड़ी संस्थाओं, समूह कंपनियों और अन्य वाह्य समूह में लगा दिए और निवेशकों को धोखा दिया। साथ ही आरोप है कि कंपनी ने आपराधिक आय को छुपाने के कई हथकंडे अपनाएं, लेकिन वह सफल नहीं हो सकें। ईडी ने कहा कि खातों से संबंधित किताबों में हेरफेर की गई थी। समूह के ऑडिटर ने अपने बयान में इस बात को स्वीकार किया है। इस बीच दिल्ली की एक कोर्ट ने चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी 'वीवो' के खिलाफ धनशोधन मामले में गिरफ्तार लावा इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक हरिओम राय को तिहाड़ की एक अलग जेल में स्थानांतरित करने की खबर के संबंध में जेल के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किरण गुप्ता ने राय के वकील द्वारा दायर एक आवेदन पर 16 दिसंबर को संबंधित जेल अधिकारियों को नोटिस जारी कर 18 दिसंबर तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

अडाणी की एईसीटीपीएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी

नई दिल्ली। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने कहा कि मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी की सहयोगी कंपनी मुंडी लिमिटेड 247 करोड़ रुपये में अडाणी एन्नोर कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एईसीटीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।एपीएसईजेड की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस संबंध में एक शेयर खरीद समझौते पर 14 दिसंबर 2023 को हस्ताक्षर किए गए। एईसीटीपीएल का कुल उद्यम मूल्य 1,211 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया, लेन-देन के लिए अभी विनियामक की मंजूरी की आवश्यकता है।

लेन-देन के तीन से चार महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके पूरा होने के बाद एपीएसईजेड की एईसीटीपीएल में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। बयान के अनुसार, मुंद्रा बंदरगाह पर सीटी3 कंटेनर टर्मिनल के लिए संयुक्त उद्यम के बाद यह टीआईएल के साथ एपीएसईजेड की दूसरी रणनीतिक साझेदारी है। एपीएसईजेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं पूर्णकालिक निदेशक करण अडाणी ने कहा, '' दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी (एमएससी) के साथ हमारा सहयोग पारदर्शी व्यावसायिक दृष्टिकोण के जरिए क्षेत्रीय विकास में तेजी लाने की एपीएसईजेड के मजबूत दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मूर्ति ने अपने बारे में फेक न्यूज को लेकर चिंता जताई, जनता से सतर्क रहने को कहा

नई दिल्ली। इन्फोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने उन 'फेक न्यूज' को लेकर चिंता जताई, जिनमें दावा किया गया था कि उन्होंने स्वचालित ट्रेडिंग अनुप्रयोगों का समर्थन किया है। उन्होंने साथ ही आम लोगों को ऐसे धोखाधड़ी वाले दावों में न फंसने की चेतावनी दी है। उन्होंने 'फर्जी साक्षात्कारों' की भी आलोचना की, जिनमें उनकी डीपफेक तस्वीर और वीडियो का इस्तेमाल किया गया था। मूर्ति ने 'एक्स' पर कई पोस्ट कर जनता का ध्यान दुर्भावनापूर्ण साइटों और उनके नाम का गलत इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से बेचे जा रहे उत्पादों या सेवाओं के प्रति आगाह किया। उन्होंने लोगों से ऐसे किसी भी मामले की शिकायत संबंधित नियामकीय अधिकारियों को करने का आग्रह किया। मूर्ति ने कहा, ''हाल के महीनों में, सोशल मीडिया ऐप और इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न वेबपेज के माध्यम से कई फेक न्यूज फैलाई गई हैं। इनमें दावा किया गया है कि मैंने स्वचालित ट्रेडिंग ऐप का समर्थन किया है या उनमें निवेश किया है। इन ऐप के नाम बीटीसी एआई इवेक्स, ब्रिटिश बिटकॉइन प्रॉफिट, बिट लाइट सिंक, इमीडियेट मोमेंटम, कैपिटलिक्स वेंचर्स आदि हैं।'' ये भ्रामक विज्ञापन धोखाधड़ी वाली वेबसाइटों पर दिखाई देते हैं, जिन्हें लोकप्रिय समाचार पत्रों की वेबसाइटों से मिलते जुलते लेआउट में तैयार किया गया है।

कच्चा तेल 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में तेजी का रुख कायम है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक आज दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन कारोबार की शुरुआत में ब्रेंड क्रूड 0.32 डॉलर यानी 0.42 फीसदी की उछाल के साथ 76.87 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.32 डॉलर यानी 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ 71.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

उद्योगपति सज्जन जिंदल ने आरोपों को किया खारिज; मुंबई में दर्ज हुआ था छेड़छाड़-दुष्कर्म का मामला

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील कंपनी के प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल ने अपने ऊपर लगे छेड़छाड़ और दुष्कर्म के आरोप को सिरे से नकार दिया है। उद्योगपति की ओर से रविवार शाम को जारी बयान में इन आरोपों का खंडन किया गया। बयान के मुताबिक, जिंदल ने आरोपों से इनकार करते इसे झूठे और निराधार करार दिया है। वह पूरी जांच में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चूंकि, जांच जारी है, इसलिए मामले में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते। हम आपसे परिवार की गोपनीयता का सम्मान करने की अपील भी करते हैं।

क्या है मामला?

दरअसल, हाल ही में जेएसडब्ल्यू स्टील कंपनी के प्रबंध निदेशक पर एक महिला से छेड़छाड़ व दुष्कर्म का आरोप लगा था। मामले में जिंदल के खिलाफ

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

ये आरोप लगाए गए थे

पुलिस के अनुसार सज्जन जिंदल की मुलाकात इस महिला से 2021 में आईपीएल मैच देखने के दौरान वीआईपी बॉक्स में हुई थी। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में घटना के बारे में बताते हुए आरोप लगाया है कि 24 जनवरी 2022 को बीकेसी स्थित जेएसडब्ल्यू स्टील कार्यालय के पेंट हाउस में उससे दुष्कर्म किया गया था और उसने इस साल फरवरी में बीकेसी पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई थी। लेकिन उसकी शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। उसे जिंदल से धमकियां मिल रही थीं कि पैसे लेकर मामला रफा दफा कर दो।

शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने अपने बयान में कहा है कि अक्टूबर 2021 में वह वीआईपी बॉक्स से आईपीएल देख रही थीं। उसी समय उनकी मुलाकात सज्जन जिंदल से हुई और वे एक-दूसरे से परिचित हुए।

इक्विटी-डेट के मिश्रण से मिल सकता है अच्छा रिटर्न

मुंबई। अगर कोई निवेशक आक्रामक हाइब्रिड फंड में निवेश करना चाहता है तो इसके प्रदर्शन के लिहाज से इसकी स्थिरता को देखते हुए इसमें पैसा लगाने पर विचार कर सकता है।?इसमें विदेशी इक्विटी में भी निवेश की सुविधा होती है। यह स्कीम सरकार, अर्ध-सरकारी एजेंसियों और अच्छी तरह से रिसर्च किए गए कॉरपोरेट प्रतिभूतियों की ओर से जारी फिक्स्ड इनकम में भी निवेश करता है। फंड चतुराई पूर्वक एए और उससे ऊपर की क्रेडिट रेटिंग वाली लंबी अवधि की फिक्स्ड इनकम प्रतिभूतियों में निवेश करता है। हैं।

यह फंड ज्यादातर निवेश इक्विटी में करता है। उदाहरण के तौर पर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी एंड डेट फंड ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 26,272 करोड़ रुपये है। इक्विटी निवेश 65-80 फीसदी के बीच होता है, जबकि डेट में 20-35 फीसदी के बीच। एक साल में इस फंड ने न सिर्फ बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है, बल्कि अपनी श्रेणी के प्रतिस्पर्धियों से काफी आगे निकल गया है। यह लगभग सभी समय-सीमा के दौरान अपनी कैटेगरी में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंड के रूप में उभरा है।

सालाना 15.06त्न दर से चक्रवृद्धि रिटर्न

अगर फंड की 24 साल की यात्रा पर नजर दौड़ाई जाए तो पता चलेगा कि इसकी स्थापना के समय (03 नवंबर, 1999) एक लाख रुपये का एकमुश्त निवेश अब 29.33 लाख रुपये हो गया है। यानी 15.06 फीसदी की चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न। निफ्टी 50 टीआरआई (अतिरिक्त बेंचमार्क) ने 13.48 फीसदी सीएजीआर रिटर्न दिया है और एक लाख रुपये 21.03 लाख रुपये बना है। एसआईपी से 10,000 रुपये का मासिक निवेश अब 2.8 करोड़ हो गया है जबकि निवेश की रकम सिर्फ 28.9 लाख रुपये रही है। यानी 16.12 फीसदी का सीएजीआर रिटर्न।

लार्ज, मिड और स्मॉलकैप पर रहता है फोकस

ऐसे फंड लार्ज, मिड और स्मॉलकैप में निवेश करते हैं। 30 नवंबर, 2023 तक लार्ज, मिड व स्मॉलकैप शेयरों में निवेश क्रमशः 90 फीसदी, 5 फीसदी और 5 फीसदी है। स्टॉक चयन के लिए फंड टॉप-डाउन व बॉटम-अप अप्रोच का उपयोग करता है। निवेश में क्षेत्र को ज्यादा महत्व नहीं देता है। यह फंड ऊर्जा, दूरसंचार, वाहन और तेल-गैस पर ज्यादा भरोसा नहीं करता है।

निवेश सलाहकार अर्चना पांडे बताती हैं कि इक्विटी और डेट फंड उन निवेशकों के लिए है, जो आक्रामक तरीके से निवेश करना चाहते हैं। साथ ही, अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न पाना चाहते हैं। बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह निवेश का एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या पांच साल में बढ़कर 1.13 करोड़ हुई

नई दिल्ली। जीएसटी के नियमों में सुधार के कारण अप्रैल, 2023 तक पांच वर्षों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या करीब 65 फीसदी उछलकर 1.13 करोड़ हो गई। इसके साथ ही जीएसटी के तहत पंजीकृत सक्रिय करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.40 करोड़ हो गई है, जो अप्रैल 2018 में 1.06 करोड़ थी।वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर दी जानकारी में बताया कि जीएसटी नियमों और प्रक्रियाओं में सरलीकरण के परिणामस्वरूप पात्र करदाताओं द्वारा रिटर्न दाखिल करने का प्रतिशत बढ़ गया है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 202324 में फाइलिंग माह के अंत तक 90 फीसदी पात्र करदाता जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल कर रहे हैं। यह आंकड़ा जीएसटी लागू होने के पहले वित्त वर्ष 2017-18 में 68 फीसदी था। जीएसटीआर-3बी दाखिल करने वालों की संख्या अप्रैल, 2018 में 72.49 लाख से बढ़कर अप्रैल, 2023 तक 112.75 लाख यानी करीब 1.13 करोड़ हो गई। जीएसटीआर-3बी बाहरी आपूर्ति विवरण और कर भुगतान दाखिल करने के लिए मासिक रिटर्न फॉर्म है। मंत्रालय ने बताया कहा कि पिछले कुछ साल में रिटर्न फाइलिंग में वृद्धि अनुपालन स्तर में सुधार का संकेत देती है।

इससे पहले नवंबर महीने में मासिक जीएसटी राजस्व संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में यह छठी बार है, जबकि मासिक सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। अप्रैल, 2023 में जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड 1.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। एक जुलाई, 2017 को देश में जीएसटी लागू किया गया था। इसमें उत्पाद शुल्क, सेवा कर और वैट जैसे एक दर्जन से अधिक स्थानीय करों को शामिल किया गया है।

'ब्लू ओरिजिन को मेरी जरूरत', अमेजन के सीईओ पद से दिए इस्तीफे पर आखिरकार जेफ बेजोस ने तोड़ी चुप्पी

वाशिंगटन। ई-कॉमर्स कंपनी 'अमेजन' के संस्थापक जेफ बेजोस ने दो वर्ष पहले कंपनी के सीईओ पद से छोड़ दिया था। उनके इस फैसले ने दुनियाभर को आश्चर्यचकित कर दिया था। उनके इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी थी। कई लोग इसे कंपनी की आंतरिक कलह से जोड़कर देख रहे थे, लेकिन इन सबको दरकिनार करते हुए आखिरकार दो साल बाद जेफ बेजोस ने पद छोड़ने के अपने फैसले पर चुप्पी तोड़ी है।

दोनों कंपनियों का एक साथ प्रबंधन चुनौती था-बेजोस

उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि मेरे इस फैसले ने कई लोगों को चौंका दिया था। उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया था क्योंकि वह अंतरिक्ष अन्वेषण से जुड़ी अपनी 'ब्लू ओरिजिन' को गति देना चाहते थे। उन्होंने अपने फैसले से जुड़ी कुछ बातों को साझा करते हुए कहा था कि मैं 'ब्लू ओरिजिन' के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। हालांकि मेरे लिए भी यह फैसला कठिन था। बता दें 1994 में ई-कॉमर्स कंपनी

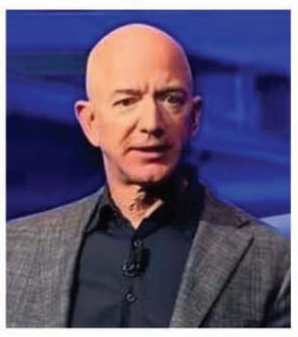

'अमेजन' स्थापित की गई थी। साथ ही उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में तेज गति से बढ़ने की जरूरत है और मेरे लिए यह संभव ही नहीं था कि मैं 'ब्लू ओरिजिन' और अमेजन दोनों को एक साथ चला संकू।

'हालांकि यह हितधारकों के साथ अन्याय है...'

अपने साक्षात्कार में उन्होंने ब्लू ओरिजिन पर फोकस करने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि ब्लू ओरिजिन के विकास पर जोर दे रहा हूं। मैं इसमें आना चाहता था और ब्लू ओरिजिन को मेरी जरूरत है। हालांकि उन्होंने कहा कि अमेजन पर पूरा ध्यान न देना उसके हितधारकों के साथ अन्याय होगा। मैं चीजों के बारे में अक्सर ऐसा ही सोचता हूं। इसमें कोई शक नहीं कि यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फैसला था। हालांकि मैं अभी भी कार्यकारी अध्यक्ष हूं। मैं चाहता था कि मैं ब्लू ओरिजिन में ज्यादा समय बिता संकू। अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहे हैं।

अब मेरा ज्यादातर समय यहां गुजर रहा- बेजोस

ब्लू ओरिजिन के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि मैं इस पर बहुत मेहनत कर रहा हूं। हालांकि कुछ दिन बहुत कष्टप्रद हैं। मेरा अधिकांश समय ब्लू ओरिजिन में ही गुजरता है। विगत कुछ वर्षों से ही मैं पूरी तरह से इसके साथ जुड़ा हूं। बता दें ब्लू ओरिजिन तीन अंतरिक्ष वाहनों, न्यू शेपर्ड, न्यू ग्लेन और ब्लू मून के विकास के लिए जाना जाता है। गौरतलब है कि जेफ बेजोस ने 2000 में ब्लू ओरिजिन की स्थापना की थी।

एलसीडी पैनलों की खरीदारी में केंद्र के नियमों की हुई अनदेखी, चीन से ज्यादा कीमत पर खरीदे गए उत्पाद

नई दिल्ली। एक ओर मोदी सरकार मेड-इन-इंडिया को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर महाराष्ट्र व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशालय (डीवीईटी) ने चीन की एक कंपनी बेनक्यू द्वारा बनाए गए कई करोड़ रुपये के एलसीडी इंटरैक्टिव पैनलों का आयात किया है। चीन को फिलहाल एक ऐसा देश माना जाता है जिसे सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर बढ़ावा नहीं दिया जाता है।

महाराष्ट्र सरकार की इस डील पर अब सवाल उठ रहे हैं। आरोप लग रहे हैं कि विभाग ने अपनी निविदा में कुछ प्रमाणीकरण की आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया था, जिससे सभी भारतीय निर्माता दौड़ से बाहर हो गए। लेकिन अंततः जो आयात किया गया था, उसके पास भी वे प्रमाण पत्र नहीं थे।

प्रत्येक पैनल के लिए भुगतान की गई कीमत भी कथित तौर पर औसत दर से बहुत अधिक है। कहा जा रहा है कि निविदा 'मेक इन इंडिया' के शर्त को हटाने के बाद जीईएम पोर्टल पर जारी की गई थी। खरीद एजेंसियों को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के शिक्षकों ने प्रत्येक पैनल के लिए भुगतान की गई कीमत के दस्तावेज साझा किए।

जीईएम पोर्टल पर ताइवान में बने बेनक्यू पैनल को 1.3 लाख रुपये की कीमत के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। लेकिन डीवीईटी ने चीन में बने 242 बेनक्यू पैनलों में से प्रत्येक के लिए 2.2 लाख रुपये का भुगतान किया। जिनकी जीईएम पोर्टल पर सूचीबद्ध होने की अनुमति नहीं थी।जीईएम पोर्टल पर, चीन और पाकिस्तान से आने वाले उत्पादों और सेवाओं को बेचने वाले आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं, डीलरों और विक्रेताओं को पंजीकरण करने की अनुमति नहीं है। डीवीईटी के निदेशक दिगंबर दलवी ने किसी भी नियम का उल्लंघन होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी समिति द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद आदेश दिए गए। ÷हम विक्रेताओं द्वारा प्रस्तुत कागजात को देखते हैं और फिर एक आदेश देते हैं। उन्होंने कहा विक्रेता ने हमें बताया कि वह ताइवान निर्मित उत्पादों की आपूर्ति करेगा और लेकिन उसने वास्तव में चीन में बने उत्पाद भेज दिए। मुझे अभी तक ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने कहा, 'एक समिति है जो कीमत के पहलू पर गौर करती है। इसके अलावा, डिलीवरी लागत, परिवहन, अन्य ओपेक्स (परिचालन व्यय) पर भी गौर किया जाता है। इंटरएक्टिव पैनल आईटीआई में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने की योजना के एक हिस्से के रूप में खरीदे गए थे। खरीदे गए अधिकांश पैनल (112) विश्व बैंक और भारत सरकार की कौशल सुदृढ़ीकरण परियोजना के तहत प्राप्त धन के माध्यम से खरीदे गए हैं।

इस खरीदारी के लिए जिस प्रमाणपत्रों की मांग की गई थी, वे टीयूवी के थे, जो गुणवत्ता, डिजाइन और विनिर्माण के यूरोपीय मानकों को पूरा करते हैं, जो अधिकांश भारतीय उत्पादों के पास नहीं हैं। एक आईटीआई शिक्षक ने कहा कि यह स्पष्ट है कि एक उत्पाद को लाभ पहुंचाने के लिए खरीद प्रक्रिया में हेरफेर किया गया था। उन्होंने कहा, ÷शुरुआत से ही यह निविदा एक बेनक्यू को लाभ पहुंचाने के लिए जारी की गई थी। वास्तव में, आवेदन करने वाले सभी बोलीदाताओं में से, चार योग्य लोगों ने एक ही कंपनी के एलसीडी पैनल की पेशकश की। जीईएम पोर्टल और राज्य सरकार के खरीद नियमों में कहा गया है कि यदि केवल एक ब्रांड या उत्पाद योग्य सूची में जगह बनाता है, तो निष्पक्ष होने के लिए, निविदा विनिर्देशों को बदलना होगा या फिर से निविदा दी जानी चाहिए।

कृषि निर्यात में बढ़ोतरी जारी, फल व सब्जी में 31 प्रतिशत का हुआ इजाफा; पिछले साल की तुलना में कितना हुआ इजाफा

नई दिल्ली। वस्तुओं के कुल निर्यात में गिरावट का दौर चल रहा है, लेकिन कृषि निर्यात में मजबूती दिख रही है। कृषि निर्यात में मजबूती से वस्तुओं के कुल निर्यात को समर्थन मिलने के साथ किसानों को भी फायदा हो रहा है। नवंबर में वस्तुओं के कुल निर्यात में पिछले साल

नवंबर की तुलना में 2.84 प्रतिशत की गिरावट रही, लेकिन फल व सब्जी, कॉफी, मसाला, मांस, डेयरी व पोल्ट्री उत्पाद, ऑयल मिल्स, तैयार अनाज व खाने के प्रोसेस्ड आइटम के निर्यात में बढ़ोतरी रही। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में फल व सब्जी के निर्यात में पिछले साल नवंबर की तुलना में 31.14 प्रतिशत का इजाफा रहा।

इन देशों में बढ़ रही भारतीय सब्जियों की मांग

पिछले कुछ सालों से खाड़ी के देशों के साथ थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर व कई यूरोपीय देशों में भारतीय सब्जी व फल की मांग लगातार बढ़ रही है। खाड़ी के देशों में तो भारत से कई हरी सब्जी का निर्यात हो रहा है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल-नवंबर में फल व सब्जी के निर्यात में 15.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही।

भारतीय मांस, डेयरी व पोल्ट्री उत्पादों की मांग भी दुनिया भर में बढ़ रही है। मांस, डेयरी व पोल्ट्री उत्पादों के निर्यात में इस साल नवंबर में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 20 प्रतिशत का इजाफा रहा। नवंबर में कॉफी के निर्यात में 11 प्रतिशत, मसाले में 11.30 प्रतिशत, ऑयल मिल्स में 17.22 प्रतिशत तो तैयार अनाज एवं प्रोसेस्ड खाद्य आइटम के निर्यात में 5.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अच्छी खबर, जुलाई 2022 से जून 2023 तक 13.4फीसदी घटी बेरोजगारी दर

नई दिल्ली। देश में रोजगार को लेकर बड़ी और अच्छी खबर सामने आ रही है। एक सरकारी सर्वे के मुताबिक ग्रेजुएट करने वाले छात्रों के बीच बेरोजगारी कम हुई है। सर्वे के मुताबिक 15 साल और उससे अधिक आयु वर्ग के ग्रेजुएट के बीच बेरोजगारी दर 2022-23 में घटकर 13.4 प्रतिशत हो गई है, जो एक साल पहले 14.9 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा किए गए लेटेस्ट आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 15 साल और उससे अधिक आयु के ग्रेजुएट के बीच साल 2022-23 के दौरान सबसे कम बेरोजगारी दर चंडीगढ़ में 5.6 प्रतिशत रही। दूसरे नंबर पर 5.7 प्रतिशत के साथ दिल्ली का स्थान रहा।

आंकड़ों के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप में सबसे अधिक बेरोजगारी 33 प्रतिशत है, इसके बाद लद्दाख में 26.5 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 24 प्रतिशत है। बड़े राज्यों की बात करें तो राजस्थान में बेरोजगारी दर 23.1 प्रतिशत और ओडिशा में 21.9 प्रतिशत है। आपको बता दें कि NSSO ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण को शुरू किया था मंत्रालय द्वारा जुलाई 2017-जून 2018, जुलाई 2018-जून 2019, जुलाई 2019-जून 2020, जुलाई 2020-जून 2021 और जुलाई 2021-जून 2022 के दौरान पीएलएफएस में एकत्र आंकड़ों के आधार पर पांच साल की रिपोर्टें जारी की है। वर्तमान में जारी रिपोर्ट छठी रिपोर्ट है। जुलाई 2022-जून 2023 की अवधि के लिए आवंटित सैंपल के संबंध में जानकारी एकत्र करने के लिए फील्ड कार्य, राज्य के लिए 51 पहली यात्रा और 68 पुनरीक्षण एफएसयू को छोड़कर, पहली यात्रा के साथ-साथ पुनरीक्षित नमूनों के लिए समय पर पूरा किया गया था।

वास्तु-दोष से निपटने के लिए सबसे पहले दिशा-ज्ञान होना जरूरी है। ऐसा होने पर आप खुद समझ जाएंगे आप कहां गलत हैं और कहां सही...

सुख-समृद्धि के लिए दिशा ज्ञान जरूरी

घर में कौन-सा सामान कहां रखें? कहीं कबाड़ का इस दिशा में होना नुकसानदेह तो नहीं! किचन किस दिशा में हो, टॉयलेट का फलां दिशा में होना अशुभ तो नहीं? दिशा से जुड़े इस तरह के सवाल आपको परेशान करते हैं? वास्तु-दोष से निपटने के लिए सबसे पहले दिशा-ज्ञान होना जरूरी है। ऐसा होने पर आप खुद समझ जाएंगे आप कहां गलत हैं और कहां सही। जानिए और आज ही अपने घर के इंटीरियर को बदलकर शुरू कर दीजिए पॉजिटिव नतीजे पाना...

उत्तर दिशा - उत्तर दिशा के अधिष्ठित देवता कुबेर हैं जो धन और समृद्धि के द्योतक हैं। ज्योतिष के अनुसार बुद्ध ग्रह उत्तर दिशा के स्वामी हैं। उत्तर दिशा को मातृ स्थान भी कहा गया है। इस दिशा में स्थान खाली रखना या कच्ची भूमि छोड़ना धन और समृद्धि कारक है।

पूर्व दिशा - पूर्व दिशा के देवता इंद्र हैं। आत्मा के कारक और रासृष्टि प्रकाश सूर्य पूर्व दिशा से उदय होते हैं। पूर्व दिशा पितृस्थान का द्योतक है। इस दिशा में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए। पूर्व दिशा में खुला स्थान परिवार के मुखिया की लम्बी उम्र का प्रतीक है।

पश्चिम दिशा - वरुण पश्चिम दिशा के देवता है और ज्योतिष के अनुसार शनिदेव पश्चिम दिशा के स्वामी हैं। यह दिशा प्रसिद्धि, भाग्य और ख्याति का प्रतीक है।

दक्षिण दिशा - यम दक्षिण दिशा के अधिष्ठित देव हैं। दक्षिण दिशा में वास्तु के नियमानुसार निर्माण करने से सुख, सम्पन्नता और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

ईशान कोण - पूर्व और उत्तर दिशाएं जहां पर मिलती हैं उस स्थान को ईशान कोण की संज्ञा दी गई है। यह दो दिशाओं का सर्वोतम मिलन स्थान है। यह स्थान भगवान शिव और जल का स्थान भी माना गया है। ईशान को सदैव स्वच्छ और शुद्ध रखना चाहिए। इस स्थान पर जलीय स्रोतों जैसे कुंआ, बोरिंग वगैरह की व्यवस्था सर्वोतम परिणाम देती है। पूजा स्थान के लिए ईशान कोण को विशेष महत्व दिया जाता है। इस स्थान पर कूड़ा करकट रखना, स्टोर, टॉयलट वगैरह बनाना वर्जित है।

आग्नेय कोण - दक्षिण और पूर्व के मध्य का कोणीय स्थान आग्नेय कोण के नाम से जाना जाता है। नाम से ही साफ हो जाता है कि यह स्थान अग्नि देवता का प्रमुख स्थान है इसलिए रसोई या अग्नि संबंधी (इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों आदि) के रखने के लिए विशेष स्थान है। शुक्र ग्रह इस दिशा के स्वामी हैं। आग्नेय का वास्तुसम्मत होना निवासियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

नैऋत्य कोण - दक्षिण और पश्चिम दिशा के मध्य के स्थान को नैऋत्य दिशा का नाम दिया गया है। इस दिशा पर निरूति या पूतना का आधिपत्य है। ज्योतिष के अनुसार राहू और केतु इस दिशा के स्वामी हैं। इस क्षेत्र का मुख्य तत्व पृथ्वी है। पृथ्वी तत्व की प्रमुखता के कारण इस स्थान को ऊंचा और भारी रखना चाहिए। इस दिशा में गड्ढे, बोरिंग, कुंए इत्यादि नहीं होने चाहिए।

वायव्य कोण - उत्तर और पश्चिम दिशा के मध्य के कोणीय स्थान को वायव्य दिशा का नाम दिया गया है। इस दिशा का मुख्य तत्व वायु है। इस स्थान का प्रभाव पड़ोसियों, मित्रों और संबंधियों से अच्छे या बुरे संबंधों का कारण बनता है। वास्तु के सही उपयोग से इसे सदोपयोगी बनाया जा सकता है।

घर में ईश्वरीय शक्तियों के प्रवेश से खोलें किस्मत का ताला

सनातन धर्म में व्रत व पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। यह हमारे रीति-रिवाज व परंपरा के द्योतक है। पूजा-पाठ करने से पूर्व सिर पर पल्लू, हाथों में पूजन सामग्री और समर्पण भाव से झुकी हुई आंखें रखना हमारी विरासत है, जिसकी जिम्मेदारी विशेष रूप से घर की महिलाएं संभालती हैं।

जब आप किसी कारणवश मानसिक रूप से कमजोर पड़ जाते हैं अथवा घर में क्लेश, रोग या आर्थिक तंगी से परेशान होते हैं तो उस समय जादू टोने तंत्र मंत्र में पड़ने से बेहतर है भगवान की शरण में जाएं। पूजा-पाठ से समस्त कार्यों के अच्छा होने की उम्मीद जाग जाती है। भक्ति में बड़ी शक्ति है अवश्यकता है तो केवल विश्वास रखने की। यही विश्वास घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच पूजन करने को विवश करता है। जब किसी भौतिक समस्या का निदान हम अपने प्रयासों से नहीं ढूंढ़ पाते तब पूजा-पाठ ही आखिरी रास्ता बचता है। यह महज धारणा नहीं, बल्कि हकीकत है। घर में देवालाय वास्तु शास्त्र के अनुरूप हो तो अत्यन्त शुभ फल प्रदान करता है और देवालाय के माध्यम से आपकी किस्मत का ताला भी खुल जाता है। देवालाय पूर्वी या उत्तरी ईशान कोण में बनाएं क्योंकि ईश्वरीय शक्तियां ईशान कोण से प्रवेश करती हैं और नैऋत्य कोण पश्चिम-दक्षिण से बाहर निकलती है। इसका एक हिस्सा शरीर द्वारा ग्राह्य बायोशक्ति में बदलकर जीवनोपयोगी बनता है। वास्तुशास्त्र प्रकृति से पूर्ण लाभ प्राप्त करने की व्यवस्था करता है न कि भाग्य को बदलने की। पूजा-पाठ करते समय जातक का मुंह पश्चिम दिशा में होना शुभ फलदायी होता है इसके लिए पूजा स्थल का द्वार पूर्व की ओर होना चाहिए। शौचालय तथा पूजा घर पास-पास नहीं होना चाहिए। जब भी आपका मन अशांत हो, यहां आकर आप नई ऊर्जा प्राप्त कर सकते हैं। कर्मों का फल शुभाशुभ जैसा भी हो हमें भोगना अवश्य पड़ेगा। इतना है कि सुकर्म कष्ट को कम कर देते हैं।

घर में सुख शांति और धन लाभ हेतु चमत्कारी उपाय

क्या आपके घर में कलह क्लेश का माहौल रहता है? क्या घर में झगड़ों की वजह से आपका चित्त अशांत रहता है? घर में पैसों का अभाव रहता है? यदि ऐसा है तो कहीं न कहीं आपके घर का वास्तु ठीक नहीं है। घर में सुख शांति और धन लाभ हेतु चमत्कारी उपाय

- प्रतिदिन गणेश पूजन करें और मोदक का भोग लगाएं।
- नवग्रह शांति पूजा, वास्तु पुरुष की पूजा, नवचंडी यज्ञ, शांतिपाठ, अग्नि होत्र यज्ञ अपनी क्षमता अनुसार करवाते रहें।
- वास्तु पुरूष की मूर्ति, चांदी का नाग, तांबे की तार, मोती और पौला को थोड़ी सी लाल मिट्टी के साथ लाल कपड़े में डाल कर पूर्व दिशा में रखें।
- लाल रेती, काजू, पौला को लाल कपड़े में बांध कर मंगलवार के दिन पश्चिम दिशा में रख दें और रोजाना उसकी पूजा करें तो घर में शांति का माहौल बना रहता है।
- घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा कटी हो अथवा पारिवारिक सदस्यों में मतभेद रहते हो तो घर में पितृशांति, पिंडदान, नागबली, नारायण बली करवाएं।
- प्रत्येक सप्ताह में पड़ने वाले सोमवार को और महीने में आने वाली अमावास्या के दिन रुद्री करें।
- भंडार घर को हमेशा भर कर रखने से घर में सकरात्मकता आती है।
- हर साल ग्रह शांति करवाने से पापों का क्षय होता है।
- परिवार के सभी सदस्यों का एक साथ खींचा हुआ चित्र किसी उपयुक्त स्थान पर लगाना चाहिए। ध्यान रहें कि सभी सदस्य प्रसन्न मुद्रा में मुस्कराते हुए दिखाई दें। यह चित्र दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं।

जीवन में आकर्षण निर्धारित करना चाहते हैं तो...

बांस का पौधा फेंग शुई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सौभाग्य के लिए लम्बी आयु का होना आवश्यक है। बांस का पौधा लम्बी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। भाग्य के लिए बांस के पौधे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भरपूर वृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह पौधा अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। यह अच्छे भाग्य का भी संकेत देता है। आफिस या दुकान के मुख्य द्वार के ऊपर बांस के दो टुकड़े छ इंच या नौ इंच के लाल रिबन में बांध कर टांग सकते हैं। बांस के टुकड़े के दोनों सिरे खुले होने चाहिए। इससे व्यवसाय प्रतीकात्मक रूप में बांस के पौधे की भांति संकट काल में स्थिर रहेगा तथा अनुकुल समय आने पर खुब समृद्ध होगा। बांस का पौधा ऊर्जा के संयंत्र घर और जीवन में आकर्षण निर्धारित करता है। बागान में जितने अधिक डंठल का पौधा होगा। जातक को उतनी अच्छी किस्मत और भाग्य का आशीर्वाद मिलेगा। लकी लॉग बांस समृद्धि से भरा है और मजबूत जीवन का प्रतीक है। बहुत से लोग उपहार, जन्मदिन, वर्षगांठ, भव्य उद्घाटन, पुरस्कार, उपलब्धियों और अन्य शुभ अवसरों पर बांस का पौधा उपहार के रूप में देते हैं। उपहार प्राप्त करने वाले का भाग्य चमकने लगता है। आप अपने घर में सद्भाव को प्राप्त करने के लिए भाग्यशाली बांस का उपयोग कर सकते हैं।

रसोई होगी समृद्धशाली तो घर में आएगी खुशहाली

घर की रौनक होती है रसोई। गृह लक्ष्मी का भी ज्यादातर समय रसोई में ही बीतता है। ऐसे में रसोई का वास्तु के अनुसार होना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से होता है। स्वच्छ चित्त, प्रसन्न मन और सर्वोत्तम आहार सभी में रसोई की अपनी भूमिका होती है। रसोई बनाने से पहले वास्तु के अनुसार आदर्श स्थान दक्षिण-पूर्व कोना (आग्रेय कोण) होता है। दूसरे स्थान के रूप में उत्तर-पश्चिम या वायव्य कोण में भी रसोई का निर्माण किया जाए तो अच्छा रहता है। दक्षिण, पश्चिम, उत्तर, ईशान कोण एवं नैऋत्य कोण रसोई के लिए वर्जित होते हैं। रसोई में गैस सिलैंडर और चूल्हा स्थापन इस प्रकार होना चाहिए कि खाना बनाने वाले का चेहरा पूर्व की तरफ हो। साथ ही प्लेटफार्म उत्तर एवं पूर्व की दीवार में एकदम न लगता हों।

जल और अग्नि साथ-साथ न हों इसके लिए बर्तन धोने का सिंक और पानी के नल चूल्हे से दूर होने चाहिएं। रसोई घर में अवन इत्यादि बिजली उपकरण अग्नि कोण में होने चाहिएं। फ्रिज दक्षिण-पश्चिम में तथा एग्जॉस्ट फैन ईशान कोण में होना चाहिए। गैस चूल्हे के ऊपर सामान रखने के लिए अलमारियों का निर्माण नहीं करवाना चाहिए। हवा का आवागमन सुगमता से हो सके, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। रसोई घर की दीवार से सटा कर, इसके ऊपर या नीचे टॉयलैट नहीं होना चाहिए। रसोई घर के एकदम मध्य में बैठकर कभी भी भोजन नहीं करना चाहिए साथ ही रसोई घर का चूल्हा बाहर बैठे व्यक्ति को दिखाई नहीं देना चाहिए। रसोई के ऊपर या नीचे सोने का कमरा या पूजा कक्ष न हो, इसका भी ध्यान रखना जरूरी है। रसोई के उत्तर-पूर्व की ओर हल्के सामान का भंडारण करें, जबकि दक्षिण और पश्चिम की ओर भारी वस्तुओं का।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक शिव कुमार ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड, 32, कश्मीरी कॉलोनी, खैरा विलेज, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677, टोडरमल कॉलोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित

RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क: 9871096636, **Email: Nazafgarhmetronews@gmail.com** समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे